Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
बोकारो, मंगलवार
13.10.2026
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 348
PRGI/RNI No. JHAHIN/2014/54374

# राष्ट्रीय मुख्यधारा

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

**राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !**

## विपक्षी दलों ने सुप्रीम कोर्ट तक निकाला मार्च

**एजेंसी, नई दिल्ली**

विपक्षी इंडी गठबंधन के सांसदों और नेताओं ने सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए उच्चतम न्यायालय तक मार्च निकाला। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा समेत इंडी गठबंधन के कई प्रमुख नेताओं को लेकर एक विशेष बस कॉन्स्टिट्यूशन क्लब से बाराखंबा रोड की ओर रवाना हुई, जहां से विपक्षी नेता उच्चतम न्यायालय तक पैदल जाएंगे। विपक्षी गठबंधन ने घोषणा की है कि वे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के रवैये, एसआईआर और कथित 'वोट चोरी' को रोकने के संबंध में उच्चतम न्यायालय में औपचारिक याचिका दायर करेंगे। मार्च से पहले कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में एकत्र हुए विपक्षी सांसदों ने जोरदार नारेबाजी की। इस प्रदर्शन में कांग्रेस नेताओं के साथ-साथ संजय राउत और अरविंद सावंत (शिवसेना - यूबीटी), धर्मेंद्र यादव (समाजवादी पार्टी), महुआ मोइत्रा (तृणमूल कांग्रेस), महुआ माझी (झारखंड मुक्ति मोर्चा) सहित विपक्षी दलों के कई सांसद शामिल हैं। 'चलो दिल्ली-लोकतंत्र के लिए मार्च' के आह्वान के बाद बाराखंबा रोड जंक्शन तथा आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और प्रदर्शनकारी एकत्र हुए हैं। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। विपक्षी सांसदों का काफिला बाराखंबा रोड से उच्चतम न्यायालय की ओर बढ़ रहा है, जहां वे याचिका प्रस्तुत कर चुनाव आयोग की भूमिका पर न्यायिक जांच की मांग करेंगे।

## 'कांग्रेस की हार का कारण चुनाव आयोग नहीं, विचारशून्य नेतृत्व है'

**एजेंसी, नई दिल्ली**

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कहा कि कांग्रेस की हार का कारण चुनाव आयोग नहीं, बल्कि पार्टी का विचारशून्य एवं गैरजिम्मेदाराना नेतृत्व है तभी कांग्रेस अपनी चुनावी विफलताओं की जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय संवैधानिक संस्थाओं पर दोष मढ़ रही है। भाजपा केंद्रीय कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कांग्रेस पर लगातार चुनावी हार से निराश होकर संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस का लगातार चुनाव हारना और उसके बाद आंदोलन के जरिए अपनी नाराजगी सड़कों पर जाहिर करना उसकी राजनीतिक कार्यशैली बन गई है। उन्होंने असम, त्रिपुरा, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के चुनावी परिणामों का उल्लेख करते हुए कांग्रेस के नेतृत्व पर सवाल उठाए। भाजपा नेता ने कांग्रेस की स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि पार्टी की हालत अब ऐसी हो गई है कि वह अपनी कमियों को स्वीकार करने के बजाय दूसरों को जिम्मेदार ठहराती है। उन्होंने कहा, 'नाच न जाने, आंगन टेढ़ा।' चौहान ने कहा कि कांग्रेस को अपनी हार के कारणों की समीक्षा करनी चाहिए, न कि चुनाव आयोग और अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप लगाने चाहिए। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चौहान ने दावा किया कि देश के कई राज्यों में कांग्रेस की राजनीतिक स्थिति कमजोर हुई है। उन्होंने गुजरात, नागालैंड, गोवा और दिल्ली में पार्टी की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस अब कई राज्यों में अपने सहयोगियों के मुकाबले कमजोर हो चुकी है। उन्होंने झारखंड से लेकर तमिलनाडु तक विपक्षी गठबंधन में कांग्रेस की भूमिका पर सवाल उठाए और कहा कि कई राज्यों में कांग्रेस को जूनियर पार्टनर के तौर पर काम करना पड़ रहा है। उनके अनुसार, कांग्रेस को अपनी राजनीतिक स्थिति सुधारने के लिए नेतृत्व और विचारधारा के स्तर पर आत्ममंथन करने की जरूरत है। भाजपा नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री देश के लोगों के दिलों पर राज करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस झूठे आरोपों के जरिए सत्ता हासिल करना चाहती है और चुनावी जनादेश को स्वीकार करने के बजाय संवैधानिक संस्थाओं को विवाद में घसीटती है। चौहान ने कांग्रेस पर राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर भी दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कांग्रेस की राजनीतिक प्राथमिकताओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब सेना आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करती है, तो कांग्रेस सेना की कार्रवाई पर सवाल उठाती है। शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर देश को कमजोर करने वाली ताकतों के साथ खड़े होने का आरोप लगाया। उन्होंने जॉर्ज सोरोस और एलन मस्क का उल्लेख करते हुए विपक्षी नेताओं की भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को स्पष्ट करना चाहिए कि वह विदेशी ताकतों के प्रभाव से जुड़े आरोपों पर क्या रुख रखती है। चौहान ने राहुल गांधी के उस कथित बयान का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह भाजपा नहीं 'इंडियन स्टेट' के खिलाफ लड़ रहे हैं। भाजपा नेता ने राहुल गांधी से इस बयान पर स्पष्टीकरण देने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस का मौजूदा राजनीतिक रुख देश की संस्थाओं और लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति उसके दृष्टिकोण पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कांग्रेस पर धार्मिक और सांस्कृतिक मुद्दों को लेकर भी निशाना साधा तथा आरोप लगाया कि पार्टी भगवान राम का विरोध करने वालों के साथ खड़ी होती है, जबकि राहुल अपने भाषण में भगवान शिव के बरात को अपनी बरात बताते है।

## किसी देश पर हुक्म चलाने के बजाय अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए शक्तिशाली बनना चाहता है भारत : उपराष्ट्रपति

**एजेंसी, नई दिल्ली**

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को कहा कि भारत दुनिया की अग्रणी शक्ति बनना चाहता है, ताकि कोई देश उस पर अनुचित शर्तें न थोप सके। उन्होंने सभी देशों की संप्रभुता का सम्मान करने और किसी भी देश की सीमाओं का अतिक्रमण नहीं करने की आवश्यकता पर जोर दिया। राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय (एनडीसी) के 66वें पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि राष्ट्रीय रणनीति ऐसी होनी चाहिए, जो देश के उद्देश्यों को ठोस कार्रवाई और परिणामों में बदल सके। राष्ट्रीय मूल्यों, हितों और उद्देश्यों के बीच समन्वय देश की सुरक्षा और विकास के लिए महत्वपूर्ण है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत के राष्ट्रीय हित उसके संवैधानिक मूल्यों- संप्रभुता, लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व तथा राष्ट्र की एकता और अखंडता से जुड़े हैं। उन्होंने संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा, लोकतांत्रिक और संघीय व्यवस्था को बनाए रखने तथा देश के रणनीतिक, राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य उद्देश्यों को आगे बढ़ाने को प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल किया। राधाकृष्णन ने भारत की सभ्यतागत अवधारणा 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का उल्लेख करते हुए कहा कि राष्ट्रीय मूल्य दुनिया के साथ देश के संबंधों को दिशा देते हैं। उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान भारत की 'वैक्सीन मैत्री' पहल, आपदाओं के समय सहायता और जलवायु परिवर्तन से निपटने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों में देश की भूमिका का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद, साइबर खतरे, महामारी, जलवायु परिवर्तन और सीमा पार अपराध जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग आवश्यक है। राष्ट्रीय हितों की रक्षा और साझा वैश्विक हितों को आगे बढ़ाना एक-दूसरे के पूरक हो सकते हैं। इसके लिए देशों के बीच समन्वय, सूचनाओं का आदान-प्रदान और आपसी विश्वास जरूरी है। उपराष्ट्रपति ने विकसित भारत-2047 को देश का महत्वपूर्ण राष्ट्रीय लक्ष्य बताते हुए कहा कि दीर्घकालिक दृष्टिकोण को उपलब्ध संसाधनों और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप बनाना होगा। राष्ट्रीय सुरक्षा में देश की थल सीमाओं, हवाई क्षेत्र, समुद्री हितों और साइबर क्षेत्र की रक्षा के साथ-साथ सतत विकास और समृद्धि के लिए अनुकूल परिस्थितियां तैयार करना भी शामिल है। राधाकृष्णन ने वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक संप्रभु राष्ट्र समान है, चाहे वह बड़ा हो या छोटा। उन्होंने प्रौद्योगिकी, व्यापार, संपर्क, शिक्षा, नवाचार और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने वैश्विक दक्षिण के सामने भ्रष्टाचार को एक बड़ी चुनौती बताते हुए इसके उन्मूलन के लिए सामूहिक प्रयास करने की जरूरत भी बताई।

एनडीसी के 66वें पाठ्यक्रम में भारतीय सशस्त्र बलों, सिविल सेवाओं, पुलिस और अन्य सरकारी संगठनों के अधिकारियों के साथ मित्र देशों के 41 अधिकारी सहित कुल 122 प्रतिभागी शामिल हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के कमांडेंट एयर मार्शल मनीष कुमार गुप्ता और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

## धार्मिक मर्यादा भंग करने के आरोपों से घिरे आप नेता और केजरीवाल

- **दिल्ली प्रोटेस्ट: पूर्व सीएम के खिलाफ एफआईआर**

**एजेंसी, नई दिल्ली**

दिल्ली के प्रसिद्ध गुरुद्वारा श्री बंगला साहिब में कथित तौर पर विरोध प्रदर्शन करने और धार्मिक स्थल की मर्यादा भंग करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीपीसी) की शिकायत पर की गई है। कमेटी ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, पार्टी के विधायकों, कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों के खिलाफ यह शिकायत दर्ज कराई थी। डीएसजीपीसी ने 11 अक्टूबर को दिल्ली पुलिस आयुक्त को शिकायत भेजी थी, जिसे बाद में संसद मार्ग थाने में दर्ज किया गया है। कमेटी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि गुरुद्वारा श्री बंगला साहिब परिसर में कथित तौर पर एक राजनीतिक विरोध प्रदर्शन किया गया और इस घटना से जुड़े भ्रामक वीडियो प्रसारित किए गए। गुरुद्वारे के भीतर प्रदर्शन करने का आरोप लगाते हुए, कमेटी ने कहा है कि आम आदमी पार्टी से जुड़े कुछ कार्यकर्ता और समर्थक कथित तौर पर गुरुद्वारा परिसर में दाखिल हुए और वहां राजनीतिक विरोध प्रदर्शन किया। शिकायत के मुताबिक, प्रदर्शन के दौरान राजनीतिक नारे लगाए गए, जिससे गुरुद्वारे का पवित्र धार्मिक माहौल प्रभावित हुआ। डीएसजीपीसी ने जोर देकर कहा है कि गुरुद्वारा एक पवित्र धार्मिक स्थल है और इसका उपयोग किसी भी राजनीतिक गतिविधि के लिए नहीं किया जाना चाहिए। शिकायत में यह भी बताया गया कि गुरुद्वारा प्रबंधन और सेवादारों ने स्थिति को शांत रखने और परिसर की मर्यादा बनाए रखने के लिए हस्तक्षेप किया। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने अपनी शिकायत के साथ कुछ वीडियो भी पुलिस को सौंपे हैं। कमेटी ने मांग की है कि इन वीडियो के आधार पर प्रदर्शन में शामिल लोगों की पहचान की जाए।

## उत्तर रेलवे ने त्योहारों पर यात्रियों को दी राहत, शकूर बस्ती-मानसी जंक्शन के बीच 8-8 फेरे लगाएगी अनारक्षित स्पेशल ट्रेन

**एजेंसी, नई दिल्ली**

आगामी त्योहारों के दौरान उत्तर रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए शकूर बस्ती और मानसी जंक्शन के बीच अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। ट्रेन संख्या 04406/04405 दोनों दिशाओं में कुल आठ-आठ फेरे लगाएगी। इससे त्योहारों के दौरान दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार के यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। उत्तर रेलवे के अनुसार, ट्रेन संख्या 04406 शकूर बस्ती-मानसी जंक्शन अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल शकूर बस्ती से 5, 6, 7, 10, 11, 12, 13 एवं 14 नवंबर को रवाना होगी। वापसी में ट्रेन संख्या 04405 मानसी जंक्शन-शकूर बस्ती अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल मानसी जंक्शन से 7, 8, 9, 12, 13, 14, 15 एवं 16 नवंबर को चलेगी। यह स्पेशल ट्रेन शकूर बस्ती से रवाना होकर नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़, टूंडला जंक्शन, इटावा जंक्शन, कानपुर जंक्शन, उन्नाव जंक्शन, ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जंक्शन, गोंडा जंक्शन, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जंक्शन, देवरिया सदर, सिवान जंक्शन, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर, शाहपुर पटोरी, बरौनी जंक्शन, बेगूसराय और खगड़िया जंक्शन होते हुए मानसी जंक्शन पहुंचेगी।

## ओमान में क्रूड ऑयल टैंकर पर ड्रोन हमला, दो भारतीय नाविक लापता

**एजेंसी, मस्कट (ओमान)**
**तेहरान (ईरान)**

ब्रिटेन की समुद्री सुरक्षा एजेंसी यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने ओमान के सोहार के पास क्रूड ऑयल टैंकर पर ड्रोन हमले की पुष्टि की है। एजेंसी के अनुसार, ओमान के सोहार एंकरेज के पास एक क्रूड ऑयल टैंकर पर ड्रोन से हमला हुआ है। इस हमले के बाद से दो भारतीय नाविक लापता हैं। गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यूकेएमटीओ ने अपडेट में कहा कि टैंकर पर बिना क्रू वाले हवाई वाहन (ड्रोन) से हमला हुआ। स्थानीय अधिकारियों ने क्रू को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। पर्यावरण पर पड़ने वाले असर के बारे में भी तुरंत कोई जानकारी नहीं मिल पाई। अमेरिका ने ईरान की कुछ शर्तें मानी: इस बीच ईरान ईरानी अधिकारी मोहसेन रेजाई ने रविवार को एक्स पर कहा कि अमेरिका ने संघर्ष खत्म करने के लिए तेहरान की सात शर्तों में से कुछ को मान लिया है। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सेक्रेटरी रेजाई ने कहा, "अमेरिका ईरान की सात शर्तों में से कुछ पर सहमत हो गया है, लेकिन हम उसके जवाब को नाकाफी मानते हैं।" रेजाई ने वाशिंगटन पर होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) को फिर से न खोलने और "तस्करी" का सहारा लेने का आरोप भी लगाया। उन्होंने लिखा, "अब, जब अमेरिकी बेड़ा होर्मुज को फिर से खोलने में नाकाम रहा, तो उसने तस्करी का सहारा लिया है। अमेरिकी सेना कभी इतनी शर्मनाक हद तक नहीं गिरी थी।" ईरान ने पेशकश की है कि अगर वाशिंगटन उसकी मांगें मान ले तो वह सात दिनों के भीतर सामान्य शिपिंग बहाल कर देगा। अमेरिका ने कतरी मध्यस्थों के जरिए जवाब दिया।

## हरिद्वार कुंभ-2027 के लोगो, वेबसाइट और आधिकारिक गीत का लोकार्पण

**एजेंसी, हरिद्वार** । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मेला नियंत्रण भवन (सीसीआर) सभागार में हरिद्वार कुंभ मेला-2027 के आधिकारिक लोगो, वेबसाइट और गीत का लोकार्पण किया। इन माध्यमों से कुंभ की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को व्यापक स्तर पर प्रस्तुत करने और श्रद्धालुओं तक आयोजन से जुड़ी जानकारी पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुंभ भारत की प्राचीन आध्यात्मिक परंपरा, सनातन संस्कृति और जनआस्था का विराट उत्सव है। हरिद्वार कुंभ का करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए विशेष धार्मिक महत्व है। राज्य सरकार कुंभ-2027 के दिव्य एवं भव्य आयोजन के लिए प्रतिबद्ध है। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। कुंभ के आधिकारिक लोगो में मां गंगा, हर की पैड़ी, धनुष पुल और सूर्योदय की छटा के साथ शिव प्रतिमा, साधु-संतों, त्रिशूल, डमरू तथा मां मनसा देवी और मां चंडी देवी की पहाड़ियों को दर्शाया गया है। ये प्रतीक हरिद्वार की धार्मिक पहचान और सनातन परंपरा की समृद्ध विरासत को अभिव्यक्त करते हैं। लोगो का इस्तेमाल कुंभ से संबंधित प्रचार सामग्री, प्रकाशनों और डिजिटल मंचों पर किया जाएगा। लोगो तैयार करने के लिए मेला प्रशासन ने प्रदेश के युवाओं और विद्यार्थियों से डिजाइन आमंत्रित किए थे।

## भारत में विरोध प्रदर्शनों के पीछे विदेशी फंडिंग और बाहरी दखल का आरोप: हरीश साल्वे

**एजेंसी, नई दिल्ली**

भारत के पूर्व सॉलिसिटर जनरल और वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे ने देश में कुछ विरोध प्रदर्शनों के पीछे विदेशी फंडिंग और बाहरी दखल का गंभीर आरोप लगा दिया है। उन्होंने दावा किया है कि इन गतिविधियों का उद्देश्य भारतीय व्यवस्था को अस्थिर करना और देश की प्रगति में बाधा डालना है। एक साक्षात्कार में वरिष्ठ वकील साल्वे ने कहा कि कुछ विदेशी देश, विशेषकर अमेरिका, भारत की बढ़ती ताकत से खुश नहीं दिख रहा हैं। उन्होंने नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश में अतीत में हुई उथल-पुथल की ओर इशारा कर कहा कि इन घटनाओं के पीछे भी बाहरी ताकतों का हाथ था। वरिष्ठ वकील साल्वे के अनुसार, भारत में भी यूट्यूबर्स और जर्मनी जैसे अन्य देशों में रहने वाले कुछ लोग इन प्रदर्शनों के नेता बनकर उभरे हैं, और उनके फंडिंग स्रोतों पर सवाल उठाए जाने चाहिए। वरिष्ठ वकील साल्वे ने पिछले छह से आठ महीनों में एक स्पष्ट पैटर्न दिखाने की बात कही। उन्होंने बताया कि जब मोदी सरकार होर्मुज संकट से निपटने, आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और भारत की सैटेलाइट क्षमताओं को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है, तभी ये समूह मोदी सरकार को आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसतरह के आंदोलनों से निपटना सरकार की जिम्मेदारी है, और उन्हें संदेह है कि ये प्रदर्शन जनता की वास्तविक भावनाओं को दर्शाते हैं। वरिष्ठ वकील साल्वे ने बड़े पैमाने पर जनता के विद्रोह का कोई सबूत न मिलने का जिक्र किया। उन्होंने इन प्रदर्शनों की तुलना परीक्षा के पेपर लीक होने पर हुए छात्र आंदोलनों से की, जिन्हें जनता का समर्थन मिला था क्योंकि वे छात्रों की समस्याओं को समझते थे। इसके विपरीत, साल्वे को वर्तमान विरोध प्रदर्शनों में ऐसी व्यापक सार्वजनिक सहानुभूति नहीं दिखती। उन्होंने कहा कि आजकल यूट्यूब वीडियो, रील्स और एक-लाइन के संदेशों के माध्यम से गलत जानकारी फैलाई जा रही है। वरिष्ठ वकील साल्वे ने दिल्ली पुलिस की पीआर टीम के इंटरव्यू का उदाहरण दिया, जिसमें इसतरह के दावों का प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया था। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार को इसतरह के आंदोलनों से सख्ती से निपटना चाहिए जिनका मकसद व्यवस्था को अस्थिर करना है, और उन्हें विश्वास है कि ये आंदोलन ज्यादा समय तक नहीं चलने,वे असली जन-आंदोलन नहीं हैं।

## खैबर पख्तूनख्वा में आपातकाल लगते ही धरपकड़ तेज, बर्खास्त मुख्यमंत्री अफरीदी व अनेक प्रमुख पीटीआई नेता गिरफ्तार

**एजेंसी, इस्लामाबाद (पाकिस्तान)**

देश के पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ शासित प्रांत खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में आपातकाल लगते ही प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार करने का अभियान तेज कर दिया गया है। गिरफ्तार किए गए राजनेताओं में बर्खास्त मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी और उनकी मंत्रिपरिषद के अनेक सदस्य हैं। पीटीआई के इस्लामाबाद लॉन्ग मार्च के बीच राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने 11 अक्टूबर की शाम प्रांत में आपातकाल लगाने के साथ राज्यपाल शासन लागू करने की घोषणा की। द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार इसके तहत अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की पीटीआई के नेतृत्व वाली प्रांतीय सरकार को बर्खास्त कर दिया गया। यह कार्रवाई पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 232(1) (आपातकाल) और अनुच्छेद 234(1) (राज्यपाल शासन) के तहत की गई । संघीय सरकार ने इसके लिए बिगड़ती कानून-व्यवस्था, बढ़ते आतंकी हमलों और आतंकवाद के खिलाफ मुकाबले में प्रांतीय सरकार के कथित असहयोग और विफलता का हवाला दिया है। इसी के साथ मुख्यमंत्री, मंत्रियों और प्रांतीय विधानसभा के अधिकार अब संघीय सरकार या संसद के अधीन आ गए हैं और प्रांत का पूरा प्रशासनिक नियंत्रण राज्यपाल को सौंपा गया है। संघीय गृह राज्यमंत्री तलाल चौधरी ने कहा है कि खैबर पख्तूनख्वा के पूर्व मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी और उनकी कैबिनेट के कुछ सदस्यों को रविवार को पुलिस ने हिरासत में लिया। तलाल ने कहा कि जिन पर मुकदमे विचाराधीन हैं, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बाकी लोगों को रिहा कर दिया जाएगा। सोमवार की एक अधिसूचना के अनुसार खैबर पख्तूनख्वा में एडवोकेट जनरल कार्यालय से कम से कम 71 वकीलों को हटा दिया गया है। इनमें केपी के एडवोकेट जनरल शाह फैसल उस्मानखेल भी शामिल हैं। संघीय सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने कहा है कि खैबर पख्तूनख्वा में राज्यपाल शासन प्रांत के लोगों को आतंकवाद से लड़ने के लिए सशक्त बनाएगा। उन्होंने कहा, "हम खैबर पख्तूनख्वा में कल की गई कार्रवाई का स्वागत करते हैं।" इस बीच सूत्रों ने बताया है कि खैबर पख्तूनख्वा में आज प्रांतीय शीर्ष समिति की बैठक होनी है। बैठक की अध्यक्षता राज्यपाल फैसल करीम कुंडी करेंगे।

## अमेरिका में टैक्स पेयर्स के धन से तैयार ट्रंप के विज्ञापन दिखाने पर रोक

**एजेंसी, न्यूयॉर्क** । देश में हो रहे मध्यवाधि चुनाव से पहले ट्रंप प्रशासन को कानूनी झटका लगा है। डिस्ट्रिक्ट जज जेनिफर एल रोचोन ने रविवार को राष्ट्रपति के राजनीतिक संदेश को बढ़ावा देने के लिए टैक्स पेयर्स के लाखों डॉलर से बने टीवी विज्ञापनों को रद्द करने का आदेश दिया। रोचोन ने एक अस्थायी रोक का आदेश जारी किया। इसमें ट्रंप प्रशासन को बचे हुए सभी विज्ञापनों को रद्द करने का निर्देश दिया गया। एक्सिओस की रिपोर्ट के अनुसार, आदेश में कहा गया कि प्रशासन तुरंत उन विज्ञापनों को रोक दे जिनमें राष्ट्रपति ट्रंप दिख रहे हैं। यह फैसला नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनाव से कुछ सप्ताह पहले आया है। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन के टैक्स पेयर्स के पैसे के इस्तेमाल को चुनौती देने वाले कई मुकदमे कोर्ट विचाराधीन हैं। यह फैसला वाशिंगटन वॉच डॉग 'कॉमन कॉज़' और गैरलाभकारी संस्था 'डेमोक्रेसी फॉरवर्ड' व अन्य की याचिका पर आया है। ऐसा ही मुकदमा डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी ने वाशिंगटन की संघीय अदालत में दायर किया है। न्यूयॉर्क अदालत के फैसले के बाद ट्रंप प्रशासन ने कहा कि इन विज्ञापनों में जनसेवा की भावना झलकती है।

# रांची के 32 थानों में CCTV लगाने का हाईकोर्ट का निर्देश, 30 अक्टूबर को अगली सुनवाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**रांची** : झारखंड हाईकोर्ट ने अपराध नियंत्रण और सड़क सुरक्षा के लिए रांची शहर की सड़कों, प्रमुख चौक-चौराहों और सभी पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे चालू रखने तथा जहां कैमरे नहीं लगे हैं, वहां इन्हें लगाने का निर्देश दिया है। अदालत ने गृह सचिव, रांची एसएसपी और डीजीपी से समय-सीमा तय कर बताने को कहा है कि शेष थानों में सीसीटीवी कैमरे कब तक लगाए जाएंगे।

न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान मौखिक रूप से कहा कि सीसीटीवी कैमरों की कमी के कारण चेन छिनतई जैसी घटनाओं की जांच में परेशानी होती है। सड़क दुर्घटनाओं के बाद भी वाहन चालक मौके से भाग निकलते हैं। अदालत ने सभी मौजूदा कैमरों को दुरुस्त करने पर भी जोर दिया।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने शपथ पत्र दाखिल कर बताया कि रांची शहर के आठ पुलिस थानों और ग्रामीण क्षेत्र के 24 थानों में अब तक सीसीटीवी कैमरे नहीं लगाए गए हैं। शहर के जिन आठ थानों और इकाइयों में कैमरे नहीं होने की जानकारी दी गई, उनमें हिंदपीढ़ी, पंडरा ओपी, बरियातू, धुर्वा, एयरपोर्ट, विधानसभा एएचटीयू और साइबर पुलिस स्टेशन शामिल हैं। शपथ पत्र के अनुसार, फिलहाल रांची शहर के 17 पुलिस स्टेशन और ओपी में 123 सीसीटीवी कैमरे काम कर रहे हैं।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से सीसीटीवी लगाने के लिए जारी टेंडर की मौजूदा स्थिति की जानकारी भी मांगी है। इसके अलावा, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) से हाईवे पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के संबंध में जवाब देने को कहा गया है।

मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सूरज किशोर प्रसाद और अधिवक्ता आयुषी अमन ने पक्ष रखा। अब इस मामले की अगली सुनवाई 30 अक्टूबर को होगी।

# बिरसानगर में अवैध हथियार के साथ तीन विधि-विरुद्ध किशोर निरुद्ध, हथियार बेचने के आरोप में युवक गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा || बृजराज सिंह

**लुपुंगडीह फुटबॉल मैदान के पास पुलिस की छापेमारी, 7.62 एमएम की देशी पिस्टल और 9 एमएम की दो जिंदा गोलियां बरामद**

**जमशेदपुर** : बिरसानगर थाना क्षेत्र के लुपुंगडीह फुटबॉल मैदान के पास पुलिस ने छापेमारी कर अवैध हथियार और गोलियां बरामद की हैं। इस मामले में पुलिस ने साकची थाना क्षेत्र के गुरुनानक नगर स्थित सोहन सिंह बगान निवासी 23 वर्षीय यश दास को गिरफ्तार किया है। वहीं, तीन विधि-विरुद्ध किशोरों को निरुद्ध किया गया है।

पुलिस के अनुसार, 11 अक्टूबर 2026 की शाम करीब 7:20 बजे गुप्त सूचना मिली थी कि लुपुंगडीह फुटबॉल मैदान के पास कुछ युवक हथियार के साथ मौजूद हैं। सूचना के आधार पर बिरसानगर थाना प्रभारी पांडू सामड के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रात करीब 8:30 बजे मौके पर छापेमारी की। इस दौरान चार युवक एक साथ बैठकर बातचीत करते मिले। पुलिस ने घेराबंदी कर सभी को पकड़ लिया और तलाशी ली।

तलाशी के दौरान एक विधि-विरुद्ध किशोर के पास से 7.62 एमएम की एक देशी पिस्टल तथा दूसरे किशोर के पास से 9 एमएम की दो जिंदा गोलियां बरामद की गईं। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में हथियार अपनी सुरक्षा के लिए 30 हजार रुपये में यश दास से खरीदने की बात सामने आई। इसके बाद पुलिस ने अवैध हथियार और गोली की खरीद-बिक्री के आरोप में यश दास को गिरफ्तार कर लिया।

# झारखंड पुलिस के सब-इंस्पेक्टरों को दिया जा रहा पांच दिवसीय अनुसंधान प्रशिक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**सभी जिलों से दो-दो SI होंगे शामिल**

**रांची** : पुलिस अनुसंधान को अधिक प्रभावी और व्यवस्थित बनाने के लिए झारखंड पुलिस ने अधिकारियों के प्रशिक्षण पर जोर दिया है। इसी कड़ी में रांची के होटवार स्थित अनुसंधान प्रशिक्षण विद्यालय में सब-इंस्पेक्टरों के लिए पांच दिवसीय एडवांस्ड इन्वेस्टिगेशन ट्रेनिंग कोर्स आयोजित किया जा रहा है।

इस प्रशिक्षण के लिए राज्य के सभी जिलों और रेल पुलिस प्रमंडलों से दो-दो सब-इंस्पेक्टरों को नामित करने का निर्देश दिया गया था। आईजी ट्रेनिंग की ओर से जारी निर्देश में संबंधित अधिकारियों की सूची उनके व्हाट्सएप नंबर के साथ भेजने को कहा गया था।

नामित अधिकारियों को 11 अक्टूबर की दोपहर तक अनुसंधान प्रशिक्षण विद्यालय, होटवार में योगदान देने का निर्देश दिया गया था। सभी अधिकारियों को पूरी वर्दी और पहचान पत्र के साथ उपस्थित होना था।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों के अनुसंधान संबंधी कौशल को बेहतर बनाना और जांच प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाना है। इस पहल से राज्य में पुलिस अनुसंधान की गुणवत्ता बढ़ाने और अधिकारियों की कार्यक्षमता विकसित करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

# 4000 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ 4 तस्कर गिरफ्तार, एक फरार, त्योहार में खपाने की थी तैयारी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**रांची** : त्योहार के दौरान ब्राउन शुगर खपाने की कथित योजना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने धुर्वा से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से करीब 39.9 ग्राम ब्राउन शुगर की 4,000 पुड़िया और 9,100 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। छापेमारी के दौरान सोनू तिवारी नाम का आरोपी फरार हो गया।

पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना मिली थी कि धुर्वा में पेट्रोल पंप के पास कुछ लोग ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री के लिए जुटने वाले हैं। इसके बाद पुलिस टीम ने इलाके में घेराबंदी की। इसी दौरान वहां पहुंचे युवकों को पकड़ने की कार्रवाई की गई। मौके पर पहुंचे पांच युवकों में से चार को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि सोनू तिवारी भागने में सफल रहा।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, आरोपी बिहार से ब्राउन शुगर की खेप लेकर रांची पहुंचे थे और त्योहार के दौरान इसकी बिक्री करने की तैयारी में थे। गिरफ्तार आरोपियों में अंकित तिवारी का पुराना आपराधिक इतिहास भी बताया गया है। पुलिस फरार आरोपी सोनू तिवारी की तलाश कर रही है और मामले की आगे जांच की जा रही है।

# 283 ग्राम गांजा के साथ महिला गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा || दीपक केसरी

**साहिबगंज** : जिले के तालझारी थाना क्षेत्र के जमनी गांव से गुप्त सूचना पे कारवाई करते हुए एक महिला को अवैध खरीद बिक्री पे पुलिस ने महिला के पास से 283 ग्राम गांजा बरामद किया है। गिरफ्तार महिला की पहचान माया देवी (45 वर्ष), पति प्रेमलाल महलदार, निवासी जमनी गांव, थाना तालझारी, जिला साहिबगंज के रूप में हुई है। पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि तालझारी थाना क्षेत्र के जमनी गांव में प्रेमलाल महलदार के घर पर गांजा की बिक्री की जा रही है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले का सत्यापन किया और आवश्यक कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने जमनी गांव स्थित प्रेमलाल महलदार के घर पर छापेमारी की। इस दौरान एक महिला को पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, महिला के हाथ में मौजूद एक काले रंग के प्लास्टिक बैग की तलाशी ली गई, जिसमें गांजा पाया गया। बरामद गांजे का कुल वजन 283 ग्राम बताया गया है।

एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज करते हुए तालझारी थाना कांड संख्या 177/26, दिनांक 11 अक्टूबर 2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 18/20(i)(b)/22 में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है। वहीं गिरफ्तार महिला को न्यायिक हिरासत जेल भेजा गया।

# बोकारो में चोरी की योजना बनाते दो आरोपी गिरफ्तार, छोटका कोचर पर पहले से कई मामले

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो** : माराफारी थाना पुलिस ने चोरी की योजना बनाने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें कुख्यात चोर छोटु कुमार महतो उर्फ छोटका कोचर और राजु शर्मा शामिल हैं। पुलिस ने दोनों को 12 अक्टूबर को बाम्बे मोटर्स स्थित बजरंगबली ट्रांसपोर्ट के पास से पकड़ा। कार्रवाई के दौरान एक व्यक्ति भागने में सफल रहा।

पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना मिली थी कि छोटका कोचर अपने साथियों के साथ ट्रांसपोर्ट के पास चोरी की योजना बना रहा है। सूचना के सत्यापन के लिए पुलिस निरीक्षक सह माराफारी थाना प्रभारी संजय कुमार के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर वहां मौजूद लोग भागने लगे। पीछा कर दो लोगों को पकड़ लिया गया, जबकि एक फरार हो गया।

पूछताछ में दोनों ने कथित तौर पर अगस्त में बजरंगबली ट्रांसपोर्ट से छोटे पिकअप वाहन पर 10 पीस लोहे की चादर लादने की बात स्वीकार की। पुलिस के मुताबिक, रात के प्रहरी के शोर मचाने पर वे वाहन और लोहे की चादर छोड़कर भाग गए थे। इस मामले में माराफारी थाना कांड संख्या 73/2026, दिनांक 18 अगस्त 2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में केस दर्ज है। इसी मामले में दोनों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने बताया कि इस कांड में पहले ही पिकअप वाहन और उस पर लदी 10 लोहे की चादरें जब्त की जा चुकी हैं। गिरफ्तार आरोपियों के पास से एक सैमसंग मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, छोटु कुमार महतो उर्फ छोटका कोचर पहले भी चोरी के कई मामलों में आरोपित रहा है और जेल जा चुका है।

छापेमारी दल में थाना प्रभारी संजय कुमार, सहायक अवर निरीक्षक अरविन्द प्रसाद यादव, हवलदार कमेश प्रसाद यादव और आरक्षी अबोध कुमार शामिल थे।

# TSPC समर्थक गिरफ्तार, देसी कट्टा और 60 कारतूस बरामद

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**चतरा** : शहर में बड़ी वारदात को अंजाम देने की कथित साजिश के मामले में सदर थाना पुलिस ने टीएसपीसी नक्सली संगठन के समर्थक मुकेश गंझू को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक देसी कट्टा, 54 जिंदा कारतूस, छह मिसफायर गोलियां और दो खोखे बरामद किए गए हैं। आरोपी लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र के भगिया बरवा टोली गांव का रहने वाला है।

समाहरणालय स्थित कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर एसपी अनिमेष नैथानी ने बताया कि पुलिस को सदर थाना क्षेत्र के सिमरिया रोड स्थित साईनाथ लाइन होटल के पास एक हथियारबंद व्यक्ति के मौजूद होने की गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद सदर एसडीपीओ सन्नी वर्धन के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर इलाके की घेराबंदी की गई। पुलिस को देखकर आरोपी जंगल की ओर भागने लगा, लेकिन जवानों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया।

एसपी के अनुसार, पूछताछ में मुकेश ने बताया कि करीब छह महीने पहले टीएसपीसी के एक उग्रवादी ने बड़ी वारदात को अंजाम देने के उद्देश्य से उसे हथियार और कारतूस दिए थे। इसके बाद से वह शहर और आसपास के इलाकों की रेकी कर रहा था। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपी के राहुल दुबे गैंग समेत अन्य आपराधिक गिरोहों से संपर्क होने की जानकारी भी सामने आई है।

पुलिस आरोपी के कथित आपराधिक नेटवर्क और संभावित साजिश की जांच कर रही है। इस मामले में सदर थाना में आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

छापेमारी दल में सदर थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक अनिल उरांव, एसआई सुनील कुमार, एएसआई रवि रंजन कुमार और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

# बाईक गिरोह को पकड़ने के लिए बंगाल पुलिस पहुंची झारखंड

राष्ट्रीय मुख्यधारा || दीपक केसरी

**साहिबगंज** : जिला के राधानगर थाना क्षेत्र के उधवा में सीसीटीवी फुटेज के आधार छापामारी कर दो बुलेट को बरामद किया और आरोपियों की तलाशः पश्चिम बंगाल में बाइक चोरी की घटनाओं की जांच कर रही विधाननगर थाना पुलिस को मामले में अहम सुराग हाथ लगे हैं। जांच के सिलसिले में बंगाल पुलिस पिछले दो दिनों से राधानगर थाना क्षेत्र में कैंप कर रही है। स्थानीय पुलिस के सहयोग से की गई कार्रवाई के दौरान एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है। उसकी निशानदेही पर चोरी की दो बुलेट बाइक बरामद किए जाने की जानकारी सामने आई है।जानकारी के अनुसार, बीते 25 सितंबर को पश्चिम बंगाल के विधाननगर थाना क्षेत्र से पांच बुलेट बाइक चोरी होने की घटना हुई थी। मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। इस दौरान घटनास्थल और आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए। जांच के क्रम में पुलिस को राधानगर थाना क्षेत्र के कथित बाइक चोर गिरोह की संलिप्तता से जुड़े सुराग मिले। इसके बाद बंगाल पुलिस संदिग्धों की तलाश में उधवा पहुंची।

विधाननगर थाना के एएसआई सुब्रतो मल्लिक के अनुसार, राधानगर थाना पुलिस के सहयोग से छापेमारी कर गिरोह से जुड़े एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है। वहीं, कोलकाता के दमदम थाना क्षेत्र में हुई बाइक चोरी की घटनाओं से जुड़े मामले में दो बुलेट बाइक बरामद की गई हैं। बरामद दोनों बाइक नई बताई जा रही हैं।पुलिस अब चोरी की अन्य बाइकों की बरामदगी और गिरोह के कथित सरगना का पता लगाने में जुटी है। इसके लिए संदिग्ध ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है।

# दुर्गा पूजा में डीजे पर रोक, हर पंडाल में पुलिस और सीसीटीवी की रहेगी निगरानी

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन

**धनबाद** : दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर सोमवार को न्यू टाउन हॉल में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक हुई। वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं को लेकर पूजा समितियों तथा संबंधित विभागों को जरूरी निर्देश दिए गए। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि पूजा और विसर्जन के दौरान डीजे बजाने पर प्रतिबंध रहेगा।

वरीय पुलिस अधीक्षक ने पूजा समितियों को प्रतिमा विसर्जन से पहले निर्धारित मार्ग का भौतिक सत्यापन करने और विसर्जन में इस्तेमाल होने वाले वाहनों की तकनीकी जांच कराने का निर्देश दिया। प्रत्येक पंडाल में पुलिस पदाधिकारी और पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेंगे। सादे लिबास में भी पुलिसकर्मी निगरानी करेंगे। सभी पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाना और अग्निशमन यंत्र उपलब्ध रखना अनिवार्य होगा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए महिला और पुरुषों की अलग-अलग कतार बनाने तथा पर्याप्त संख्या में स्वयंसेवक तैनात करने को भी कहा गया।

सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने के लिए पंडालों में वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के संपर्क नंबर के साथ साइबर अपराध से बचाव तथा नशामुक्ति संबंधी पोस्टर लगाने के निर्देश दिए गए। पूजा के दौरान नियंत्रण कक्ष 24 घंटे सक्रिय रहेगा और सोशल मीडिया पर भी पुलिस की निगरानी रहेगी। अफवाहों को रोकने के लिए व्हाट्सएप ग्रुप के एडमिन को ग्रुप की सेटिंग 'ओनली एडमिन कैन पोस्ट' रखने की सलाह दी गई। आपात स्थिति में डायल 112 के अलावा नियंत्रण कक्ष के चार अन्य मोबाइल नंबर भी सक्रिय रहेंगे। संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखने की बात कही गई।

यातायात व्यवस्था को लेकर एसएसपी ने बताया कि व्यस्त समय में शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। बरमसिया में हाइट बैरियर लगाया जाएगा और नए पार्किंग स्थलों को चिह्नित किया जा रहा है। श्रद्धालुओं के लिए गोल्फ ग्राउंड और कोहिनूर वेंडिंग जोन में पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

नगर आयुक्त आशीष गंगवार ने कहा कि त्योहार के दौरान निर्बाध बिजली और नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। शहर की स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त कराया जा रहा है। तालाबों की सफाई दुर्गा पूजा से पहले, प्रतिमा विसर्जन के बाद और छठ पूजा से पूर्व तीन चरणों में होगी। पूजा समितियों को प्रतिमाओं का विसर्जन नगर निगम द्वारा निर्धारित स्थलों पर ही करने को कहा गया।

बैठक में विधायक राज सिन्हा ने ब्रांच रोड पर वाहनों की आवाजाही नियंत्रित करने, हाइवा परिचालन पर रोक लगाने, पूजा पंडालों के आसपास शराब दुकानों पर निगरानी बढ़ाने, आवारा पशुओं को नियंत्रित करने और मुख्य सड़कों पर कट बंद करने का सुझाव दिया। झरिया विधायक रागिनी सिंह ने झरिया को जाममुक्त रखने और आपात स्थिति में आम लोगों के वाहनों को रास्ता देने की मांग की। महापौर संजीव सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन और नगर निगम मिलकर समस्याओं का समाधान करेंगे। चिरकुंडा नगर परिषद की अध्यक्ष सुनीता देवी ने भी नागरिकों की समस्याओं के समाधान का भरोसा दिया।

बैठक में अपर समाहर्ता प्रदीप कुमार शुक्ला, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर अरविंद कुमार ओझा, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, विधायक टुंडी के प्रतिनिधि जगदीश कुमार चौधरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और शांति समिति के सदस्य मौजूद थे। बैठक में सदस्यों ने भी त्योहार के दौरान सुरक्षा, यातायात और नागरिक सुविधाओं से जुड़े सुझाव रखे।

# APK फाइल से साइबर ठगी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार, मोबाइल और सिम बरामद

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**जामताड़ा** : साइबर अपराध के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जामताड़ा पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से पांच मोबाइल फोन, 11 सिम कार्ड और एक बाइक बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नारायणपुर थाना क्षेत्र के भीम मंडल और कुरबान अंसारी तथा करमाटांड़ के मो. मोजाहिद अंसारी के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, एसपी शंभू कुमार सिंह को मिली गुप्त सूचना के आधार पर साइबर डीएसपी अमित रविदास के नेतृत्व में टीम गठित कर छापेमारी की गई। जांच में पता चला कि आरोपी लोगों को बिल अपडेट करने के नाम पर मोबाइल में एपीके फाइल डाउनलोड करवाते थे। इसके अलावा, क्रेडिट कार्ड बंद कराने या नया कार्ड जारी कराने का झांसा देकर भी लोगों को निशाना बनाते थे। एपीके फाइल इंस्टॉल कराने के बाद आरोपियों पर क्रेडिट कार्ड से जुड़ी गोपनीय जानकारी हासिल कर खातों से पैसे निकालने का आरोप है।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी रहा है। भीम मंडल के खिलाफ जामताड़ा साइबर थाना कांड संख्या 49/24 और नारायणपुर थाना कांड संख्या 62/15 दर्ज हैं। कुरबान अंसारी के खिलाफ साइबर थाना कांड संख्या 28/23 दर्ज है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में तीसरे आरोपी मो. मोजाहिद अंसारी के आपराधिक मामलों का विवरण नहीं दिया गया है।

छापेमारी में साइबर थाना प्रभारी राजेश मंडल, पुलिस अधिकारी अमित खिवारी और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस ठगी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है।

# ऑनर किलिंग का खुलासा, बेटी की हत्या के आरोप में पिता गिरफ्तार

**जामताड़ा** : करमाटांड़ थाना क्षेत्र के रामपुर भीठरा गांव में 30 वर्षीय महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने उसके पिता देवेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, बेटी के आचरण पर शक के कारण आरोपी ने कथित तौर पर उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी थी। जांच में मामला ऑनर किलिंग का बताया जा रहा है। 8 अक्टूबर को गांव के एक खेत से महिला का शव बरामद हुआ था। इसके बाद चौकीदार परमेश्वर टूरी के आवेदन पर करमाटांड़ थाना में कांड संख्या 80/26 के तहत हत्या का मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच के लिए थाना प्रभारी अलकनाथ चौबे के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस ने दो दिनों के भीतर शव की पहचान गांव की शीला देवी के रूप में की। पुलिस के मुताबिक, जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर शीला के पिता देवेंद्र सिंह से पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने कथित तौर पर हत्या की बात स्वीकार की। पुलिस का कहना है कि उसने 5 अक्टूबर की रात शीला की गला घोंटकर हत्या की और साक्ष्य छिपाने के लिए खेत में गड्ढा खोदकर धान की जड़ों के नीचे शव को दफना दिया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।।

झारखंड के सभी पुलिस पदाधिकारियों से अनुरोध
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अभिरक्षक लोक
कि वो अपने थानों की उपलब्धियां 'अभिरक्षक लोक' मे प्रकाशनार्थ दैनिक स्तर पर सीधे हमारे
Whatsapp पर भेजें 8873319159
धन्यवाद!
आपकी उपलब्धियां, जनता तक – अभिरक्षक लोक के माध्यम से

# 10 वर्षीय छात्रा से दुष्कर्म के आरोप में शिक्षक गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**सिमडेगा** : केरसई थाना क्षेत्र में 10 वर्षीय छात्रा के साथ दुष्कर्म के आरोप में पुलिस ने प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक जोलेन कुजूर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी को 12 अक्टूबर को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, 11 अक्टूबर को पीड़िता की नानी ने केरसई थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि संबंधित विद्यालय में कार्यरत शिक्षक जोलेन कुजूर लंबे समय से बच्ची के साथ जबरन दुष्कर्म कर रहा था। यह भी आरोप है कि घटना के बारे में किसी को बताने पर आरोपी बच्ची को जान से मारने की धमकी देता था।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने केरसई थाना कांड संख्या 26/26 दर्ज किया है। मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 65(2) और 351(3) तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 4/6 के तहत कार्रवाई की गई है।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर केरसई थाना की टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/



## संक्षिप्त समाचार

### ग़ज़ल सम्राट जगजीत सिंह की याद में बोकारो में मेलोडियस सर्किल ने सजायी सुरों की महफिल

**बोकारो :** सुप्रसिद्ध गज़ल गायक जगजीत सिंह की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में रविवार की देर शाम सेक्टर 6 में मेलोडियस सर्किल द्वारा संगीत संध्या का आयोजन कर उन्हें स्वरमयी श्रद्धांजलि दी गयी। अरुप कुमार मिश्रा के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम का आरंभ सुप्रसिद्ध गायक अरुण पाठक, प्रसेनजीत शर्मा, जी आर मिश्रा, राजेंद्र शेखर, आनंद मिश्रा, राकेश व मोनू द्वारा जगजीत सिंह की तस्वीर पर माल्यार्पण व पुष्पार्चन के बाद दीप प्रज्वलन से हुआ। अरुण पाठक ने कहा कि जगजीत सिंह ने अपनी मखमली आवाज़ व सुमधुर गायकी से गज़ल गायकी में एक अलग मुकाम हासिल किया। उनके गाए गीत व गज़ल सदियों तक गुनगुनाए जाते रहेंगे। राजेंद्र शेखर ने कहा कि गज़ल गायकी को जन-जन में लोकप्रिय बनाने में जगजीत सिंह जी का अप्रतिम योगदान रहा है। अरुप मिश्रा ने कहा कि जगजीत सिंह जी की गायकी के कायल सभी रहे हैं। प्रसेनजीत शर्मा ने कहा कि उनकी गायकी में जो सुकून मिलता है वह अद्भुत है। आनंद मिश्रा ने कहा कि उन्हें जगजीत सिंह जी का लाइव कार्यक्रम देखने का सौभाग्य मिला था।

इस अवसर पर कलाकारों ने जगजीत सिंह जी के गाए कुछ यादगार गीत-गज़लों की सुमधुर प्रस्तुति से उन्हें स्वरमयी श्रद्धांजलि दी। इन कलाकारों में गायक अरुण पाठक, अरुप कुमार मिश्रा, प्रसेनजीत शर्मा, राजेन्द्र शेखर, आनंद मिश्रा, मोनू आदि की सुंदर प्रस्तुति ने सभी को आनंदित किया। मोनू के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

### बोकारो थर्मल पावर प्लांट में नए एचओपी बने मधुकर श्रीवास्तव, संभाला पदभार

**बोकारो थर्मल :** डीवीसी के वरिष्ठ महाप्रबंधक (जीएम) मधुकर श्रीवास्तव ने सोमवार को बोकारो थर्मल स्थित पावर प्लांट के नए हेड ऑफ प्रोजेक्ट (एचओपी) के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया। पदभार संभालते ही उन्हें बधाई देने वालों का तांता लग गया। जीएम एचआर एए कुजूर, जीएम ओएंडएम राजेश विश्वास सहित तमाम डीजीएम, वरिष्ठ प्रबंधकों, अधिकारियों और यूनियन प्रतिनिधियों ने उन्हें गुलदस्ता भेंट कर बधाई दी और स्वागत किया।

**देश में नंबर-एक प्लांट बनाने का लक्ष्य-** 500 मेगावाट के पावर प्लांट की कमान संभालते ही नए एचओपी मधुकर श्रीवास्तव ने अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं। उन्होंने कहा कि बोकारो थर्मल के 500 मेगावाट वाले पावर प्लांट को प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) की रैंकिंग में देश भर के थर्मल पावर प्लांटों में दूसरे स्थान से शीर्ष स्थान पर पहुंचाना उनका मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अधिकारियों, इंजीनियरों, कर्मचारियों, यूनियन प्रतिनिधियों और स्थानीय जनसहयोग के बल पर एक उत्कृष्ट कार्य संस्कृति विकसित की जाएगी, ताकि बिजली का निर्बाध उत्पादन जारी रहे और ऐश पॉन्ड से छाई का उठाव भी सुचारू रूप से होता रहे।

**कॉलोनी की स्वच्छता और सड़कों की मरम्मत पर विशेष ध्यान-** पावर प्लांट के कामकाज के साथ-साथ आवासीय परिसर की समस्याओं पर बोलते हुए एचओपी ने कहा कि कॉलोनी में साफ-सफाई की व्यवस्था को सुदृढ़ करना और जर्जर सड़कों की मरम्मत कराना उनकी प्राथमिकता सूची में है। उन्होंने डीवीसी कर्मचारियों, स्थानीय नागरिकों और दुकानदारों से अपील की कि वे कॉलोनी को स्वच्छ और सुंदर बनाने में पूरा योगदान दें तथा कचरा केवल निर्धारित डस्टबिन में ही डालें।

### डीवीसी ने संविदा कर्मियों और सप्लाई श्रमिकों के लिए घोषित की 22,000 रुपये की एक्सग्रेसिया राशि, आदेश जारी

**बोकारो थर्मल :** डीवीसी ने वित्तीय वर्ष 2025-2026 के लिए अपने संविदा कर्मचारियों, चिकित्सा अधिकारियों, शिक्षकों और विभिन्न श्रेणियों के श्रमिकों एवं सप्लाई श्रमिकों को दुर्गा पूजा के अवसर पर अनुग्रह राशि (एक्सग्रेसिया) के रूप में देने की घोषणा सोमवार को की है। डीवीसी मुख्यालय कोलकाता के मानव संसाधन विभाग द्वारा जारी कार्यालय ज्ञापन के अनुसार, पात्र प्रत्येक कर्मी को एक किश्त में बाईस हजार रुपये की राशि का भुगतान किया जाएगा।

निगम प्रबंधन द्वारा जारी आदेश के तहत यह अनुग्रह राशि उन सभी संविदा डॉक्टरों, सामान्य ड्यूटी चिकित्सा अधिकारियों, पूर्णकालिक कर्मचारियों, सहायक इंजीनियरों, शिक्षकों, पैरा-मेडिकल स्टाफ, सीटीपीएस एवं बीटीपीएस के आपूर्ति अनुबंध श्रमिकों, आकस्मिक या दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों, वानिकी श्रमिकों, कैंटीन कर्मियों, एरण्ड बॉय तथा मौसमी श्रमिकों (गेज रीडर, संदेश सहायक, खलासी और मजदूर आदि) को दी जाएगी, जो मजदूरी संहिता 2019 के तहत बोनस के लिए अन्यथा पात्र नहीं हैं।

इस अनुग्रह राशि का लाभ उठाने के लिए वित्तीय वर्ष 2025-2026 के दौरान कम से कम एक महीने की निरंतर सेवा की शर्त रखी गई है। सेवा अवधि के आधार पर अनुपातिक भुगतान स्वीकार्य होगा, जिसमें पंद्रह दिनों से कम की अवधि को छोड़ दिया जाएगा, जबकि पंद्रह दिन या उससे अधिक की सेवा को एक पूरे महीने के रूप में गिना जाएगा। हालांकि, पंचेत के आकस्मिक सफाईवालों के मामले में कम से कम एक महीने की निरंतर सेवा की बाध्यता लागू नहीं होगी और उन्हें उनके द्वारा काम किए गए कुल दिनों के आधार पर अनुपातिक भुगतान किया जाएगा।

प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि यह भुगतान भविष्य में दिए जाने वाले किसी भी बोनस या अनुग्रह राशि के लिए एक मिसाल नहीं बनेगा, क्योंकि यह संबंधित वित्तीय वर्ष में किए गए प्रदर्शन पर निर्भर करेगा।

# बीबीएमकेयू के तीसरे दीक्षांत समारोह में बोकारो की अंजली को मिला स्वर्ण पदक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारोः** विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू), धनबाद के तृतीय दीक्षांत समारोह में बोकारो की मेधावी छात्रा अंजली कुमारी को मनोविज्ञान विषय में विश्वविद्यालय टॉपर बनने पर स्वर्ण पदक और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान झारखंड के राज्यपाल सह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के कर-कमलों द्वारा प्रदान किया गया। इस शानदार उपलब्धि से अंजली के परिवार, शिक्षकों और परिचितों के बीच गर्व और खुशी का माहौल है।

अंजली कुमारी बोकारो स्टील सिटी कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग की सत्र 2021-2024 की मेधावी छात्रा रही हैं। अपनी इस सफलता का श्रेय उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन, माता के विशेष सहयोग और अपने मार्गदर्शक शिक्षक डॉ. प्रभाकर कुमार के मार्गदर्शन को दिया है। अंजली के शैक्षणिक सफर में एक दौर ऐसा भी आया जब उनके सेमेस्टर-2 की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद डॉ. प्रभाकर कुमार का स्थानांतरण केबी कॉलेज बेरमो हो गया था। इसके बावजूद अंजली ने मनोविज्ञान विषय की पढ़ाई और शोध कार्यों के लिए उनसे मार्गदर्शन लेना जारी रखा। अंजली की माता ने भी शिक्षक से निरंतर मार्गदर्शन बनाए रखने का विशेष अनुरोध किया था, जिसका सकारात्मक परिणाम आज स्वर्ण पदक के रूप में सामने आया है।

वर्तमान में अंजली कुमारी बीएड की पढ़ाई करने के साथ-साथ

**▪ मनोविज्ञान विषय में बनीं विश्वविद्यालय टॉपर, राज्यपाल ने किया सम्मानित**

रांची स्थित डीएवी स्कूल में अध्यापन कार्य से जुड़ी हुई हैं और भविष्य में मनोविज्ञान विषय में ही स्नातकोत्तर (परास्नातक) की पढ़ाई करने की इच्छा रखती हैं। विश्वविद्यालय स्तर पर सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने के बाद अंजली सीधे अपने मार्गदर्शक शिक्षक डॉ. प्रभाकर कुमार के घर पहुँची और उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान शिक्षक डॉ. प्रभाकर कुमार ने उनकी इस सफलता पर अत्यधिक हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए ढेरों शुभकामनाएं दीं।

## तुपकाडीह दुर्गाधाम में खुला मां ब्रह्मचारिणी का पट, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने टेका मत्था

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**तुपकाडीह (बोकारो) :** शारदीय नवरात्र के दूसरे दिन तुपकाडीह रेलवे स्टेशन रोड स्थित प्रतिष्ठित दुर्गाधाम मंदिर में भगवती के द्वितीय स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी का पट विधि-विधान के साथ खोल दिया गया। पट खुलते ही मंदिर परिसर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा क्षेत्र माता के जयकारों से गूंज उठा। पुरोहित विजय पांडेय और विकास पांडेय द्वारा दुर्गा सप्तसती के पाठ और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संध्या आरती संपन्न कराई गई, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु शामिल हुए।

मंदिर समिति के अध्यक्ष राजू महतो ने जानकारी दी कि इस ऐतिहासिक मंदिर की स्थापना वर्ष 1983 में हुई थी। यहाँ स्थापित संगमरमर की मूर्तियों के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि मंदिर में मां गौरी के साथ-साथ सरस्वती, लक्ष्मी, कार्तिकेय और गणेश की संगमरमरी प्रतिमाएं वर्ष 2003 से स्थापित हैं। इस मंदिर की खास परंपरा यह है कि विगत कई वर्षों से नवरात्र के दौरान

देवी की मिट्टी से बनी अलग-अलग भव्य प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं और प्रतिदिन एक नई मूर्ति का पट खोला जाता है, जिन्हें देखने के लिए दूर-दूर से लोग पहुंचते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पहले यहाँ बलि पूजा की परंपरा थी, जिसे बाद में ग्रामीणों की मांग पर पूरी तरह वैष्णवी परंपरा में बदल दिया गया।

नवरात्र के इस पावन अवसर पर मुख्य मार्ग से लेकर रेलवे स्टेशन तक सड़क के दोनों ओर आकर्षक लाइटों और भव्य प्रवेश द्वार से सजावट की जा रही है, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल बना हुआ है।

## डीईओ-सह-डीसी अजय नाथ झा ने की अपील- कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से न छूटे, बोकारो के 46 बूथों पर विशेष कैंप शुरू

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो :** भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची को शत-प्रतिशत त्रुटिरहित और अद्यतन बनाने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह-उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देशन में सोमवार से जिले के चिह्नित 46 मतदान केंद्रों पर विशेष सहायता कैंपों का संचालन शुरू कर दिया गया है। इन शिविरों के माध्यम से नए पात्र भारतीय नागरिकों का नाम मतदाता सूची में दर्ज करने, अपूर्ण आवेदनों की सुनवाई में सहायता देने और पूर्व से दर्ज विवरणों में जरूरी संशोधन का कार्य किया जा रहा है।

डीईओ-सह-डीसी ने आम नागरिकों और भावी मतदाताओं से अपील की है कि वे इस अभियान का पूरा लाभ उठाएं। यदि किसी पात्र नागरिक का नाम अब तक वोटर लिस्ट में दर्ज नहीं हो सका है, या

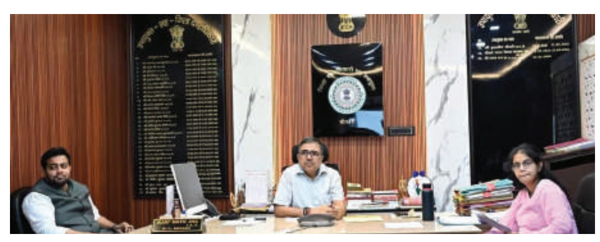

किसी आवेदन में दस्तावेज संबंधी त्रुटि है, तो वे सीधे कैंप में उपस्थित कर्मियों से संपर्क कर समाधान प्राप्त करें। इस कार्य को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए जिले में 46 बूथ लेवल अधिकारी, 05 सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं 03 निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

**टोल फ्री नंबर 1950 और ईसीआई के डिजिटल फीचर्स का लें लाभ-** शिविरों के अलावा नागरिक घर बैठे भी निर्वाचन संबंधी सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए निर्वाचन आयोग का टोल फ्री नंबर 1950 24x7 उपलब्ध है। साथ ही, ईसीआई नेट के विशेष फीचर बुक अ कॉल विथ बीएलओ के जरिए मतदाता सीधे अपने संबंधित बीएलओ से संपर्क साधकर घर बैठे आवश्यक मार्गदर्शन और प्रपत्र संबंधी जानकारी ले सकते हैं।

डीईओ-सह-डीसी अजय नाथ झा ने स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन का मुख्य संकल्प है कि कोई भी योग्य भारतीय नागरिक मताधिकार से वंचित न रहे। उन्होंने विशेषकर 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं और छूटे हुए नागरिकों से अपील की कि वे मतदाता सूची में अपने नाम की स्थिति अवश्य जांचें और इस विशेष शिविर का लाभ उठाएं।

## ईएसएल वेदांता गैस रिसाव हादसा : दोनों मृतकों के परिजनों को आर्थिक मदद और नौकरी का आश्वासन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो :** इलेक्ट्रोस्टील वेदांता (ईएसएल) प्लांट में हाल ही में हुए दर्दनाक गैस रिसाव हादसे में कंपनी के एग्जीक्यूटिव सोहन कुमार महतो और बिजनेस पार्टनर के इंजीनियर समीर अंसारी के निधन के बाद प्रबंधन और पीड़ित परिवारों के बीच समझौता हो गया है। प्रबंधन ने संवेदनशीलता दिखाते हुए दोनों मृतकों के परिजनों को भारी वित्तीय सहायता और आश्रितों को नियोजन (नौकरी) देने पर पूर्ण सहमति जताई है। इस संबंध में देर रात तक चली लंबी वार्ता के बाद मुआवजे की राशि और रोजगार के प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया गया।

प्रबंधन के साथ हुई उच्चस्तरीय वार्ता के बाद तय हुआ कि दिवंगत सोहन कुमार महतो के परिजनों को कुल 60 लाख रुपये की वित्तीय

**▪ देर रात तक चली वार्ता में बनी सहमति, सोहन के परिजनों को 60 लाख और समीर के परिजनों को मिलेंगे 38 लाख रुपये**

सहायता प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही उनके परिवार के भविष्य और जीविकोपार्जन को सुरक्षित करने के उद्देश्य से उनकी पत्नी सुमन कुमारी को योग्यता के आधार पर अनुबंध के आधार पर कंपनी में नौकरी दी जाएगी।

वहीं, इस दुर्घटना में जान गंवाने वाले इंजीनियर समीर अंसारी के परिजनों को 38 लाख रुपये मुआवजा व अन्य अनुषंगिक सहायता देने का निर्णय लिया गया है। प्रबंधन की ओर से समीर अंसारी के परिवार को भी नियोजन का प्रस्ताव दिया गया, हालांकि वर्तमान में उनके परिवार का कोई सदस्य नौकरी के लिए उपलब्ध नहीं हो सका। प्रबंधन के अनुसार, दोनों परिवारों को मिलने वाली इस आर्थिक सहायता का भुगतान संबंधित विभागों और बीमा कंपनी की निर्धारित स्वीकृति प्रक्रिया के तहत जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा।

गैस रिसाव जैसी इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद उपजे रोष और तनाव को शांत करने के लिए आयोजित इस वार्ता में कंपनी प्रबंधन के अधिकारियों के साथ-साथ मृतकों के परिजन तथा विभिन्न राजनीतिक दलों एवं मजदूर संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। सभी पक्षों की मौजूदगी में हुई इस सकारात्मक चर्चा के बाद बनी सहमति से दोनों पीड़ित परिवारों को भविष्य के लिए एक बड़ा आर्थिक संबल मिलने की उम्मीद बंध गई है।

## बीएसएल सतर्कता विभाग की भाषण व चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित, कॉन्ट्रैक्ट सेल के साथ हुई संवादात्मक बैठक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो :** सेल-बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के सतर्कता विभाग द्वारा आगामी सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 और वर्तमान में संचालित तीन महीने के विशेष निवारक सतर्कता अभियान के तहत सोमवार को विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस क्रम में एक ओर जहां कॉन्ट्रैक्ट सेल (नॉन-वर्क्स) के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ कार्यप्रणाली को लेकर संवादात्मक बैठक हुई, वहीं दूसरी ओर डीएवी इस्पात पब्लिक स्कूल, सेक्टर-12ई में छात्र-छात्राओं के बीच हिंदी भाषण व चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस वर्ष की निर्धारित थीम सत्यनिष्ठा से समृद्धि पर आधारित इन सभी पहलों का मुख्य उद्देश्य कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही को और अधिक सुदृढ़ करना तथा युवा विद्यार्थियों के मन में नैतिक मूल्यों व ईमानदारी के संस्कार विकसित करना है।

कार्यक्रम की शुरुआत कॉन्ट्रैक्ट सेल (नॉन-वर्क्स) में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा सत्यनिष्ठा की शपथ लेने के साथ हुई। बैठक के दौरान निविदा (टेंडर) दस्तावेजों में अस्पष्टताओं को दूर करने, कार्य निष्पादन के दौरान आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों तथा निवारक सतर्कता के माध्यम से प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसका मुख्य उद्देश्य निविदा संबंधी प्रक्रियाओं में जवाबदेही बढ़ाना और संभावित अनियमितताओं की रोकथाम के लिए सुधारात्मक उपायों को प्रोत्साहित करना था।

**डीएवी सेक्टर-12ई में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा-** इसी कड़ी में डीएवी इस्पात पब्लिक स्कूल, सेक्टर-12ई में आयोजित हिंदी भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं में लगभग 100 विद्यार्थियों ने भारी उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इस दौरान बीएसएल सतर्कता विभाग के अधिकारियों के साथ विद्यालय के प्राचार्य और शिक्षकगण भी उपस्थित रहे। प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों को सत्यनिष्ठा, नैतिकता और जिम्मेदार आचरण के महत्व से परिचित कराया गया।

निर्णायकों द्वारा घोषित प्रतियोगिता परिणाम में हिंदी भाषण प्रतियोगिता में कक्षा 10 की पूजा भारती ने प्रथम, संजना रंजन ने द्वितीय तथा छोटी कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं कक्षा 10 की ही रोशनी कुमारी को सांत्वना पुरस्कार के लिए चुना गया। चित्रकला प्रतियोगिता में कक्षा 6 की सृष्टि कुमारी ने प्रथम और सत्य भारती ने द्वितीय स्थान हासिल किया। कक्षा 8 की रागिनी कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं, जबकि इसी कक्षा की नेहा शर्मा को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

सभी विजयी प्रतिभागियों को आगामी सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 के मुख्य समापन समारोह के दौरान सम्मानित किया जाएगा।

## विस्थापितों को हरसंभव मदद देगा डीवीसी प्रबंधन : डीजीएम नीरज सिन्हा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**चंद्रपुरा (बोकारो) :** दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र प्रबंधन और नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) विभाग के अधिकारियों द्वारा विस्थापित परिवारों को हरसंभव मदद और उनके अधिकारों का लाभ दिलाने की दिशा में सार्थक पहल शुरू कर दी गई है। इसी क्रम में सोमवार को चंद्रपुरा के भुरसाबाद स्थित डीवीसी सामुदायिक भवन में विस्थापित ग्रामीणों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई।

बैठक में डीवीसी के उप महाप्रबंधक (प्रशासन) नीरज सिन्हा और सीएसआर विभाग के अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान स्थानीय ग्रामीण महिलाओं और पुरुषों ने डीवीसी प्रबंधन के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। ग्रामीणों ने कहा कि डीवीसी द्वारा विस्थापितों को पूर्व में कई लाभ मिले हैं, इसके बावजूद अभी भी कई बुनियादी समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं।

**15 दिनों के भीतर समस्याओं के समाधान का आदेश-** ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उप महाप्रबंधक नीरज सिन्हा ने स्थानीय स्तर पर हल होने वाली सभी समस्याओं का आगामी 15 दिनों के भीतर अविलंब निदान करने का सख्त निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि डीवीसी का सीएसआर विभाग विस्थापितों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इसका हर संभव लाभ ग्रामीणों तक पहुंचाया जाएगा। श्री सिन्हा ने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे डीवीसी के विकासात्मक कार्यों में अपना सकारात्मक सहयोग दें, क्योंकि डीवीसी प्रबंधन भी क्षेत्र और यहां के निवासियों के विकास के लिए उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को तैयार है।

इस अवसर पर प्रबंधक राजकुमार चौधरी, सीएसआर अधिकारी प्रफुलो भंडारी के साथ-साथ प्रमुख रूप से अरसल मरांडी, शीतल बास्के, सुनील बास्के, अनीता किस्कू, मोती सिंह, गोविंद पांडेय और बोधी राम महतो सहित बड़ी संख्या में स्थानीय विस्थापित ग्रामीण उपस्थित थे।

## राष्ट्रीय डाक सप्ताह के तहत सजी डाक टिकटों की अनूठी प्रदर्शनी, प्रधान डाकघर में सम्मानित हुए होनहार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो :** राष्ट्रीय डाक सप्ताह के उपलक्ष्य में सोमवार को इस्पातनगरी बोकारो में डाक विभाग की ओर से ज्ञानवर्धक और रचनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4 में एक दिवसीय डाक टिकट प्रदर्शनी (फिलाटेली एग्जिबिशन) लगाई गई। इसका मुख्य उद्देश्य स्कूली बच्चों में डाक टिकट संग्रह के प्रति रुचि जगाना और उन्हें टिकटों के माध्यम से देश-दुनिया के समृद्ध इतिहास, सभ्यता और संस्कृति से परिचित कराना था।

प्रदर्शनी में विभिन्न देशों के ऐतिहासिक डाक टिकट, मिनिएचर शीट और दुर्लभ संग्रह प्रदर्शित किए गए। रंग-बिरंगे टिकटों को देखकर विद्यार्थियों ने विभिन्न देशों की संस्कृति, ऐतिहासिक घटनाओं और महापुरुषों के बारे में विस्तार

से जानकारी प्राप्त की। इस दौरान अनुभवी फिलाटेलिस्ट (डाक टिकट संग्रहकर्ता) सतीश कुमार ने बताया कि वे पिछले 20-25 वर्षों से टिकटों का संकलन कर रहे हैं। वहीं सितेश कुमार ने साझा किया कि उन्हें मात्र चार वर्ष की उम्र से ही टिकट सहेजने का शौक रहा है। इसके साथ ही प्रभात रंजन ने डाक टिकटों के अलावा पुराने दुर्लभ सिक्कों और ऐतिहासिक अखबारों के संग्रह का प्रदर्शन कर बच्चों को अचंभित किया।

डाक विभाग के विपणन अधिकारी कौशल कुमार उपाध्याय और रमेश सोरेन ने बच्चों को संबोधित करते हुए डाक टिकट संग्रह को 'हॉबियों का राजा' बताया और इसके शैक्षणिक व ऐतिहासिक महत्व से अवगत कराया। विद्यालय के प्राचार्य एसके झा ने इस प्रकार के आयोजन के लिए डाक विभाग के प्रयासों की सराहना की तथा विद्यार्थियों के ज्ञान-संवर्धन की दिशा में इसे महत्वपूर्ण बताया।

उधर, बोकारो प्रधान डाकघर में राष्ट्रीय डाक सप्ताह के तहत एक अन्य विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान आयोजित राखी प्रतियोगिता के टॉप टेन बच्चों सहित विभिन्न विद्यालयों के कुल 60 प्रतिभागियों को डाक विभाग की ओर से प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों के लिए ढाई आखर पत्र लेखन प्रतियोगिता का भी सफल आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने अपनी रचनात्मक लेखन क्षमता का परिचय दिया।

सम्मान समारोह के दौरान बोकारो प्रधान डाकघर के डाकपाल राम चंद्र उरांव, मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव रामदास कपूर, डी. एन. नायक, मेल ओवरसियर/एपीम राजन कुमार, सीपीसी मैनेजर अजय कुमार और पीआरआई अभिषेक सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें पारंपरिक पत्र लेखन और डाक सेवाओं से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया।

## बोकारो थर्मल में डीवीसी के नए एचओपी का विभिन्न संगठनों ने किया जोरदार स्वागत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो थर्मल :** बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी पावर प्लांट के नए हेड ऑफ प्रोजेक्ट (एचओपी) के रूप में वरिष्ठ महाप्रबंधक मधुकर श्रीवास्तव के पदभार ग्रहण करने के उपरांत विभिन्न कर्मचारी संगठनों और यूनियनों द्वारा उनके स्वागत का सिलसिला शुरू हो गया है। इसी क्रम में सोमवार को डीवीसी कामगार संघ और ईडीसीएल इकाई के प्रतिनिधिमंडलों ने अलग-अलग मुलाकात कर उनका भव्य स्वागत व अभिनंदन किया। डीवीसी कामगार संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने नए एचओपी से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें शॉल ओढ़ाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। संघ के प्रतिनिधियों ने पावर प्लांट के बेहतर उत्पादन, सुचारू संचालन और अन्य विकास कार्यों में प्रबंधन को

पूर्ण सहयोग देने तथा कंधे से कंध। मिलाकर काम करने का भरोसा दिलाया। एचओपी मधुकर श्रीवास्तव ने संघ के इस स्नेह और स्वागत पर आभार जताते हुए सभी के सहयोगात्मक रवैये की सराहना की।

इस अवसर पर डीवीसी कामगार संघ के उपाध्यक्ष जाहिद रूहुल्लाह, संयोजक विकास कुमार तिवारी, सचिव रूपायन मंडल, संयुक्त सचिव गंगा यादव व टिक्कू घुवन, कोषाध्यक्ष सुकेश प्रजापति और डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन के यूनिट सचिव संतोष कुमार सहित ललन चौधरी, अमृत कश्यप, प्रदीप कुमार, सुधीर कुमार हेम्ब्रम, केशव कुमार, मोहन साव, सी.बी. जायसवाल, जगदीश महतो, राम शंकर राय और राकेश दिवाकर उपस्थित रहे।

इसी कड़ी में, बोकारो थर्मल डीवीसी ईडीसीएल इकाई के प्रतिनिधिमंडल ने भी नए एचओपी मधुकर श्रीवास्तव से मुलाकात कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर ईडीसीएल के अध्यक्ष सह वरीय प्रबंधक (सीएसआर) मनीष कुमार चौधरी ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया, जबकि सचिव रमेश कुमार और संपर्क अधिकारी सह वरीय प्रबंधक सचिन बोदालकर ने पुष्पगुच्छ भेंट किया।

नवनियुक्त एचओपी ने ईडीसीएल के सदस्यों को आश्वस्त करते हुए कहा कि परियोजना के सफल और निर्बाध संचालन में सभी मिलकर सहयोग करें, क्योंकि डीवीसी प्रबंधन कर्मियों की हर संभव समस्या के समाधान के लिए सदैव तत्पर है। इस दौरान संगठन के संयुक्त सचिव राहुल कश्यप, सुधीर हेम्ब्रम, रामलाल पासवान, अमृत कच्छप, टीकू गुभन, ललन प्रसाद, विनय कुमार और रवि चक्रवर्ती सहित अन्य अधिकारी व सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

# केंदुआ-बोकारो मुख्य सड़क आम जनता के लिए खुली, विधायक राज सिन्हा ने किया उद्घाटन

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन

- भू-धंसान के कारण कई महीनों से बंद सड़क चालू होने से लोगों को मिली राहत, व्यापारियों में खुशी
- जनता की समस्याओं का समाधान करना ही जनप्रतिनिधि का वास्तविक दायित्व : राज सिन्हा

**धनबाद:** झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने सोमवार को केंदुआ पहुंचकर भू-धंसान के कारण पिछले कई महीनों से बंद पड़ी केंदुआ-बोकारो मुख्य सड़क का विधिवत उद्घाटन किया। उन्होंने नारियल फोड़कर और फीता काटकर सड़क को आम जनता के आवागमन के लिए समर्पित किया। दुर्गापूजा और आगामी छठ महापर्व से पहले सड़क चालू होने से स्थानीय निवासियों, व्यवसायियों और राहगीरों को बड़ी राहत मिली है। विधायक के केंदुआ पहुंचने पर केंदुआ चैंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्यों, केंदुआ, करकेंद, गोधर और पुटकी के व्यवसायियों, स्थानीय नागरिकों तथा युवा संघर्ष मोर्चा के सदस्यों ने फूल-माला पहनाकर और पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान राज सिन्हा के समर्थन में जमकर नारे लगाए गए।

**सड़क चालू कराने के लिए लगातार किया प्रयास-** भू-धंसान के कारण सड़क बंद रहने से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इसका असर स्थानीय कारोबार पर भी पड़ रहा था। लोगों की समस्याओं को देखते हुए विधायक राज सिन्हा ने स्थानीय नागरिकों और व्यवसायियों के साथ मिलकर कई बार आंदोलन किया। उन्होंने जिला प्रशासन और बीसीसीएल प्रबंधन को अल्टीमेटम देकर सड़क की मरम्मत कराकर जल्द आवागमन बहाल करने की मांग की थी। विधायक ने निर्माण कार्य की प्रगति पर लगातार नजर रखी। वे स्वयं स्थल पर पहुंचकर घंटों निरीक्षण करते रहे और जरूरत के अनुसार संबंधित विभागों तथा बीसीसीएल प्रबंधन के बीच समन्वय स्थापित करने का प्रयास किया। उनके अनुसार, सड़क को जल्द चालू कराना क्षेत्र की जनता की प्रमुख मांग थी।

**जनता के चेहरों पर मुस्कान ही सबसे बड़ी उपलब्धि-** सड़क के उद्घाटन के बाद विधायक राज सिन्हा ने कहा कि स्थानीय लोगों के चेहरों पर लौटी खुशी देखकर उन्हें बेहद संतोष हुआ है। जब भी वे यहां आते थे, लोगों की आंखों में सड़क चालू होने की उम्मीद दिखाई देती थी। आज उनकी प्रतीक्षा समाप्त हुई और उनके चेहरों पर मुस्कान लौटी, यही उनके लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा, "जनप्रतिनिधि होने का वास्तविक अर्थ जनता की समस्याओं को अपनी समस्या समझकर उनके समाधान के लिए निरंतर संघर्ष करना है। जनता का विश्वास मेरी ताकत है और जनसेवा ही मेरा संकल्प।" विधायक ने सड़क को चालू कराने में सहयोग देने वाले स्थानीय नागरिकों, व्यवसायियों, पार्टी कार्यकर्ताओं, जिला प्रशासन और बीसीसीएल प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान और धनबाद के विकास के लिए उनके प्रयास आगे भी जारी रहेंगे।

**निर्माण कार्य में जुटे कर्मियों को किया सम्मानित-** इस अवसर पर विधायक ने सड़क निर्माण कार्य में मुस्तैदी से जुटे राम पांडे, राजकुमार सहित अन्य कर्मियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। निर्माण कार्य के दौरान पेलोडर, रोड रोलर, पानी टंकी और जेसीबी जैसी मशीनों के संचालन तथा कार्य में योगदान देने वाले कर्मियों की सराहना की गई। कार्यक्रम में केंदुआ चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रंजीत मधेशिया, सचिव राजेश मधेशिया, पंकज भुवानिया, प्रमोद गोयल, हीरालाल चौरसिया, विक्की वर्मा, पार्षद प्रतिनिधि गोविंदा राउत, मंचल चौरसिया, मंडल अध्यक्ष रंजय सिंह, इंद्रभूषण कुशवाहा, मनोज गुप्ता, सन्नी रवानी, राजाराम दत्ता, हुल्लास दास, आनंद खंडेलवाल, गीता सिंह, महेंद्र वर्णवाल, राहुल सिंह, पंकज सिन्हा, निर्मल प्रधान, मुकेश सिंह, राजेश गुप्ता, रवि सिन्हा, सदानंद वर्णवाल, संतोष पासवान, बालमुकुंद राम, मनोज मालाकार, कपिलदेव पासवान, सुप्रभात सिन्हा, राणा सिंह, मदन तिवारी, राजेश सिन्हा और बबलू फरिदी सहित सैकड़ों स्थानीय लोग उपस्थित थे।

## संक्षिप्त समाचार

### बैंक मोड़ से केंदुआडीह तक चला विशेष अभियान, 13 वाहनों पर 1.53 लाख का जुर्माना

**अवैध पार्किंग करने वालों पर प्रशासन की कार्रवाई, सड़क किनारे खड़े वाहन जब्त**

**धनबाद:** सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने और दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने सोमवार को बैंक मोड़ से केंदुआडीह तक विशेष अभियान चलाया। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी और यातायात डीएसपी रोहित कुमार साव के संयुक्त नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान सड़क किनारे बेतरतीब और अवैध रूप से खड़े वाहनों को हटाया गया। ऐसे वाहनों के कारण यातायात बाधित होने के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती थी। कार्रवाई के क्रम में अवैध रूप से खड़े वाहनों को जब्त कर केंदुआडीह थाना परिसर भेजा गया। वहीं, यातायात नियमों का उल्लंघन करने और सड़क पर आवागमन में बाधा उत्पन्न करने वाले 13 वाहनों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए कुल 1 लाख 53 हजार रुपये का चालान काटा गया। उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि आम नागरिकों की सुरक्षा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्य मार्गों पर अवैध पार्किंग करने और यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ आगे भी लगातार सघन अभियान चलाया जाएगा। अभियान में सार्जेंट मेजर राकेश कुमार दुबे, ट्रैफिक सार्जेंट प्रवीन कुमार, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक सुनील कुमार, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अमरेश कुमार, आईटी सहायक देवेंद्र कुमार, एनएचएआई की तकनीकी टीम और पुलिस बल के जवान शामिल रहे।

### युवा राजद ने चलाया सदस्यता अभियान, दर्जनों युवाओं ने थामा राजद का दामन

**धनबाद में दो लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य, सामाजिक न्याय की विचारधारा को घर-घर पहुंचाने का संकल्प**

**धनबाद:** राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान 2025-28 के तहत धनबाद में युवा हुंकार यात्रा सह सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया गया। धनबाद प्रखंड युवा राजद की ओर से कोयला नगर स्थित रिक्रिएशन क्लब में आयोजित कार्यक्रम में दर्जनों युवाओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। युवा राजद के जिलाध्यक्ष प्रवीण कुमार ठाकुर ने नए सदस्यों को माला पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष योगेंद्र यादव ने की। इस दौरान युवा राजद के जिलाध्यक्ष प्रवीण कुमार ठाकुर ने कहा कि धनबाद जिले में दो लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। युवाओं का राजद के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। प्रदेश अध्यक्ष रंजन कुमार के नेतृत्व में झारखंड के युवाओं में नई ऊर्जा और क्रांतिकारी उत्साह का संचार हो रहा है। उन्होंने कहा कि धनबाद जिले के हर घर तक सामाजिक न्याय की विचारधारा पहुंचाना संगठन का संकल्प है। युवा हुंकार यात्रा के माध्यम से युवाओं को संगठित कर सामाजिक परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ाया जाएगा। युवा राजद की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं अधिवक्ता गुलशन खातून ने कहा कि भटके हुए युवाओं को राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए पार्टी प्रतिबद्ध है। उन्होंने युवाओं से संगठन से जुड़कर सामाजिक न्याय और जनहित की लड़ाई को मजबूत करने की अपील की। सदस्यता अभियान के दौरान बड़ी संख्या में युवाओं के राजद से जुड़ने पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उत्साह जताया। नेताओं ने इसे युवा राजद के संगठन विस्तार की दिशा में अच्छी शुरुआत बताया और प्रखंड अध्यक्ष योगेंद्र यादव के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में राजद के पूर्व प्रदेश महासचिव उदय शर्मा, जिला प्रधान महासचिव विशाल यादव, महानगर अध्यक्ष अजमल रंगसाज, जिला उपाध्यक्ष उमेश यादव, जिला महासचिव ओबीसी राजू सर, महासचिव प्रभात यादव, मुकेश सिंह, तोपचांची प्रखंड अध्यक्ष एकरामुल अंसारी, रविंद्र कुमार, अभिमन्यु, श्यामल दास, मो. नौशाद, नंदन पासवान, नीरज यादव और अजय यादव सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

### धनबाद रेल मंडल में स्वच्छता अभियान तेज, नालियों की सफाई और कबाड़ का होगा निस्तारण

**स्वच्छता पखवाड़ा एवं विशेष अभियान 6.0 के तहत 'अमृत संवाद' का आयोजन, पर्यावरण संरक्षण पर हुई चर्चा**

**धनबाद:** स्वच्छता पखवाड़ा-2026 एवं विशेष अभियान SCDPM 6.0 के तहत सोमवार को धनबाद रेल मंडल में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और संस्थागत कार्यकुशलता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। इस दौरान रेल परिसरों एवं आसपास के क्षेत्रों में नालियों की गहन सफाई की गई, ताकि जलनिकासी व्यवस्था बेहतर हो और जलभराव की समस्या से बचा जा सके। अभियान के तहत रेल परिसर में लंबे समय से जमा पुराने कचरे और कबाड़ को चिह्नित कर उसके समुचित निस्तारण की कार्रवाई भी की गई। इसका उद्देश्य रेल परिसरों को स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित बनाना है।

**'अमृत संवाद' में स्वच्छता पर चर्चा-** स्वच्छता अभियान के अंतर्गत कर्मचारियों एवं यात्रियों की सहभागिता से 'अमृत संवाद' का आयोजन किया गया। इसमें स्वच्छता के महत्व, पर्यावरण संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन तथा स्वच्छ परिवेश बनाए रखने में जनभागीदारी की भूमिका पर चर्चा की गई। संवाद के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने और अपने आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखने के लिए प्रेरित किया गया। रेल प्रशासन के अनुसार, स्वच्छता पखवाड़ा और विशेष अभियान 6.0 के तहत रेल परिसरों में साफ-सफाई, कचरे के उचित निस्तारण और बेहतर पर्यावरण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। धनबाद रेल मंडल स्वच्छता को दैनिक कार्यसंस्कृति का अभिन्न अंग बनाने तथा रेल परिसरों को स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

# लंबित मामलों के निष्पादन के लिए डाक एवं पेंशनर्स एसोसिएशन करेगा पहल

**पेंशन अदालत के आयोजन की मांग, 25 नवंबर को जंतर-मंतर पर धरने में शामिल होंगे तीन सदस्य**

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन

**धनबाद:** अखिल भारतीय डाक एवं पेंशनर्स एसोसिएशन, धनबाद की आमसभा प्रधान डाकघर परिसर में अध्यक्ष यदुराम की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन से जुड़े विभिन्न लंबित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही, उनके शीघ्र निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों से पहल करने का निर्णय लिया गया। सभा में निर्णय लिया गया कि एसोसिएशन के सदस्य जल्द ही वरिष्ठ डाक अध्यक्ष से मिलकर लंबित मामलों के निष्पादन के लिए दबाव बनाएंगे। इसके अलावा, प्रत्येक महीने के प्रथम शुक्रवार को मंडलीय स्तर पर पेंशन अदालत आयोजित करने की मांग को लेकर मंडलीय अध्यक्ष से वार्ता की जाएगी। बैठक में सर्वसम्मति से यह भी निर्णय लिया गया कि 25 नवंबर को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित धरने में शामिल होने के लिए धनबाद से तीन सदस्य जाएंगे। सभा को संबोधित करते हुए यदुराम, जेपी झा, बृजबंशी सिंह और बसंत महतो ने सदस्यों से एकजुट होकर अपने अधिकारों और लंबित मांगों के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया। वक्ताओं ने संगठन की चट्टानी एकता पर जोर देते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही समस्याओं के समाधान की दिशा में प्रभावी पहल की जा सकती है। यह जानकारी एसोसिएशन के सचिव जेपी झा ने दी।

# डीडीसी ने जिले के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों एवं सियालगुदरी पंचायत भवन का किया निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन

**धनबाद:** सोमवार को उप विकास आयुक्त सन्नी राज द्वारा जिले के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्रों एवं जीर्णोद्धार किए गए आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति का जायजा लिया गया। इस दौरान केंद्रों में उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं, बच्चों की आवश्यकताओं तथा उनके अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। साथ ही, बच्चों की सुविधा, सुरक्षा एवं सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। इसके उपरांत उप विकास आयुक्त द्वारा सियालगुदरी पंचायत भवन का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पंचायत भवन की वर्तमान स्थिति एवं रखरखाव में पाई गई कमियों पर गहरी नाराजगी व्यक्त की गई। इस संबंध में पंचायत सचिव एवं मुखिया को निर्देश दिया गया कि जिला स्तर से उपलब्ध कराए गए मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) के अनुरूप पंचायत भवन का समुचित रखरखाव एवं व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए एक सप्ताह के भीतर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई पूर्ण करें। उप विकास आयुक्त द्वारा स्पष्ट निर्देश दिया गया कि सभी संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी दिए गए निर्देशों का गंभीरता से अनुपालन सुनिश्चित करें, ताकि आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने के साथ-साथ पंचायत भवन की व्यवस्था एवं कार्यशीलता में भी अपेक्षित सुधार लाया जा सके।

# धनबाद कोर्ट परिसर में अधिवक्ता संतोष सिंह से मारपीट का आरोप, चैंबर में घुसकर हमला करने का दावा

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन

- गला दबाने की कोशिश और चश्मा तोड़ने का आरोप, कार्रवाई की मांग

**धनबाद:** धनबाद कोर्ट परिसर में अधिवक्ता संतोष सिंह के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आया है। घटना के बाद कोर्ट परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। अधिवक्ता संतोष सिंह ने मीडिया के सामने अपनी बात रखते हुए आरोप लगाया कि एक व्यक्ति को सरेंडर कराने के लिए कोर्ट लाया गया था। उक्त व्यक्ति को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) से जुड़ा बताया जा रहा है। इसी दौरान कुछ लोग उनके चैंबर में घुस आए और विरोध करते हुए विवाद शुरू कर दिया। अधिवक्ता संतोष सिंह के अनुसार, विवाद के दौरान उनके साथ मारपीट की गई। आरोप है कि हमलावरों ने उनका गला दबाने की कोशिश की और चश्मा भी तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि घटना के दौरान स्थिति तनावपूर्ण हो गई थी। वहां मौजूद अन्य लोगों को भी बाहर निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ा। अधिवक्ता ने यह भी बताया कि घटना के दौरान एक व्यक्ति को पकड़कर एसएसपी और धनबाद थाना के मनोज पांडे को सौंपा गया। हालांकि, घटना में शामिल लोगों की भूमिका और विवाद के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

**न्याय व्यवस्था पर हमला बताते हुए कार्रवाई की मांग:** घटना पर नाराजगी जताते हुए अधिवक्ता संतोष सिंह ने इसे न्याय व्यवस्था पर हमला बताया और मामले में शामिल लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की। कोर्ट परिसर में अधिवक्ता के चैंबर में घुसकर कथित मारपीट की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल, मामले में अधिवक्ता की ओर से लगाए गए आरोप सामने आए हैं। पुलिस की जांच और संबंधित पक्षों का आधिकारिक पक्ष सामने आने के बाद ही घटना की पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

## अज्ञात वाहन की टक्कर से शहीद शक्ति नाथ महतो के स्मारक को नुकसान, जांच की मांग

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन

- तेतुलमारी में घटना से स्थानीय लोगों में नाराजगी, दोषी वाहन की पहचान कर कार्रवाई की मांग

**तेतुलमारी (धनबाद):** सोमवार की अहले सुबह तेतुलमारी स्थित शहीद शक्ति नाथ महतो चौक पर झारखंड आंदोलन के जननायक शहीद शक्ति नाथ महतो के स्मारक स्थल को एक अज्ञात वाहन ने क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी है। लोगों ने शहीद के स्मारक को नुकसान पहुंचाए जाने पर दुख जताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी वाहन की पहचान करने की मांग की है। इस संबंध में शिव प्रसाद महतो ने प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कराने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि घटनास्थल की जांच कर स्मारक को क्षति पहुंचाने वाले वाहन की पहचान की जाए तथा संबंधित व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार उचित कार्रवाई की जाए। फिलहाल, घटना में शामिल वाहन और उसके चालक की पहचान नहीं हो सकी है। अब प्रशासन की जांच के बाद ही घटना की पूरी जानकारी सामने आ सकेगी।

# आईआईटी (आईएसएम) में 26 युवाओं को सीएडी-सीएएम प्रशिक्षण का प्रमाणपत्र

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन

- एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सहयोग से चार महीने का प्रशिक्षण पूरा, युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर होंगे मजबूत

**धनबाद:** आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के एसीआईसी आईआईटी (आईएसएम) फाउंडेशन ने अभिकल्पन डिजाइन स्टूडियो के सहयोग से चार महीने का कंप्यूटर-एडेड डिजाइन (सीएडी) एवं कंप्यूटर-एडेड मैन्युफैक्चरिंग (सीएएम) प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने वाले 26 छात्रों को प्रमाणपत्र प्रदान किया। एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) द्वारा वित्तपोषित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाकर उनके लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर बढ़ाना है। कार्यक्रम में एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के डायरेक्टर विनोद कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा ने अध्यक्षता की। कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. सौम्या सिंह के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने युवाओं के कौशल विकास पर जोर देते हुए कहा कि तेजी से बदलते औद्योगिक परिवेश में रोजगार हासिल करने के लिए व्यावहारिक ज्ञान और उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप तकनीकी कौशल बेहद जरूरी हैं। उचित प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं की क्षमता बढ़ाकर उन्हें देश के विकास में अधिक प्रभावी भूमिका निभाने के लिए तैयार किया जा सकता है।

**तकनीकी शिक्षा और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर-** एसीआईसी आईआईटी (आईएसएम) फाउंडेशन की सीईओ डॉ. आकांक्षा सिन्हा ने नवाचार, उद्यमिता और कौशल विकास को प्रोत्साहित करने में फाउंडेशन की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने विशेष रूप से वंचित समुदायों के युवाओं को तकनीकी शिक्षा एवं प्रशिक्षण से जोड़ने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि व्यावहारिक प्रशिक्षण और तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देना विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसके लिए शैक्षणिक संस्थानों, उद्योगों और सरकारी संगठनों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है।

**हैंड्स-ऑन लर्निंग से मजबूत होती हैं तकनीकी दक्षताएं-** आईआईटी (आईएसएम) के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा ने छात्रों के बीच निरंतर सीखने की संस्कृति विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऑफलाइन और व्यावहारिक प्रशिक्षण से छात्रों को शिक्षकों के साथ सीधे संवाद करने, अपने विचार साझा करने तथा तकनीकी विषयों को गहराई से समझने का अवसर मिलता है। इस प्रकार का प्रशिक्षण छात्रों की व्यावहारिक दक्षताओं को मजबूत करने में सहायक होता है। मुख्य अतिथि विनोद कुमार ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के माध्यम से समाज के समावेशी विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। ऐसी पहल ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों तक पहुंचनी चाहिए, ताकि शहरी एवं ग्रामीण युवाओं के बीच तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के अवसरों से जुड़ी खाई को कम किया जा सके।

**26 छात्रों को मिला प्रशिक्षण का प्रमाणपत्र-** कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण चार महीने का सीएडी/सीएएम प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वाले 26 छात्रों को प्रमाणपत्र प्रदान करना रहा। प्रशिक्षण के दौरान छात्रों को डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग से जुड़े आधुनिक तकनीकी उपकरणों एवं विशेष सॉफ्टवेयर के उपयोग की जानकारी देने के साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान किया गया। इससे उन्हें उद्योगों में रोजगार हासिल करने और भविष्य में अपना उद्यम शुरू करने के लिए तैयार होने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सीनियर मैनेजर अविनाश शुक्ला, एसीआईसी आईआईटी (आईएसएम) फाउंडेशन की मैनेजर कैमिलिया चौधरी, कुशजी पांडेय और प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर आदित्य प्रकाश सहित अन्य गणमान्य लोग एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे। इस संयुक्त पहल के माध्यम से एसीआईसी आईआईटी (आईएसएम) फाउंडेशन, अभिकल्पन डिजाइन स्टूडियो और एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने युवाओं को कौशल आधारित शिक्षा से जोड़ने तथा उनके लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर विकसित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। यह पहल युवाओं के कौशल अंतर को कम करने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

## संक्षिप्त समाचार

### डाक विभाग ने मनाया रिफॉर्म उत्सव, डिजिटल सेवाओं पर दिया जोर

**रांची।** भारतीय डाक विभाग के झारखंड परिमंडल के रांची मंडल की ओर से सोमवार को ऑड्रे हाउस में 'रिफॉर्म उत्सव' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य डाक महाध्यक्ष संजीव रंजन और निदेशक डाक सेवाएं आर. वी. चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उत्सव में डाक विभाग में हो रहे सुधारों, आधुनिक तकनीक के उपयोग और डिजिटल सेवाओं के विस्तार पर जोर दिया गया। साथ ही डाक सेवाओं को सरल, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने और ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयासों को रेखांकित किया गया।

### वीर सिदो-कान्हू पब्लिक स्कूल में हॉस्टल निर्माण के लिए भूमि पूजन

**चांडिलः** काठजोड़-सालगाडीह स्थित वीर सिदो-कान्हू पब्लिक स्कूल में हॉस्टल भवन निर्माण के लिए पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ भूमि पूजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व विद्यालय के निदेशक बाबू राम सोरेन और विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) के अध्यक्ष बनमाली हांसदा ने किया। भूमि पूजन में अभिभावकों, शिक्षकों, समाजसेवियों और ग्रामीणों ने भाग लिया। स्थानीय परंपरा के अनुसार पूजा-अर्चना कर भवन निर्माण कार्य की शुरुआत की गई। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, हॉस्टल बनने से विद्यार्थियों को भविष्य में आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने और शिक्षा के बेहतर अवसर विकसित करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में सालगाडीह के लाया घासी राम मार्डी, बुद्धेश्वर सिंह, सनातन मार्डी, बनमाली हांसदा, विजय मुर्मू, सुदन टुडू और सुनील मार्डी समेत सैकड़ों ग्रामीण, अभिभावक, शिक्षक एवं समाजसेवी उपस्थित थे। आयोजन में विद्यालय के विकास के लिए स्थानीय समुदाय की सहभागिता दिखाई दी। विद्यालय प्रबंधन ने सभी उपस्थित लोगों के प्रति आभार जताया।

### सिमराडीह मोड़ के समीप सड़क हादसे में अज्ञात व्यक्ति की मौत

**डुमरीः** डुमरी थाना क्षेत्र के सिमराडीह मोड़ के समीप सोमवार को सड़क हादसे में एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार वैगनआर कार की चपेट में आने से व्यक्ति ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि कार एक युवती चला रही थी, जो अपनी मां के साथ सरिया से बोकारो जा रही थी। इसी दौरान उक्त स्थान पर कार ने व्यक्ति को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही डुमरी पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की कार्रवाई में जुट गई है। खबर भेजे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है।

### पंचायत समिति सदस्य मनीषा कुमारी ने फीता काटकर ट्रांसफार्मर का किया उद्घाटन

#### पतकी में 200 केवीए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

**पेटरवार।** पेटरवार प्रखंड अंतर्गत पतकी पंचायत के पतकी पुनर्वास ग्राम में दो सौ केवीए के विद्युत ट्रांसफार्मर का उद्घाटन सोमवार को पंचायत समिति सदस्य मनीषा कुमारी ने फीता काटकर किया। ट्रांसफार्मर के उद्घाटन से स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल रहा। इस अवसर पर राम यादव, दीपक कुमार, हबीब अंसारी, इकबाल, पप्पू, गुलाम दस्तगीर, दीपक तुरी, विजय तुरी, कुंदन तुरी, सोनू तुरी, चंदन तुरी सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष उपस्थित थे।

### सार्वजनिक दुर्गा मंदिरों में माँ ब्रह्मचारिणी की पूजा-अर्चना, दुर्गामय हुआ वातावरण

**डुमरीः** प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित सार्वजनिक दुर्गा मंदिरों में सोमवार को माँ दुर्गा के द्वितीय स्वरूप माँ ब्रह्मचारिणी की विधि-विधान पूर्वक पूजा-अर्चना की गई। वनांचल चौक समीप स्थित सार्वजनिक दुर्गा मंदिर, हटियाटांड़, पारसनाथ रेलवे स्टेशन, कुलगो, निमियाघाट, चैनपुर, धावाटांड़, पोरदाग सहित अन्य स्थानों पर स्थित दुर्गा मंदिरों में सुयोग्य ब्राह्मणों के सानिध्य में पूजा संपन्न कराई जा रही है। सुबह से ही विभिन्न दुर्गा मंडपों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। इस बार सप्तमी तिथि 17 एवं 18 अक्टूबर दो दिन होने के कारण नवरात्र दस दिनों का हो गया है। मंदिरों में स्थापित प्रतिमा का विसर्जन 21 अक्टूबर को किया जाएगा, जबकि हटियाटांड़ स्थित दुर्गा मंदिर की प्रतिमा का विसर्जन 23 अक्टूबर को होगा। वनांचल चौक स्थित सार्वजनिक दुर्गा मंडप में नवरात्र अनुष्ठान ब्राह्मण मनोज पांडेय संपन्न करा रहे हैं, हालांकि सप्तमी तिथि से पुरुलिया से आए ब्राह्मण पूजा कराएंगे। पूजा समिति के अध्यक्ष प्रशांत जायसवाल, उपाध्यक्ष आशीष जायसवाल टिंकू, सचिव बिरेन्द्र कुमार सिन्हा, कोषाध्यक्ष आशीष अग्रवाल पप्पू सहित सदस्य अरुण जायसवाल, शंकर ठाकुर, रामचंद्र मंडल, लालू जायसवाल, भीम मंडल, जगरनाथ ठाकुर, संजय ठाकुर, राजेश अग्रवाल, दीपक सिन्हा, सीताराम शर्मा, शंकरराम महतो, भोला ठाकुर आदि जुटे हुए हैं। सभी पूजा स्थलों पर आकर्षक विद्युत सजावट एवं साउंड की व्यवस्था की गई है। सुबह-शाम होने वाली आरती और महिलाओं द्वारा गाए जा रहे लोकगीतों से पूरा वातावरण दुर्गामय हो गया है।

# तिरुलडीह में अवैध बालू खनन बेलगाम, रात में तेज रफ्तार हाइवा पलटा, ग्रामीणों में दहशत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**चांडिलः** सरायकेला-खरसावां जिले के तिरुलडीह थाना क्षेत्र में कथित अवैध बालू खनन और ढुलाई को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। रविवार रात झिमड़ी गांव के पास बालू लदा एक हाइवा अनियंत्रित होकर पलट गया। ग्रामीणों के अनुसार, हाइवा तिरुलडीह से बालू लेकर नीमडीह की ओर जा रहा था। हादसे में किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि वाहन किसी घर में घुस जाता तो गंभीर हादसा हो सकता था। स्थानीय लोगों का आरोप है कि रात के अंधेरे में बालू लदे भारी वाहन तेज रफ्तार से ग्रामीण सड़कों पर दौड़ते हैं। इससे सड़क किनारे रहने वाले परिवारों, बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को खतरा बना रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि दिनभर मेहनत करने के बाद भी उन्हें रात में इस आशंका के बीच रहना पड़ता है कि कहीं कोई भारी वाहन घर में न घुस जाए। बताया जाता है कि कुछ दिन पहले तिरुलडीह के नए थाना प्रभारी ने बालू वाहनों के चालान और ओवरलोडिंग की जांच कर कार्रवाई की थी। हालांकि, ग्रामीणों का दावा है कि इसके बाद फिर से बालू की ढुलाई तेज हो गई है। उन्होंने जिला खनन विभाग और जिला प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए अवैध खनन और परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने की मांग की है। ग्रामीणों ने रात में भारी वाहनों के परिचालन की जांच करने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि समस्या का समाधान नहीं होने पर आंदोलन किया जाएगा। अब देखना है कि हाइवा पलटने की घटना के बाद पुलिस और खनन विभाग क्या कदम उठाते हैं।

## मंत्री योगेंद्र प्रसाद की ओर से फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच खेल सामग्री का वितरण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**पेटरवार।** पेटरवार प्रखंड अंतर्गत ओरदाना पंचायत के भादवाजारा, गुनिया पाखना और महलीजारा के फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच सोमवार को मंत्री योगेंद्र प्रसाद की ओर से खेल सामग्री का वितरण किया गया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना और खेल के प्रति उनकी रुचि को बढ़ावा देना है। इस दौरान खिलाड़ियों ने खेल सामग्री मिलने पर खुशी जाहिर की। ग्रामीण क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए इस तरह की पहल को महत्वपूर्ण बताया गया। कार्यक्रम में पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि सह पूर्व मुखिया गुलाब चंद मांझी, झारखंड मुक्ति मोर्चा के पेटरवार प्रखंड से समाजसेवी गंगाधर महतो, रामू महतो, राजेश कुमार महतो, साहेब राम सोरेन, दिलीप मुर्मू और चरण टुडू सहित बड़ी संख्या में फुटबॉल खिलाड़ी उपस्थित रहे।

## न्यायाधीश सुभाष ने साहिबगंज के 20वें प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में संभाला कार्यभार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**साहिबगंजः** न्यायाधीश सुभाष ने सोमवार को व्यवहार न्यायालय, साहिबगंज में 20वें प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में योगदान दिया। योगदान के बाद शाम चार बजे वे जिला अधिवक्ता संघ भवन पहुंचे और अधिवक्ताओं से औपचारिक मुलाकात की। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष ललित स्वदेशी और सचिव विजय कर्ण ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। सुभाष वर्ष 2014 से 2016 तक साहिबगंज में जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए) के सचिव, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (एसीजेएम) और मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) के पद पर कार्यरत रहे थे। इसके बाद जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद पर पदोन्नति के बाद उनका स्थानांतरण जमशेदपुर हो गया। साहिबगंज में योगदान देने से पहले वे धनबाद के कुटुंब न्यायालय में प्रधान न्यायाधीश के पद पर कार्यरत थे। स्वागत कार्यक्रम में साहिबगंज कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश संजय कुमार उपाध्याय, जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम गुलाम हैदर समेत अन्य न्यायिक पदाधिकारी और अधिवक्ता उपस्थित थे।

## कांग्रेस सांसद द्वारा जेएनयू में की गई कुकृत्य के विरोध में भाजपा महिला मोर्चा ने किया एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**साहिबगंज :** जिला के भारतीय जनता पार्टी तत्वावधान में कांग्रेस सांसद द्वारा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में की गई कुकृत्य के विरोध में आज एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व कार्यक्रम प्रभारी भाजपा पूर्व जिला उपाध्यक्ष ललिता पासवान जी ने किया। इस धरना-प्रदर्शन में भाजपा साहिबगंज जिला अध्यक्ष आदरणीय गौतम यादव जी एवम जिला प्रभारी अमृता पांडेय विशेष रूप से उपस्थित रहे । धरना कार्यक्रम में महिला मोर्चा की नेत्री ललिता पासवान जी ने विरोध-प्रदर्शन का नेतृत्व किया। मंच का संचालन जिला मंत्री श्रीमती ऊषा भारती जी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन नगर अध्यक्ष महिला मोर्चा बरहरवा श्रीमती पूनम भारती जी ने किया। धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष श्री गौतम यादव जी एवं जिला प्रभारी श्री अमृत पांडेय जी ने कांग्रेस सांसद की कुकृत्य के विरोध में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कांग्रेस सांसद की सदस्यता तत्काल प्रभाव से रद्द की जानी चाहिए। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी बिना मतलब का मामला उठा कर विधवा विलाप कर रहे है पर उनके सांसद के कुकृत्य पर चुप्पी साधे हुए है। न ही कांग्रेस का नेता इस पर अपना मुंह खोला है। इससे कांग्रेस की ओछी और शर्मनाक मंशा स्पष्ठ होती है। झारखंड में भी कांग्रेस के कई बड़बोलेपन नेता है पर इस विषय पर चुप्पी साधे हुए है।इस कार्यक्रम में सभी भारतीय जनता पार्टी के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# कोलियरियों में चोरी के विरोध में निरसा थाना का घेराव

### विधायक अरूप चटर्जी के नेतृत्व में सैकड़ों मजदूरों ने किया प्रदर्शन, रात्रि गश्ती बढ़ाने का मिला आश्वासन

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन

**निरसा (धनबाद):** निरसा क्षेत्र की कोयला खदानों में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं के विरोध में सोमवार को सैकड़ों मजदूरों ने निरसा थाना का घेराव कर प्रदर्शन किया। निरसा विधायक अरूप चटर्जी के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में मजदूरों ने हड्डियाजाम और वैजना कोलियरी सहित अन्य खदानों में चोरी की घटनाओं पर नाराजगी जताते हुए सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की। प्रदर्शन कर रहे मजदूरों का आरोप है कि कोलियरियों में चोरी की घटनाओं को एक संगठित गिरोह अंजाम दे रहा है। उनके अनुसार, हथियारों से लैस चोरों का समूह रात के अंधेरे में खदानों में घुसता है और सुरक्षा में तैनात गार्डों को बंधक बनाकर कोयला, लोहा तथा हजारों लीटर डीजल चोरी कर ले जाता है। लगातार हो रही इन घटनाओं से मजदूरों में भय का माहौल है। मजदूरों ने आरोप लगाया कि चोरी की घटनाओं की जानकारी कई बार लिखित और मौखिक रूप से प्रशासन को दी गई, लेकिन इसके बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना था कि लगातार हो रही चोरी से कोलियरियों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इसी के विरोध में मजदूरों ने एकजुट होकर थाना का घेराव किया और अपनी नाराजगी जाहिर की। थाना घेराव की सूचना मिलने पर प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने आंदोलनकारी मजदूरों से बातचीत कर उन्हें शांत कराने का प्रयास किया। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि क्षेत्र में सोमवार से ही रात्रि गश्ती तेज की जाएगी तथा चोरी की घटनाओं में संलिप्त गिरोह के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन के आश्वासन के बाद मजदूरों ने अपना धरना-प्रदर्शन समाप्त कर दिया। प्रदर्शन में भाकपा माले के कार्यकर्ताओं, मजदूर नेताओं और बड़ी संख्या में स्थानीय मजदूरों ने भाग लिया।

## गुजरात में काम करने वाले प्रवासी मजदूर की मौत, पैतृक गांव चेगरो में पसरा मातम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**डुमरी :** गुजरात के राजकोट जिले के जेतपुर में काम करने वाले प्रवासी मजदूर नंदलाल मिस्त्री (44) का शव सोमवार को उनके पैतृक गांव चेगरो पहुंचा। शव पहुंचते ही पूरे गांव में मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मृतक डुमरी थाना क्षेत्र के चेगरो गांव निवासी थे। वह परिवार के भरण-पोषण के लिए गुजरात के जेतपुर स्थित उषा कॉटन लिमिटेड कंपनी में ठेकेदार खेम नारायण के माध्यम से व्हाइट स्टेंटर मशीन ऑपरेटर के रूप में कार्यरत थे। बताया जाता है कि वह कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। 9 अक्टूबर की सुबह करीब 6 बजे जेतपुर के अमरनगर रोड स्थित ग्रीन पार्क में मिनरल वाटर प्लांट के पीछे अपने आवासीय कमरे में उनका निधन हो गया। नंदलाल परिवार के मुख्य कमाऊ सदस्य थे। उनकी असामयिक मृत्यु से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण परिजनों को शव गांव लाने में काफी परेशानी हुई। इस संबंध में मृतक की पत्नी पद्मनी देवी ने गिरिडीह के श्रम अधीक्षक से प्रवासी मजदूर सहायता योजना के तहत पार्थिव शरीर को गांव लाने के लिए परिवहन सहयोग राशि उपलब्ध कराने की गुहार लगाई थी, ताकि पति का अंतिम संस्कार रीति-रिवाज के अनुसार किया जा सके। शव गांव पहुंचने की सूचना पर जिला परिषद सदस्य चंचला देवी, भाजपा नेता जीवधन महतो और जितेंद्र मोहली पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाते हुए हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

## रूपी सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करने का सिलसिला जारी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**गोलाः** मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से सोमवार को नेमरा स्थित उनके पैतृक आवास पर झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो, राज्यसभा सांसद डॉ. सरफराज अहमद, विधायक सी.पी. सिंह, विधायक चंद्र देव महतो, बिहार के बोधगया विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुमार सर्वजीत, पूर्व विधायक डॉ. जीतू चरण राम एवं पूर्व विधायक सौरभ नारायण सिंह ने मुलाकात की। इस दौरान सभी जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की पूजनीय माता स्वर्गीय रूपी सोरेन के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की तथा उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

# बिष्टुपुर में बीजेपी-कांग्रेस समर्थकों के बीच विवाद, पथराव की सूचना से मचा हड़कंप

राष्ट्रीय मुख्यधारा || बृजराज सिंह

**जमशेदपुरः** शहर के बिष्टुपुर में सोमवार को बीजेपी और कांग्रेस समर्थकों के बीच विवाद तथा पथराव की सूचना से इलाके में हलचल मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस-प्रशासन अलर्ट हो गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। घटनास्थल पर सिटी एसपी ललित मीणा, एसडीओ अर्नव मिश्रा, सीसीआर डीएसपी मनोज ठाकुर और बिष्टुपुर थाना प्रभारी निरंजन कुमार समेत कई पुलिस पदाधिकारी पहुंचे। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद स्थिति का निरीक्षण किया तथा विवाद के बाद उत्पन्न हालात की समीक्षा की। पुलिस-प्रशासन की ओर से स्थिति को नियंत्रित रखने और तनाव बढ़ने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए। फिलहाल बीजेपी और कांग्रेस समर्थकों के बीच विवाद शुरू होने के कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पथराव किन परिस्थितियों में हुआ और घटना में किसी के घायल होने की जानकारी भी अभी आधिकारिक रूप से स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस मामले से संबंधित तथ्यों की जानकारी जुटा रही है। घटना के बाद बिष्टुपुर में पुलिस-प्रशासन की नजर स्थिति पर बनी हुई है। विवाद की वास्तविक वजह, पथराव की परिस्थितियों और संभावित घायलों के संबंध में विस्तृत जानकारी आधिकारिक बयान के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
बोकारो, मंगलवार, 13 अक्टूबर, 2026

# RTI को मजबूत बनाना ही सुशासन की पहचान

सूचना का अधिकार कानून ने देश में सरकारी कामकाज को देखने का नजरिया बदला है। 12 अक्टूबर 2005 को लागू हुए इस कानून ने आम नागरिक को सरकारी कामकाज से जुड़ी जानकारी मांगने का अधिकार दिया। अब लोग सिर्फ सरकार के फैसलों के बारे में सुनते नहीं, बल्कि उनसे जुड़े दस्तावेज भी मांग सकते हैं। यह लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम था। बीते दो दशकों में आरटीआई ने जनता और प्रशासन के बीच संवाद बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सरकारों के लिए पारदर्शिता और जवाबदेही आज सुशासन के अहम आधार बन चुके हैं। सरकारी योजनाओं, बजट और खर्च से जुड़ी जानकारी तक लोगों की पहुंच बढ़ने से प्रशासन के कामकाज पर निगरानी रखने का अवसर मिला है। आरटीआई ने यह भी साफ किया कि सरकारी व्यवस्था जनता के लिए है और जनता को उसके कामकाज के बारे में जानने का अधिकार है। इससे अधिकारियों की जिम्मेदारी और नागरिकों की भागीदारी, दोनों को बढ़ावा मिला है।

पिछले कुछ वर्षों में सरकारी सेवाओं को डिजिटल बनाने, ऑनलाइन पोर्टल के जरिए जानकारी उपलब्ध कराने और योजनाओं की निगरानी को बेहतर करने पर भी जोर दिया गया है। इससे कई सेवाओं के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाने की जरूरत कम करने और सूचनाओं तक पहुंच आसान बनाने का रास्ता खुला है। डिजिटल व्यवस्था का एक फायदा यह भी है कि जहां जरूरी जानकारी पहले से ऑनलाइन उपलब्ध हो, वहां नागरिकों को अलग से आवेदन करने की जरूरत नहीं पड़ती। हालांकि, इसका पूरा लाभ तभी मिलेगा, जब डिजिटल सेवाएं सरल हों और ग्रामीण क्षेत्रों के लोग भी उनका इस्तेमाल कर सकें।

यह भी ध्यान देने वाली बात है कि आरटीआई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए केवल सरकार की जिम्मेदारी तय करना काफी नहीं है। सूचना देने वाले अधिकारियों, अपील व्यवस्था और सूचना आयोगों को भी समयबद्ध तरीके से काम करना होगा। जहां जानकारी देने में अनावश्यक देरी होती है, वहां सुधार की जरूरत है। केंद्र और राज्य सरकारों को आयोगों में रिक्त पद भरने, लंबित मामलों को कम करने और नागरिकों को समय पर राहत देने की दिशा में लगातार प्रयास करना चाहिए।

सूचना के अधिकार के साथ व्यक्तिगत गोपनीयता की रक्षा भी जरूरी है। सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने का अर्थ यह नहीं कि किसी व्यक्ति की निजी जानकारी बिना उचित आधार के सार्वजनिक कर दी जाए। सार्वजनिक हित और निजता के बीच संतुलन बनाकर ही इस कानून का प्रभावी इस्तेमाल संभव है। नियमों को लागू करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि गोपनीयता के नाम पर जनहित से जुड़ी जरूरी जानकारी न रोकी जाए।

आरटीआई की सबसे बड़ी ताकत यह है कि यह नागरिकों को शासन की प्रक्रिया से जोड़ता है। लेकिन आज भी बहुत से लोग इस अधिकार के इस्तेमाल की प्रक्रिया से पूरी तरह परिचित नहीं हैं। सरकार पंचायतों, प्रखंडों और जिला स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाकर इस कमी को दूर कर सकती है। स्कूलों और कॉलेजों में भी विद्यार्थियों को आरटीआई की जानकारी दी जानी चाहिए।

सरकार की उपलब्धियों का सही मूल्यांकन तभी होगा, जब योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचे और प्रशासन अपनी कमियों को दूर करने के लिए तैयार रहे। डिजिटल सेवाओं का विस्तार, सरकारी जानकारी की आसान उपलब्धता और जवाबदेही की व्यवस्था को मजबूत करना इसी दिशा में उपयोगी कदम हैं। अब जरूरत है कि इन प्रयासों को और आगे बढ़ाया जाए, ताकि आम नागरिक को जानकारी पाने के लिए अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े।

आरटीआई सरकार और जनता के बीच टकराव का नहीं, भरोसे का माध्यम बन सकता है। सरकार जितनी सहजता से जानकारी उपलब्ध कराएगी, लोगों का भरोसा उतना ही मजबूत होगा। पारदर्शिता को प्रशासन की रोजमर्रा की कार्यशैली बनाना और तकनीक के सहारे सेवाओं को आसान करना ही सुशासन की असली पहचान है।

# बेहतर विकल्प एवं जरूरी मुद्दों का अभाव ही विपक्ष की अक्षमता

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि यहां कोई भी सरकार स्थायी नहीं होती और कोई भी विपक्ष हमेशा के लिए विपक्ष नहीं रहता। सत्ता के लंबे कार्यकाल के बाद स्वाभाविक रूप से सरकार के प्रति उकताहट पैदा होती है। लेकिन उकताहट और सत्ता परिवर्तन के बीच एक बड़ा अंतर है। मतदाता किसी सरकार से नाराज हो सकता है, उसके कामकाज पर सवाल उठा सकता है, फिर भी केवल नाराजगी के आधार पर किसी ऐसे विकल्प को स्वीकार नहीं करता, जिसके पास देश के भविष्य की स्पष्ट रूपरेखा न हो, जो सत्ता का लालची एवं बेहतर विकल्प से वंचित हो। आज भारतीय राजनीति में विपक्ष के सामने मूल प्रश्न यही है-क्या वह केवल सरकार से असंतुष्ट है या जनता के सामने कोई विश्वसनीय विकल्प भी रख रहा है? राहुल गांधी लंबे समय से यह सवाल उठा रहे हैं कि मोदी सरकार के प्रति अपेक्षित एंटी-इंकबेंसी दिखाई क्यों नहीं देती। उनका आरोप है कि चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी और 'वोट चोरी' के कारण जनता की वास्तविक इच्छा सामने नहीं आ पा रही। इन आरोपों के समर्थन में उनके द्वारा प्रस्तुत दावों को लेकर राजनीतिक और कानूनी बहस जारी है, उन्हें अंतिम रूप से सिद्ध तथ्य मानना अभी उचित नहीं होगा। लेकिन इतना जरूर है कि चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सूची और निर्वाचन आयोग की पारदर्शिता पर उठने वाले प्रत्येक प्रश्न का निष्पक्ष और तथ्यात्मक उत्तर मिलना लोकतंत्र के हित में है। इसी संदर्भ में एसआईआर यानी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का विवाद महत्वपूर्ण हो गया है। निर्वाचन आयोग स्वयं एसआईआर-2026 से संबंधित मतदाता सेवाएं और मतदाता सूची उपलब्ध करा रहा है तथा वह अपने को स्वतंत्र संवैधानिक प्राधिकरण बताता है। दूसरी ओर विपक्ष ने इस प्रक्रिया और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। इस विवाद को अब सर्वोच्च न्यायालय में भी चुनौती मिली है। इस पूरे मामले का अंतिम निष्कर्ष राजनीतिक नारों से नहीं, संवैधानिक और न्यायिक प्रक्रिया से निकलेगा। यहीं विपक्ष की राजनीति की असली परीक्षा शुरू होती है। चुनाव आयोग के विरुद्ध आंदोलन करना विपक्ष का लोकतांत्रिक अधिकार है। मतदाता सूची में यदि किसी पात्र नागरिक का नाम गलत ढंग से हटाया गया है तो उसका विरोध होना चाहिए। यदि किसी अधिकारी ने नियमों का उल्लंघन किया है तो उसकी जांच होनी चाहिए। लेकिन लोकतंत्र की रक्षा केवल आयोग के विरोध से नहीं होगी। लोकतंत्र की रक्षा तब होगी जब विपक्ष जनता को यह भी बताए कि सत्ता मिलने पर वह शिक्षा, रोजगार, कृषि, उद्योग, स्वास्थ्य, शहरी जीवन, कानून-व्यवस्था और प्रशासन में क्या बदलेगा।

यही वह बिंदु है जहां 'वोट चोरी' का राजनीतिक विमर्श जनता के रोजमर्रा के सवालों से टकराता है। एक सामान्य परिवार को बच्चों की महंगी शिक्षा की चिंता है। रोजगार की बदलती प्रकृति, एआई और नई तकनीक के कारण पारंपरिक कौशल तेजी से अप्रासंगिक हो रहे हैं। डिग्री लेने के बाद भी रोजगार की गारंटी नहीं है। प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और नकल की घटनाएं युवाओं के विश्वास को चोट पहुंचाती हैं। ऐसे में युवा यह जानना चाहता है कि अगली सरकार परीक्षा व्यवस्था को कैसे विश्वसनीय बनाएगी, स्कूलों की गुणवत्ता कैसे सुधारेगी और बदलती तकनीकी अर्थव्यवस्था के लिए करोड़ों युवाओं को तैयार कैसे करेगी। किसान की समस्या भी केवल एमएसपी या आंदोलन तक सीमित नहीं है। फसल आने पर कीमत गिर जाती है और कुछ महीने बाद वही प्याज, टमाटर या दूसरी सब्जियां महंगी हो जाती हैं। इसका समाधान केवल विरोध में नहीं, बल्कि गांव-कस्बे तक भंडारण, कोल्ड-चेन, प्रसंस्करण, कृषि बाजार और मूल्यवर्धन की मजबूत व्यवस्था में है। विपक्ष यदि कृषि सुधारों का विरोध करता है तो उसे यह भी बताना होगा कि वह वैकल्पिक कृषि ढांचा किस तरह खड़ा करेगा। रोजगार का प्रश्न इससे भी बड़ा है। भारत की युवा आबादी को उद्योग, विनिर्माण, सेवा क्षेत्र, अनुसंधान और नई तकनीक से जोड़ना होगा। निवेश के लिए स्थिर कानून-व्यवस्था, पारदर्शी प्रशासन और भरोसेमंद कारोबारी वातावरण जरूरी है। केवल बड़े उद्योगपतियों पर राजनीतिक प्रहार या संपत्ति की गणना जैसे नारों से रोजगार पैदा नहीं होते। विपक्ष यदि संपत्ति के पुनर्वितरण या सामाजिक न्याय की बात करता है तो उसे साथ ही यह भी बताना होगा कि संपत्ति और अवसर कैसे पैदा किए जाएंगे। 'जितनी आबादी, उतना हक' जैसी राजनीति सामाजिक प्रतिनिधित्व के प्रश्न को सामने लाती है, लेकिन आज की चुनौती प्रतिनिधित्व के साथ-साथ क्षमता निर्माण की भी है। पिछड़े, दलित, आदिवासी और कमजोर वर्गों के बच्चों को अच्छी शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और अवसर मिलें-यह सामाजिक न्याय का अधिक स्थायी आधार है। केवल आंकड़े गिनना पर्याप्त नहीं, उन आंकड़ों के पीछे खड़े मनुष्य का जीवन बदलना जरूरी है। इस पूरे परिदृश्य में ममता बनर्जी की भूमिका विशेष चर्चा का विषय बनी है। राष्ट्रीय विपक्षी राजनीति में उनकी भूमिका को लेकर नया विमर्श अवश्य उभरा है। हाल की इंडिया गठबंधन की बैठक में उन्होंने विपक्ष का दायरा बढ़ाने और व्यापक एकता की आवश्यकता पर जोर दिया। यह बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इंडिया गठबंधन का सबसे बड़ा संकट केवल भाजपा से मुकाबला नहीं, बल्कि उसके भीतर का परस्पर अविश्वास है। सीटों का बंटवारा, क्षेत्रीय वर्चस्व, नेतृत्व का प्रश्न और राज्यों में एक-दूसरे के खिलाफ लड़ने वाली पार्टियों का राष्ट्रीय स्तर पर साथ आना आसान नहीं है। आज की स्थिति में आप का चुनाव आयोग तक प्रस्तावित मार्च से अलग रहकर अपना रास्ता अपनाना भी इस अंतर्विरोध को दिखाता है। कांग्रेस, तृणमूल, समाजवादी पार्टी, वामपंथी दल, राजद, आप और दूसरे क्षेत्रीय दल जब अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग राजनीति करते हैं, तब राष्ट्रीय मंच पर उनका साझा न्यूनतम कार्यक्रम क्या है? जनता इसी का उत्तर चाहती है। चुनाव आयोग के मुद्दे पर भी यही कसौटी लागू होती है। इंडिया गठबंधन ने 6 अक्टूबर को निर्वाचन आयोग तक मार्च सहित विरोध कार्यक्रम घोषित किए हैं और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग उठाई है। यह आंदोलन संवैधानिक प्रश्नों को सार्वजनिक बहस के केंद्र में ला सकता है। लेकिन यदि विपक्ष का पूरा राजनीतिक अभियान केवल एक व्यक्ति के इस्तीफे तक सीमित रह गया, तो इससे चुनावी संस्थाओं पर व्यापक विश्वास का प्रश्न हल नहीं होगा। उसे यह भी बताना होगा कि सत्ता में आने पर निर्वाचन आयोग की नियुक्ति, मतदाता सूची, ईवीएम-वीवीपैट, चुनावी चंदे और चुनावी पारदर्शिता को लेकर वह कौन से संस्थागत सुधार करेगा। बड़ा प्रश्न है कि सत्ता की पात्रता को विकसित करने के लिये विपक्ष क्यों नहीं जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर सकारात्मक राजनीति को बल देती। वास्तव में विपक्ष के सामने सबसे बड़ा संकट मुद्दों की कमी नहीं, मुद्दों को समाधान में बदलने की क्षमता का है। बेरोजगारी है, शिक्षा का संकट है, कृषि की समस्या है, स्वास्थ्य का खर्च है, महंगाई की चिंता है, शहरी प्रदूषण है, एआई से बदलती नौकरियां हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की प्रतिस्पर्धा का प्रश्न है। जनता इन सबको प्रतिदिन महसूस करती है। लेकिन राजनीतिक विमर्श बार-बार मोदी बनाम कौन, राहुल बनाम मोदी, ईवीएम बनाम बैलेट और आयोग बनाम विपक्ष की बहस में सिमट जाता है। भारतीय मतदाता सरकार से मोहभंग होने पर भी यह देखता है कि उसके सामने विकल्प क्या है। वह जमीन छोड़कर अंधे कुएं में छलांग नहीं लगाता। उसे ऐसा विपक्ष चाहिए जो सरकार की कमियां गिनाने के साथ अपनी क्षमताएं भी बताए।

"सफलता का रहस्य अपने लक्ष्य के प्रति अडिग रहना है।"
— बेंजामिन डिसराएली

"आपकी आज की मेहनत ही आपके कल के भाग्य का निर्माण करती है।" — चाणक्य

शुभ संवत 2083, शाके 1948, माहः आश्विन माह महीने के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि (त्रयोदशी तिथि का आगमन), अभिजित मुहूर्तः सुबह 11:44 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक, शुभ चौघड़ियाः दोपहर 02:30 बजे से शाम 03:57 बजे तक। राहुकाल (अशुभ समय - इस दौरान नए कार्य शुरू करने से बचें): दोपहर 03:00 बजे से शाम 04:27 बजे तक।

**आज जन्म लिए बालक का फल...**

तुला राशि, जिसके स्वामी ग्रह शुक्र हैं। शिक्षा, कला, मीडिया, फैशन डिजाइनिंग, कानून (लॉ), न्यायपालिका, बिजनेस या उच्च प्रशासनिक क्षेत्रों में इन्हें विशेष सफलता मिलने के योग रहते हैं। इनकी कूटनीतिक और संवाद शैली बेहतरीन होती है।

मेष राशिः कार्यक्षेत्र में मनचाहा लाभ व स्थान परिवर्तन के योग हैं, परिवार का पूरा साथ मिलेगा।

वृष राशिः मान-सम्मान में वृद्धि, पारिवारिक वातावरण शांत रहेगा तथा बिजनेस में थोड़ी मेहनत करें।

मिथुन राशिः समाज में मान-प्रतिष्ठा व नए कार्य के योग हैं, बोलने से ज्यादा काम पर ध्यान दें।

कर्क राशिः बच्चों के साथ समय बिताकर तरोताजा महसूस करेंगे व खर्चों पर नजर रखें।

सिंह राशिः सभी कार्य समय पर पूरे होंगे, मित्रों की सहायता से आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी।

कन्या राशिः परिवार के सहयोग से धन की बचत सीखेंगे और अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा।

तुला राशिः उच्च वर्ग से संपर्क जुड़ेंगे और प्रतियोगी छात्रों को सफलता मिलने के योग हैं।

वृश्चिक राशिः नया कारोबार शुरू करने का मन बना सकते हैं, बड़ों की सलाह व दोस्तों का साथ मिलेगा।

धनु राशिः रुका हुआ धन वापस मिलेगा, मीडिया तथा प्राइवेट जॉब वालों को लाभ होगा।

मकर राशिः प्रतियोगी छात्र तैयारी पर पूरा ध्यान दें और ऑफिस में फोन का उपयोग कम करें।

कुंभ राशिः नौकरी में सुखद परिवर्तन, छात्रों को अच्छे अंक मिलेंगे व स्वास्थ्य फिट रहेगा।

मीन राशिः आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, ईएमआई पूरी होगी और बड़ा ऑनलाइन ऑर्डर मिलेगा।

# भारत में ब्याज दरों में बढ़ौतरी का चक्र प्रारम्भ

प्रहलाद सबनानी

भारतीय रिजर्व बैंक ने दिनांक 7 अक्टोबर 2026 को घोषित अपनी मौद्रिक नीति (मोनेटरी पॉलिसी) के माध्यम से रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि करते हुए इसे 5.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया है। भारत में, फरवरी 2023 के पश्चात, प्रथम बार रेपो दर में वृद्धि की घोषणा की गई है। अब संभवतः समस्त बैंक अपने ऋणों पर ब्याज दरों में बढ़ौतरी की घोषणा करेंगे। दरअसल, भारत ही नहीं बल्कि विश्व के अन्य देशों में भी मुद्रा स्फीति की दर में वृद्धि देखी जा रही है और मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से जापान, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा आदि देश पहिले से ही ब्याज दरों में वृद्धि की घोषणा कर चुके हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के पास भी मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से रेपो दर में वृद्धि करने के अतिरिक्त और कोई उपाय था भी नहीं। रेपो दर में वृद्धि वित्तीय बाजार में लगाए जा रहे अनुमान के आधार पर ही रही है। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह भी स्पष्ट किया है कि निकट भविष्य में रेपो दर में कमी की सम्भावना अब कम ही है बल्कि वित्तीय बाजार का अनुमान है कि दिसम्बर माह में होने वाली भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति कमेटी की बैठक में भी सम्भवतः रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की पुनः वृद्धि की घोषणा की जाएगी।

दरअसल वैश्विक स्तर पर वित्तीय बाजार में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है क्योंकि रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराईल-हम्मास युद्ध, ईरान-अमेरिका युद्ध तो लम्बे समय से चल ही रहा था अब सऊदी अरब-हूथी युद्ध भी छिड़ गया है एवं इसमें पाकिस्तान एवं टर्की भी शामिल हो गए हैं। इस सबका विपरीत प्रभाव वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की आपूर्ति पर पड़ा है एवं कच्चे तेल की कीमतें आसमान छूने लगी हैं जिससे विश्व के कई देशों में मुद्रा स्फीति की स्थिति लगातार गम्भीर होती जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए भारत में मुद्रा स्फीति के अनुमान को बढ़ाया है। पूर्व में, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए भारत में मुद्रा स्फीति के 5 प्रतिशत तक रहने का अनुमान लगाया गया था, जिसे अब बढ़ाकर 5.2 प्रतिशत कर दिया गया है। मुद्रा स्फीति, एक गम्भीर समस्या के रूप में उभर कर सामने आ रही है, इसे नियंत्रित करना अति आवश्यक है क्योंकि इसका सबसे अधिक विपरीत प्रभाव गरीब नागरिकों पर अति गम्भीर रूप से पड़ता है। मुद्रा स्फीति के लगातार बढ़ने से नागरिकों की क्रय शक्ति कमजोर हो जाती है। पूरे विश्व में लगभग समस्त देशों द्वारा मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में वृद्धि की जाती है ताकि नागरिक अपने खर्चों को बढ़ाने के लिए निरुत्साहित हों एवं इस धनराशि को वे बैंकों में जमा करें एवं साथ ही नागरिक बैंकों से ऋणराशि लेने हेतु भी निरुत्साहित हों क्योंकि ब्याज दर के बढ़ाने से ऋणराशि पर अब अधिक ब्याज देना होगा। इससे बाजार में उत्पादों की मांग में कमी आती है एवं उत्पादों की कीमतें कम होने लगती हैं और अंततः मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण स्थापित होने लगता है। परंतु, ब्याज दरों में एक सीमा से अधिक वृद्धि करने से आर्थिक विकास दर विपरीत रूस से प्रभावित होने लगती है। प्राचीन भारतीय ग्रंथों में तो मुद्रा स्फीति का उल्लेख ही नहीं मिलता है क्योंकि उत्पादों की पर्याप्त आपूर्ति बाजार में बनाए रखी जाती थी, बल्कि शास्त्रों में उत्पादों के दाम कम होते जाने का उल्लेख जरूर मिलता है। वर्तमान स्थिति बिलकुल भिन्न है, बाजार में उत्पादों की मांग बढ़ जाती है परंतु आपूर्ति सुनिश्चित नहीं हो पाती है, इससे इन उत्पादों की कीमतों में वृद्धि दृष्टिगोचर होने लगती है।

प्राचीन भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार, मूल्य वृद्धि को बाजार में वस्तुओं/उत्पादों की आपूर्ति को बढ़ाकर नियंत्रित किया जाना चाहिए न कि इन उत्पादों की मांग में कमी करने के प्रयास कर इन वस्तुओं/उत्पादों की कीमतों पर नियंत्रण स्थापित किया जाय। पूंजीवादी व्यवस्था के अंतर्गत ब्याज दर में की गई वृद्धि के कारण बाजार पर होने वाले नकारात्मक प्रभाव को आंकने का प्रयास ही नहीं किया जाता हैं। यदि उत्पादों की मांग में कमी करने के प्रयास किए जाएंगे तो इन उत्पादों का निर्माण कम होगा, इससे विनिर्माण इकाईयों एवं इन इकाईयों में कार्यरत श्रमिकों पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। उत्पादन कम होने के चलते विनिर्माण इकाईयों द्वारा बहुत सम्भव है कि श्रमिकों की छटनी की जाने लगे। इससे देश में बेरोजगारी फैल सकती है। परंतु, भारत में इस तरह की समस्या वर्तमान परिस्थितियों में बीच दिखाई नहीं देती है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भी यह सम्भावना व्यक्त की गई है कि रेपो दर में की गई वृद्धि का भारतीय अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ने की सम्भावना लगभग शून्य है, क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में होने वाली वृद्धि दर को संशोधित कर इसे पूर्व के अनुमान 6.7 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया गया है। अन्यथा, सामान्यतः ब्याज दरों में वृद्धि का आर्थिक विकास दर पर विपरीत प्रभाव दिखाई देता है। भारत में आर्थिक विकास दर मजबूत बनी हुई है। हाल ही के समय में विशेष रूप से विनिर्माण के क्षेत्र एवं सेवा के क्षेत्र में आकर्षक वृद्धि दर दर्ज हुई है। विभिन्न उत्पादों के निर्यात भी तेज गति से बढ़ रहे हैं। निजी क्षेत्र में निवेश भी अब बढ़ने लगा है जबकि सरकारी क्षेत्र में निवेश तो पहिले से ही मजबूत बना हुआ है। बैंकों द्वारा प्रदान की जाने वाली ऋणराशि में अतुलनीय वृद्धि दिखाई दे रही है एवं वस्तु एवं सेवा कर तथा आय कर एवं कारपोरेट कर के संग्रहण में मजबूत वृद्धि दिखाई दे रही है। भारत उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था है अतः स्थानीय स्तर पर निर्मित उत्पादों का बाजार भारत में ही उपलब्ध रहता है, केंद्र सरकार की नीतियों के चलते इन उत्पादों के अन्य देशों से आयात को निरुत्साहित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं, अन्यथा यदि इन उत्पादों का आयात आसानी होने दिया जाय तो सम्भव है कि इन उत्पादों के साथ मुद्रा स्फीति भी आयातित होने लगे, जैसा महंगे कच्चे तेल के आयात से हो रहा है। भारत में बढ़ रही मुद्रा स्फीति के लिए कुछ हद्द तक अन्य देशों से आयातित उत्पादों (स्वर्ण, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, कच्चा तेल आदि) की बढ़ी हुई कीमतें भी जिम्मेदार हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि के निर्णय के पीछे एक और महत्वपूर्ण कारण जिम्मेदार है। दरअसल, अमेरिका की केंद्रीय बैंक यूएस फेड रिजर्व ने यू एस फेड दर में वृद्धि की घोषणा की है। इससे, अमेरिकी में बांड यील्ड में अतुलनीय वृद्धि ध्यान में आई है। 30 वर्षीय बांड यील्ड बढ़कर 5.60 प्रतिशत के स्तर को पार कर गई है, जो वर्ष 2002 के बाद से सबसे अधिक है। इससे विदेशी संस्थागत निवेशक, तेजी से विकास कर रही अर्थव्यवस्थाओं में से अपने निवेश को निकालकर अमेरिकी बांड में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। इसके चलते भारत सहित कई देशों की मुद्राओं की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी से गिर रही है। अतः अपने देश की मुद्रा को अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से भी कई देशों द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की जा रही है ताकि विदेशी निवेश को अपने देश में आकर्षित किया जा सके। भारत में रेपो दर में वृद्धि से भारत के बांड बाजार में भी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले बांड पर यील्ड में सुधार होगा जिससे विदेशी निवेशक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले बांड में अपना निवेश बढ़ा सकते हैं।

(प्रहलाद सबनानी- सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

# चार चरणों में पंचायती राज चुनाव से गांवों की सियासी तस्वीर होगी साफ

कांतिलाल मांडोत

राजस्थान में लंबे समय से पंचायती राज चुनाव का इंतजार कर रहे ग्रामीण मतदाताओं का इंतजार अब खत्म हो गया है। राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायत चुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। प्रदेश में जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव चार चरणों में 23 अक्टूबर, 29 अक्टूबर, 4 नवंबर और 14 नवंबर को होंगे। इनके परिणाम 20 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। इसी तरह सरपंच और वार्ड पंचों के चुनाव चार चरणों में 25 अक्टूबर, 31 अक्टूबर, 6 नवंबर और 16 नवंबर को होंगे तथा मतदान के दिन ही परिणाम सामने आ जाएंगे। इसके बाद 25 नवंबर को जिला प्रमुख और 27 नवंबर को प्रधानों का चुनाव होगा। कोटा, श्रीगंगानगर, बारां और करौली जिलों में जिला प्रमुख और प्रधान के चुनाव दिसंबर में होंगे।

चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में आचार संहिता लागू हो गई है। अब सरकार नई योजनाओं की घोषणा, नए उद्घाटन और शिलान्यास नहीं कर सकेगी। सरकारी मशीनरी के इस्तेमाल और तबादलों पर भी प्रतिबंध रहेगा। हालांकि पहले से स्वीकृत और प्रक्रिया में चल रहे विकास कार्य नियमों के अनुसार जारी रह सकेंगे। आचार संहिता का उद्देश्य यही है कि चुनाव के दौरान सरकारी संसाधनों अथवा घोषणाओं के जरिए मतदाताओं को प्रभावित न किया जा सके। इस बार का पंचायती राज चुनाव कई मायनों में महत्वपूर्ण है। राजस्थान के इतिहास में पहली बार पंचायत चुनाव व्यापक स्तर पर एक साथ कराए जा रहे हैं। प्रदेश की 41 जिला परिषदों और 457 पंचायत समितियों में चुनाव होंगे। जिला परिषद के 1,403 और पंचायत समिति के 8,245 सदस्यों का चुनाव इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों से होगा, जबकि सरपंच और वार्ड पंचों के चुनाव मतपत्रों के जरिए होंगे। कुल मिलाकर करीब 1.69 लाख पंचायती राज प्रतिनिधियों के चुने जाने का रास्ता साफ हुआ है। 1.44 करोड़ से अधिक ग्रामीण मतदाता अपने प्रतिनिधियों का चयन करेंगे। इस चुनाव में महिलाओं की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण रहने वाली है। पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण प्राप्त है। इससे बड़ी संख्या में महिलाएं सरपंच, उपसरपंच और वार्ड पंच के रूप में निर्वाचित होंगी। आरक्षण व्यवस्था ने ग्रामीण राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को लगातार बढ़ाया है और इस बार भी गांवों की सत्ता में महिलाओं की भूमिका निर्णायक रहने की संभावना है। अब सवाल है कि चुनाव में किसका पलड़ा भारी दिखाई देता है। इसका सीधा उत्तर चुनाव परिणाम आने से पहले देना उचित नहीं होगा, लेकिन हाल के राजनीतिक परिणामों और ग्रामीण मुद्दों को देखकर मुकाबले की तस्वीर समझी जा सकती है। राजस्थान में विधानसभा चुनाव 2023 में भाजपा ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया था। इसके बाद लोकसभा चुनाव 2024 में भी भाजपा ने राज्य की अधिकांश सीटों पर बढ़त बनाए रखी, हालांकि पिछली तुलना में कांग्रेस ने अपनी स्थिति में सुधार किया।

# लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि को मिलने की अनुमति क्यों ?

सनत जैन

लोकतंत्र और राजतंत्र के बीच सबसे बड़ा अंतर यही है, राजतंत्र में सत्ता राजा की होती है जबकि लोकतंत्र में सत्ता जनता की होती है। राजा तक पहुंचने के लिए अनुमति आवश्यक हो सकती थी, लोकतंत्र में जनता द्वारा चुना गया प्रतिनिधि किसी अधिकारी, प्रशासनिक प्रमुख अथवा संवैधानिक संस्था के प्रमुख से जनता की समस्या रखने के लिए अनुमति मिलने तक दरवाजे पर खड़ा रहे, मिलने के लिए अनुमति मांगे, यह स्थिति लोकतांत्रिक व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। जनप्रतिनिधि जनता के मत से निर्वाचित होकर संसद या विधानसभा या नगरी निकायों तक पहुंचता है। उसका दायित्व केवल सदन में बैठना नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र की समस्याओं को सरकार, प्रशासन तथा संवैधानिक संस्थाओं तक पहुंचाना भी है। इसलिए निर्वाचित प्रतिनिधि, शासन-प्रशासन के बीच संवाद लोकतंत्र की बुनियादी आवश्यकता है। सामान्य लोकतांत्रिक परंपरा यही रही है, सांसद, विधायक या अन्य जनप्रतिनिधि किसी अधिकारी अथवा संवैधानिक पदाधिकारी से मिलने की इच्छा व्यक्त करते हैं, यदि संबंधित अधिकारी उस समय उपलब्ध नहीं होता है, तो सुविधा के अनुसार सम्मानपूर्वक जनप्रतिनिधि से समय तय करता है। जनप्रतिनिधि को मिलने से पहले अनुमति लेना या मिल सकता है, या नहीं, यह व्यवस्था लोकतांत्रिक संवाद को नौकरशाही की अनुमति पर निर्भर बना सकती है। ऐसी स्थिति में जनप्रतिनिधि का कोई मतलब ही नहीं रह जाएगा। हाल ही में लगभग 300 सांसदों द्वारा चुनाव आयोग से मिलने की कोशिश के प्रसंग ने इसी प्रश्न को जन्म दिया है। यदि इतने सांसद एक साथ किसी संवैधानिक संस्था तक पहुंच रहे थे, पूर्व सूचना होने के बाद भी उनके बैठने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई, चुनाव आयोग के कार्यालय में प्रतिनिधि मंडल से मिलना संभव नहीं था, ऐसी स्थिति में क्या बाहर से ज्ञापन नहीं लिया जा सकता था? क्या आयोग का कोई अधिकारी उनसे मिलकर उनकी बात नहीं सुन सकता था? लोकतंत्र में असहमति और शिकायत को सुनना कमजोरी नहीं, बल्कि संस्थाओं की मजबूती और लोकतांत्रिक व्यवस्था का जीता-जागता प्रमाण है।

इससे भी बड़ा प्रश्न यह है, सांसदों को संसद भवन से चुनाव आयोग के कार्यालय तक जाने से पुलिस रोकती है। तो ऐसी कार्रवाई किसके आदेश पर हुई? दिल्ली पुलिस ने यह कार्रवाई क्यों की? जनप्रतिनिधियों को जाने से रोकना, किस अधिकार के तहत किया गया? किस लोकतांत्रिक आवश्यकता या किस कानून के तहत रोका गया? जनप्रतिनिधियों को रोकने के लिए कानून और व्यवस्था का तर्क दिया जा सकता है, लेकिन यह शांतिपूर्ण पैदल मार्च था। जितनी कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की थी वही जिम्मेदारी इन सांसदों की भी थी। फिर भी उन्हें बीच रास्ते में रोक दिया गया। स्पष्ट रूप से यह कृत्य सांसदों के लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों को खत्म करने जैसा है। समस्या केवल एक घटना या किसी एक संस्था की नहीं है। संसद और विधानसभाओं में जन प्रतिनिधियों को बोलने के लिए समय, नियम और प्रक्रियाओं की दीवारों से गुजरना पड़ता है। बोलने के पहले ही उनसे ऑथेंटिकेशन मांगा जाता है। नियम आवश्यक हैं, क्योंकि सदन अनुशासन से चलता है। नियमों का उद्देश्य जन प्रतिनिधियों की आवाज को दबाना नहीं, बल्कि हर पक्ष को अपनी बात रखने का अवसर देना होना चाहिए। जनता का चुना हुआ प्रतिनिधि जब अपनी बात अपने ही सदन में नहीं रख पाएगा, तो फिर लोकतंत्र में जनता की आवाज कहां सुनी जाएगी?

इसी प्रकार प्रशासनिक और संवैधानिक संस्थाओं की जवाबदेही लोकतंत्र का मूल तत्व है। सांसद या विधायक किसी व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि जनता की समस्या को लेकर अधिकारी के पास जाता है। यदि उसे लगातार जवाब न मिले, मुलाकात न हो, ज्ञापन स्वीकार न किया जाए और समस्याएं लंबित रहें, तो धीरे-धीरे जनता का विश्वास शासन-प्रशासन और संवैधानिक संस्थाओं से उठने लगता है। लोकतंत्र केवल चुनाव कराने का नाम नहीं है। लोकतंत्र का अर्थ है, जनता की सत्ता, शासन एवं प्रशासन में भागीदारी, निर्वाचित प्रतिनिधियों की गरिमा, संस्थाओं की स्वतंत्रता, प्रशासन की जवाबदेही और सभी पक्षों को अपनी बात रखने की स्वतंत्रता उसका मौलिक अधिकार है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, जनप्रतिनिधि का सम्मान व्यक्ति का नहीं बल्कि उस जनता का सम्मान है, जिस मतदाताओं के समूह ने उसे चुना है। वर्तमान स्थिति में संसद, विधानसभा, प्रशासन और संवैधानिक संस्थाओं के बीच संवाद की जगह टकराव बढ़ रहा है। लोकतंत्र सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में बंट रहा है। यह लोकतंत्र के लिए गंभीर चेतावनी है। संस्थाएं जब संवाद के दरवाजे बंद करती हैं, तो असंतोष सड़क पर आता है।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: **राजेश मोहन सहाय**; धनबाद ब्यूरोचीफ: **राजीव रंजन** । बिहार प्रभारी: **संतोष श्रीवास्तव.** Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
बोकारो, मंगलवार, 13 अक्टूबर, 2026



## संक्षिप्त समाचार

### प्रीमियम लिया पूरा, पर क्लेम के वक्त ठगा, बीमा कंपनी के खिलाफ फूटा महिला वाहन मालिक का आक्रोश; अनशन की चेतावनी

**बोकारो :** देश की नामचीन बीमा कंपनियों में शुमार बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड (बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस) की मनमानी और सेवा में घोर लापरवाही का एक सनसनीखेज मामला बोकारो में सामने आया है। नियमित प्रीमियम भरने के बावजूद जब संकट के वक्त दावा भुगतान की बारी आई, तो कंपनी के स्थानीय तंत्र ने उपभोक्ता को चक्कर कटवाना शुरू कर दिया। इससे आहत होकर बोकारो सेक्टर-12ए निवासी महिला वाहन मालिक कल्याणी देवी ने कंपनी प्रबंधन को पत्र भेजकर तीन दिनों के भीतर भुगतान न होने पर सेक्टर-4 स्थित स्थानीय शाखा कार्यालय के समक्ष परिजनों संग आमरण अनशन और अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने की दो-टूक चेतावनी दे दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सेक्टर-12ए क्वार्टर संख्या 1400 निवासी कल्याणी देवी (पति स्वर्गीय गोवर्धन ठाकुर) ने विद्यार्थियों के परिवहन के लिए (56 प्लस 1) सीटर टाटा अल्ट्रा स्कूल बस (जेएच 09एएच 1795) क्रय की थी। इस भारी वाहन का संपूर्ण बीमा बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड से कराया गया था, जिसकी पॉलिसी संख्या ओजी-26-2490-1812-00000108 है और यह पॉलिसी 13 जनवरी 2027 तक पूरी तरह वैध है।

विदित हो कि बस का फ्रंट ग्लास (सामने का शीशा) अचानक टूट जाने के बाद उसकी मरम्मत में कुल 51,500 रुपए की राशि खर्च हुई। इसके बाद नियमानुसार बीमा कंपनी के पास मरम्मत के खर्च से संबंधित दावा प्रपत्र (क्लेम फॉर्म) भरकर जमा किया गया। हैरानी की बात यह है कि लगभग तीन महीने का लंबा समय बीत जाने के बाद भी बीमा कंपनी ने क्लेम की फूटी कौड़ी तक जारी नहीं की।

**दफ्तर ने रिसीविंग देने से किया इनकार, ईमेल और स्पीड पोस्ट से भेजा पत्र-** पीड़िता के अनुसार, जब उन्होंने 5 अक्टूबर 2026 को स्थानीय शाखा में पत्र देकर तीन दिनों के भीतर भुगतान का आग्रह किया, तो वहां के कर्मियों ने पत्र की पावती (रिसीविंग) तक देना मुनासिब नहीं समझा। इसके बाद विवश होकर पीड़िता को कंपनी के पुणे स्थित मुख्यालय, धनबाद प्रबंधक तथा स्थानीय शाखा प्रबंधक को स्पीड पोस्ट और आधिकारिक ईमेल के माध्यम से औपचारिक पत्र भेजना पड़ा। कल्याणी देवी ने पत्र में स्पष्ट लिखा है कि एक नामचीन कंपनी द्वारा किया जा रहा यह रवैया उपभोक्ता के साथ सीधे तौर पर धोखाधड़ी का संकेत देता है और वे खुद को बुरी तरह ठगा हुआ महसूस कर रही हैं।

**तीन दिन में भुगतान नहीं हुआ तो सेक्टर-4 दफ्तर में होगा आमरण अनशन-** सोमवार को भेजे गए अंतिम नोटिस में पीड़िता ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि पत्र प्राप्ति के तीन दिनों के अंदर यदि उनके वाहन मरम्मत के 51,500 रुपए के क्लेम का भुगतान नहीं किया गया, तो वे सक्षम उपभोक्ता फोरम और न्यायालय की शरण में जाने से पहले बोकारो स्टील सिटी, सेक्टर-4 स्थित स्थानीय शाखा कार्यालय के समक्ष लोकतांत्रिक तरीके से अपने परिजनों के साथ अनिश्चितकालीन धरना, आमरण अनशन और भूख हड़ताल शुरू कर देंगी। उन्होंने दो-टूक कहा है कि इस दौरान किसी भी अप्रिय परिस्थिति की पूरी जिम्मेदारी बजाज जनरल इंश्योरेंस कंपनी प्रबंधन की होगी।

### पुरानी रंजिश में चाचा-भतीजे पर रॉड से जानलेवा हमला, अस्पताल में भर्ती

**बोकारो:** बोकारो जिला अंतर्गत हरला थाना क्षेत्र के बसंती मोड़ के पास कुछ दबंगों ने पुरानी रंजिश या विवाद के चलते एक युवक और उसके भतीजे पर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में मुख्य रूप से घायल युवक के सिर पर लोहे की रॉड से जोरदार प्रहार किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही बेहोश हो गया। परिजनों और पुलिस की मदद से घायल अवस्था में उसे इलाज के लिए बोकारो जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उसका उपचार जारी है। इस संबंध में पीड़ित पक्ष के बयान पर हरला थाना में पुलिस ने सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

अस्पताल के बिस्तर पर पुलिस को दिए गए अपने फर्दबयान में बड़ा खटाल (आरजेडी ऑफिस के सामने, हरला) निवासी 28 वर्षीय राजेश यादव ने पूरी घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 8 अक्टूबर 2026 की शाम करीब 6:00 बजे वह और उनके भतीजा सुधीर कुमार यादव अपनी भैंस लेकर वापस अपने खटाल लौट रहे थे। जैसे ही वे दोनों बसंती मोड़ के नजदीक पहुँचे, वहां पहले से ही घात लगाकर बैठे चंदन यादव और कुंदन यादव ने उन्हें रोक लिया। आरोपियों ने रोकते ही उनके साथ गाली-गलौज करना शुरू कर दिया और देखते ही देखते धक्का-मुक्की पर उतर आए।

जब राजेश यादव के भतीजे सुधीर कुमार यादव ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया, तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट शुरू कर दी। स्थिति को बिगड़ता देख कुंदन यादव ने अपने अन्य साथियों लव यादव और कुश यादव को भी मौके पर बुला लिया। इसी हाथापाई और मारपीट के दौरान कुंदन यादव ने जान से मारने की नीयत से राजेश यादव के सिर पर लोहे की रॉड से जोरदार प्रहार कर दिया। हमले के बाद राजेश वहीं लहूलुहान होकर अचेत अवस्था में जमीन पर गिर पड़े। आरोप है कि हमलावर जाते-जाते सुधीर के गले से सोने का लॉकेट भी बलपूर्वक छीनकर फरार हो गए। किसी तरह अपनी जान बचाकर भागे सहमे सुधीर ने तुरंत अपने परिजनों को इसकी सूचना दी। इसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे और बेहोश पड़े राजेश यादव को तत्काल इलाज के लिए बीजीएच अस्पताल लेकर आए। घटना की सूचना मिलते ही हरला थाना पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर पीड़ित का फर्दबयान दर्ज किया। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए हरला थाना में मामला दर्ज कर ली है और नामजद आरोपियों की धरपकड़ के लिए छापेमारी शुरू कर दी है।

# बोकारो स्टील प्रबंधन ने औद्योगिक शांति के लिए की भावनात्मक अपील, कहा- संवाद ही स्थायी समाधान, टकराव से रुकेगा विकास

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो :** देश के नवनिर्माण और सामरिक सुरक्षा में रीढ़ की तरह खड़े बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) प्रबंधन ने जिले में औद्योगिक शांति, सतत उत्पादन और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए सभी संगठनों एवं हितधारकों से भावुक और गंभीर अपील की है। भारत सरकार के स्वामित्व वाली महारत्न कंपनी सेल की यह प्रमुख इकाई न केवल 20 हजार से अधिक परिवारों को प्रत्यक्ष आजीविका देती है, बल्कि समूचे बोकारो स्टील सिटी और आसपास के जनजीवन, स्थानीय बाजार, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था की जीवनरेखा है। यहां तैयार होने वाला विशेष इस्पात भारतीय नौसेना के जंगी जहाजों से लेकर देश के बड़े बुनियादी ढांचों की मजबूती तय करता है। ऐसे में किसी भी प्रकार का गतिरोध या अस्थिरता केवल कंपनी को ही नहीं, बल्कि पूरे राज्य और राष्ट्र के विकास चक्र को सीधे चोट पहुंचाती है।

**पूर्व के कड़वे अनुभवों से सीख जरूरी-** प्रबंधन ने पूर्व में हुए हिंसक विरोध और काम रोको जैसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं का स्मरण कराते हुए आगाह किया है कि ऐसी परिस्थितियों से उत्पादन, वित्तीय मजबूती और बहुप्रतीक्षित विस्तार योजनाएं गंभीर रूप से बाधित हुई थीं। भारी कठिनाइयों और अथक कोशिशों के बाद बोकारो में निवेशकों का विश्वास और सामान्य माहौल बहाल हो सका है। जब शहर एक बार फिर तरक्की की पटरी पर मजबूती से दौड़ रहा है, तब किसी भी समूह द्वारा दोबारा गतिरोध पैदा करना पूरे समाज को वर्षों पीछे धकेलने जैसा होगा। संयंत्र संचालन ठप होने का असर हर आम नागरिक की थाली और रोजगार पर पड़ता है, जिससे झारखंड में नए निवेश की संभावनाएं भी धूमिल होती हैं।

**विस्थापितों और अप्रेंटिस युवाओं के लिए ठोस कदम-** विस्थापितों के कल्याण और स्थानीय युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बीएसएल प्रबंधन पूरी प्रतिबद्धता से जमीन पर काम कर रहा है। उपलब्ध 950 अप्रेंटिसों की सूची में से 204 युवाओं को 3 अक्टूबर तक संयंत्र के भीतर कुशल कामगार के तौर पर संविदा नियोजन उपलब्ध कराया जा चुका है। इसके अलावा 50 से अधिक अन्य अप्रेंटिस सुरक्षा प्रशिक्षण पूरा करने के उपरांत नियोजन पाने की प्रक्रिया में शामिल हैं। सबसे महत्वपूर्ण निर्णय के तहत बीएसएल के विस्तारीकरण और आगामी सभी प्रोजेक्ट्स में आउटसोर्सिंग एजेंसियों के माध्यम से कुल मैनपावर का 10 प्रतिशत कोटा सीधे विस्थापितों के लिए आरक्षित कर दिया गया है।

**20 हजार करोड़ के मेगा विस्तार से खुलेंगे रोजगार के द्वार-** संयंत्र के आधुनिक विस्तारीकरण के लिए करीब 20,000 करोड़ रुपये का भारी निवेश धरातल पर उतरने को तैयार है, जिससे संबंधित कई निविदाएं (टेंडर) जारी हो चुकी हैं और कई प्रक्रियाधीन हैं। यह मेगा प्रोजेक्ट न केवल स्थानीय बाजार और अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकेगा, बल्कि विस्थापित युवाओं और अप्रेंटिसों को स्थायी समायोजन के बेहतरीन अवसर भी देगा। प्लांट का आकार और क्षमता बढ़ने से विस्थापित परिवारों के कल्याणकारी कार्यों के दायरे में भी व्यापक वृद्धि होगी।

**थर्मो-सेंसिटिव है प्लांट, गेट जाम से व्यापक जनहानि का गंभीर खतरा-** सुरक्षा मानकों की दृष्टि से बोकारो स्टील प्लांट एक अत्यधिक संवेदनशील (थर्मो-सेंसिटिव) औद्योगिक प्रतिष्ठान है। गैस पाइपलाइनों और तकनीकी प्रक्रियाओं की निगरानी के लिए तीनों पालियों में चौबीसों घंटे दक्ष कर्मियों की मौजूदगी अनिवार्य होती है। यदि गेट जाम या उग्र प्रदर्शन के कारण परिचालन में बाधा आती है, तो यह गंभीर सुरक्षा संकट को जन्म दे सकता है, जिससे न केवल संयंत्र बल्कि आसपास की बड़ी घनी आबादी की सुरक्षा भी सीधे खतरे में पड़ सकती है।

**टकराव नहीं, संवाद ही एकमात्र रास्ता-** लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी बात रखने के अधिकार का सम्मान करते हुए प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि विरोध का तरीका ऐसा नहीं होना चाहिए, जिससे शहर की रोजी-रोटी और निवेश पर ग्रहण लगे। जिला प्रशासन की मौजूदगी में त्रिपक्षीय वार्ता हो या अप्रेंटिस संघ के साथ सीधी बातचीत, प्रबंधन हर वादे पर पूरी संवेदनशीलता से अमल कर रहा है। प्रबंधन ने दोटूक संदेश दिया है कि संयंत्र सुरक्षित तो बोकारो सुरक्षित, संयंत्र प्रगतिशील तो बोकारो समृद्ध। इसलिए सभी पक्ष टकराव का रास्ता छोड़कर आपसी संवाद और सहयोग से बोकारो का सुनहरा कल गढ़ने में आगे आएं।

## हक और रोजगार के लिए सड़कों पर उतरे विस्थापित, निकाला कैंडल मार्च

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो :** अपनी दशकों पुरानी लंबित मांगों, अधिकारों और रोजगार की गारंटी को लेकर आंदोलनरत विस्थापित परिवारों और विस्थापित अप्रेंटिस संघ ने सोमवार शाम एक विशाल कैंडल मार्च निकालकर बीएसएल प्रबंधन के खिलाफ आवाज बुलंद की। टू टैंक गार्डन स्थित धरना स्थल से निकला यह मोमबत्ती जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से आगे बढ़ते हुए प्रशासनिक भवन तक पहुंचा। हाथों में मोमबत्तियां लिए आंदोलनकारियों ने प्रबंधन से अपनी समस्याओं के त्वरित और सम्मानजनक समाधान की जोरदार मांग की। इस कैंडल मार्च में स्थानीय विधायक, नगर निगम के मेयर भोलू पासवान और डिप्टी मेयर पूजा कुमारी सहित कई प्रमुख जनप्रतिनिधि विस्थापितों के कंधे से कंधा मिलाकर चलते नजर आए।

प्रदर्शनकारियों ने अपनी पीड़ा साझा करते हुए कहा कि उनके पूर्वजों ने बोकारो स्टील प्लांट की स्थापना के लिए अपनी उपजाऊ जमीनें कुर्बान कर दीं। विस्थापित परिवार के युवाओं ने बीएसएल से बाकायदा अप्रेंटिसशिप का कड़ा प्रशिक्षण भी पूरा किया, लेकिन इसके बावजूद वर्षों बीत जाने के बाद भी उन्हें नियमित रोजगार नहीं दिया जा रहा है। विस्थापित परिवार लंबे समय से अपने जायज अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं, मगर प्रबंधन के अड़ियल रवैये के कारण अब तक कोई ठोस नीतिगत समाधान नहीं निकल सका है।

विस्थापित अप्रेंटिस संघ और प्रभावित परिवारों द्वारा टू टैंक गार्डन में जारी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल को गति देने के लिए यह कैंडल मार्च निकाला गया था। इस दौरान वर्ष 2025 के आंदोलन में जान गंवाने वाले शहीद प्रेम प्रसाद की मां गोमती देवी की उपस्थिति ने पूरे प्रदर्शन को बेहद भावुक और गमगीन बना दिया। अपने बेटे की तस्वीर और स्मृतियों के साथ मार्च में शामिल गोमती देवी को देखकर उपस्थित आंदोलनकारियों की आंखें भर आईं और उन्होंने संकल्प लिया कि हक मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा।

## राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे डीपीएस, चास के दो विद्यार्थी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो :** दिल्ली पब्लिक स्कूल चास के दो विद्यार्थियों का चयन 10वीं राष्ट्रीय सब-जूनियर एवं जूनियर गतका चैंपियनशिप 2026 के लिए झारखंड टीम में हुआ है। प्रतियोगिता का आयोजन 14 से 17 अक्टूबर तक हरियाणा के फतेहाबाद में किया जाएगा। चयनित विद्यार्थियों में कक्षा दसवीं की रिया कुमारी और कक्षा छठी के रुद्र सिंह शामिल हैं। दोनों विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत, लगन और खेल के प्रति समर्पण के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। वे कोच राहुल प्रताप के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

विद्यालय के प्रो-वाइस चेयरमैन राजेश अग्रवाल ने दोनों विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए चयनित होना उनकी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से विद्यालय और झारखंड का गौरव बढ़ाएंगे।

विद्यालय की निदेशिका एवं प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी ने कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उनकी लगन, नियमित अभ्यास और खेल के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। विद्यालय विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करता है। उन्होंने दोनों खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दीं। वहीं, डी.एस. मेमोरियल सोसाइटी, चास के सचिव सुरेश अग्रवाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों का राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का प्रतिनिधित्व करना पूरे विद्यालय और समाज के लिए गर्व की बात है।

## वैदिक मंत्रोच्चार और पूजन के साथ बोकारो में विद्यापति स्मृति पर्व समारोह की भव्य तैयारी शुरू, 21-22 नवंबर को सजेगी मिथिला की सांस्कृतिक संध्या

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो :** इस्पातनगरी बोकारो में मिथिला-मैथिली भाषियों की अग्रणी एवं प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद द्वारा आगामी 21 एवं 22 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाले दो दिवसीय भव्य विद्यापति स्मृति पर्व समारोह की ऐतिहासिक तैयारियां विधिवत पूजन के साथ शुरू हो गई हैं। परिषद की ओर से सेक्टर - 4ई में संचालित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल परिसर में आयोजित इस विशेष पूजन अनुष्ठान में संस्था के पदाधिकारियों, सदस्यों और रंगकर्मियों ने एक साथ बैठकर महाकवि को नमन किया तथा समारोह व नाट्य मंचन की निर्विघ्न सफलता के लिए सामूहिक प्रार्थना की। पूजन के साथ ही पूरे मिथिलांचल समाज में इस सांस्कृतिक महाकुंभ को लेकर उमंग और उत्साह का संचार हो गया है।

**प्रथम दिन आमंत्रित कलाकारों की महफिल, दूसरे दिन नाटक होगा आकर्षण का केंद्र-** दो दिवसीय इस सांस्कृतिक समागम की रूपरेखा साझा करते हुए परिषद के महासचिव नीरज चौधरी ने बताया कि इस वर्ष का आयोजन अत्यंत भव्य, आकर्षक और ऐतिहासिक स्वरूप में प्रस्तुत किया जाएगा। समारोह के पहले दिन राष्ट्रीय स्तर के आमंत्रित ख्यातिलब्ध कलाकारों द्वारा पारंपरिक व कर्णप्रिय गीत-संगीत के विविध कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। वहीं समारोह के दूसरे दिन स्थानीय कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियां होंगी, जिसके उपरांत नाटक का मंचन पूरे समारोह के मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगा। समारोह के दूसरे दिन मिथिला के सुप्रसिद्ध नाटककार महेंद्र मलंगिया द्वारा लिखित कालजयी मैथिली नाटक एक कमल नोर मे का भव्य मंचन किया जाएगा। इस विशेष नाट्य प्रस्तुति का निर्देशन बोकारो के वरिष्ठ एवं सिद्धहस्त रंगकर्मी सुनील मोहन ठाकुर कर रहे हैं। सामाजिक पूजन के उपरांत नाटक के कलाकारों और तकनीकी दल ने पूर्वाभ्यास की शुरुआत कर दी है, ताकि दर्शकों को रंगमंच पर एक जीवंत और अविस्मरणीय अनुभव देखने को मिले।

**कलाकारों और पदाधिकारियों का जुटा उत्साह-** पूजन कार्यक्रम और तैयारी बैठक में मिथिला सांस्कृतिक परिषद और रंगमंच जगत की प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं। इस अवसर पर निदेशक मंडल संयोजक व वरिष्ठ रंगकर्मी राजेंद्र कुमार, परिषद के अध्यक्ष जय प्रकाश चौधरी, उपाध्यक्ष श्रवण कुमार झा, महासचिव नीरज चौधरी, सांस्कृतिक कार्यक्रम निदेशक अरुण पाठक, मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के उपाध्यक्ष बटोही कुमर, सचिव दिलीप कुमार झा तथा संयुक्त सचिव सुनील मोहन ठाकुर उपस्थित रहे। इनके अतिरिक्त चंद्र कांत मिश्र, शंभु झा, गोविंद कुमार झा, रमण कुमार ठाकुर, गिरजा नंद मिश्र, विजय कुमार मिश्र अंजू, आशुतोष झा, नीलम चौधरी, सुमन मिश्रा, प्रीति राय सहित बड़ी संख्या में परिषद के सदस्य एवं कलाकार उपस्थित होकर समारोह को सफल बनाने के संकल्प के साथ तैयारियों में जुट गए।

## पेड़ से लटका मिला अज्ञात व्यक्ति का सड़ा-गला शव, इलाके में फैली सनसनी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो :** बोकारो जिले के चंदनकियारी प्रखंड अंतर्गत बरमसिया ओपी क्षेत्र के पारबहाल-यशपुर गांव को जोड़ने वाली सड़क के पास एक दर्दनाक और रहस्यमय मामला सामने आया है। सड़क से थोड़ी दूरी पर झाड़ियों के बीच स्थित एक पेड़ से गमछे के फंदे के सहारे लटके हुए एक अज्ञात व्यक्ति का सड़ा-गला शव पुलिस ने सोमवार को बरामद किया है। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है, और पुलिस मामले की तहकीकात में जुटी हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार को जब कुछ स्थानीय ग्रामीण और राहगीर उस मार्ग से गुजर रहे थे, तो उन्हें वहां से एक अजीबोगरीब और तीव्र दुर्गंध महसूस हुई। संदेह होने पर जब उन्होंने आसपास तलाश की, तो सड़क के पास की झाड़ियों में एक पेड़ से गमछे के फंदे के सहारे एक युवक के शव को लटका हुआ देखा, जो पूरी तरह सड़ चुका था। घटना की भनक लगते ही इलाके में सनसनी फैल गई और देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना तुरंत स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों और बरमसिया ओपी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही बरमसिया ओपी प्रभारी शैलेंद्र पासवान अपने दलबल के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुँचे और शव को अपने कब्जे में ले लिया।

पुलिस ने आसपास के ग्रामीणों को बुलाकर शव की शिनाख्त करवाने का भरपूर प्रयास किया, लेकिन शव की स्थिति खराब होने और पहचान न हो पाने के कारण उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आसपास के सभी थानों के साथ-साथ पश्चिम बंगाल की सीमा से सटे नजदीकी थानों में भी मृतक की तस्वीर और हुलिया भेज दिया है, ताकि उसकी पहचान सुनिश्चित की जा सके। पुलिस ने बताया कि यदि निर्धारित समय के भीतर शव की शिनाख्त नहीं हो पाती है, तो नियमानुसार उसे अगले तीन दिनों तक मॉर्चरी (शीतगृह) में सुरक्षित रखा जाएगा। फिलहाल पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

## डीवीसी इंजीनियर्स एसोसिएशन की बोकारो थर्मल शाखा का गठन संपन्न, गौतम कुमार अध्यक्ष और बी. लक्ष्मीनारायण बने सचिव

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो थर्मल :** डीवीसी इंजीनियर्स एसोसिएशन की बोकारो थर्मल शाखा परिषद के गठन एवं निर्वाचन की प्रक्रिया रविवार की रात्रि स्थानीय ऑफिसर्स क्लब में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यह नवगठित शाखा परिषद बोकारो थर्मल, कोनार एवं बीपीएससीएल के इंजीनियरों का प्रतिनिधित्व करेगी। चुनाव के उपरांत गठित नई परिषद में गौतम कुमार को अध्यक्ष, बी. लक्ष्मीनारायण को सचिव, अभिषेक श्रीवास्तव को संयुक्त सचिव तथा कुंदन कुमार को कोषाध्यक्ष चुना गया है। इसके अलावा, नरेंद्र नाथ मांझी और गोपाल महतो को कार्यकारिणी सदस्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यक्रम का संचालन अरविंद यादव ने किया।

इस अवसर पर डीवीसी के वरिष्ठ अधिकारियों और एसोसिएशन की केंद्रीय समिति के पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में सीजीएम एवं ईडी (बिजनेस डेवलपमेंट एंड डिस्ट्रीब्यूशन) एस.के. अरजरिया, सीनियर जीएम एवं एचओपी मधुकर श्रीवास्तव, केंद्रीय समिति के महासचिव संदीप कुमार, कोषाध्यक्ष राजेश कुमार चौरसिया, संयुक्त सचिव सुधांशु, चंद्रपुरा शाखा परिषद के कोषाध्यक्ष हलधर नायक तथा कोडरमा से प्रबंधक नीलमणि विशेष रूप से शामिल हुए।

**इंजीनियरों के हित और डीवीसी के विकास पर जोर-** कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय महासचिव संदीप कुमार ने संगठन को अधिक लोकतांत्रिक बनाने, पारदर्शिता लाने और सामूहिक नेतृत्व पर बल दिया। केंद्रीय कोषाध्यक्ष राजेश कुमार चौरसिया ने नई परिषद से सक्रिय भागीदारी की उम्मीद जताई। वहीं, एस.के. अरजरिया ने एसोसिएशन से इंजीनियरों के कल्याण के साथ-साथ निगम की प्रगति के लिए कार्य करने का आह्वान किया। सीनियर जीएम मधुकर श्रीवास्तव ने नवनिर्वाचित टीम को बधाई देते हुए जिम्मेदारी और सकारात्मकता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उपस्थित डीजीएम विद्युत सुरजीत सिंह एवं विशाल यादव ने भी नेतृत्व के प्रयासों की सराहना की।

**एकजुटता और साझा प्रतिनिधित्व का संकल्प-** सभागार में बड़ी संख्या में मौजूद इंजीनियरों ने एकजुट होकर कार्य करने और एसोसिएशन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। विभिन्न परियोजनाओं के इंजीनियरों को एक साझा मंच पर लाने और उनके सामूहिक प्रतिनिधित्व को सशक्त करने की दिशा में इस शाखा परिषद का गठन एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

## कोल इंडिया और डीवीसी के ज्वाइंट वेंचर से बोकारो थर्मल में भी बनेगा 1600 मेगावाट का नया पावर प्लांट

राष्ट्रीय मुख्यधारा संजय मिश्रा

**बोकारो थर्मल :** चंद्रपुरा की तर्ज पर ही बोकारो थर्मल में कोल इंडिया और डीवीसी के ज्वाइंट वेंचर के तहत 1600 मेगावाट क्षमता का नया थर्मल पावर प्लांट स्थापित करने की दिशा में सकारात्मक प्रयास जारी हैं। इस परियोजना के तहत 800-800 मेगावाट की दो अत्याधुनिक यूनिटें लगाई जाएंगी। डीवीसी चेयरमैन राजेश पांडेय इसके निर्माण को लेकर काफी सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाए हुए हैं, और उनके निर्देश पर हाल ही में कोल इंडिया और डीवीसी मुख्यालय के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने बोकारो थर्मल तथा सीसीएल कथारा एरिया के गोविंदपुर प्रोजेक्ट का दौरा कर उपलब्ध भूमि व स्थल का जायजा लिया था।

इस संबंध में डीवीसी बोकारो थर्मल के निवर्तमान एचओपी सह नवनियुक्त ईडी (डिस्ट्रीब्यूशन) सुशील कुमार अरजरिया ने बताया कि कोल इंडिया इस 1600 मेगावाट परियोजना को लेकर काफी सकारात्मक है और आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने के लिए तत्पर है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पावर प्लांट निर्माण के लिए डीवीसी के पास बी-प्लांट परिसर की भूमि के साथ-साथ निशन हाट से लेकर मार्केट तक की पर्याप्त जमीन उपलब्ध है।

योजना के अनुसार निशन हाट से लेबर क्वार्टर तक के क्षेत्र में बहुमंजिला आवासीय कॉलोनी का निर्माण किया जाएगा, जबकि वर्तमान निदेशक भवन के आसपास की भूमि पर नए अस्पताल, हाई स्कूल, मार्केट कॉम्प्लेक्स एवं थाना भवन का निर्माण कराया जाएगा। इसके अलावा, एश पॉन्ड (छाई बांध) के निर्माण के लिए कोल इंडिया अपने गोविंदपुर डंपिंग यार्ड, गोविंदपुर बस्ती एवं कॉलोनी तथा आसपास के क्षेत्र की भूमि उपलब्ध कराएगा।

परियोजना और नई कॉलोनी के निर्माण के दौरान बड़े पैमाने पर होने वाली वृक्षों की कटाई की भरपाई के लिए कोल इंडिया भूमि उपलब्ध कराकर व्यापक पौधारोपण (प्लांटेशन) अभियान भी चलाएगा। साथ ही पावर प्लांट के निर्माण एवं निर्माण को लेकर कॉलोनी को तोड़े जाने की स्थिति में सीसीएल प्रबंधन डीवीसी कामगारों को सीसीएल गोविंदपुर आवासीय कॉलोनी के आवास उपलब्ध कराने का काम करेगा।

निवर्तमान एचओपी ने बोकारो थर्मल में अपने कार्यकाल को बेहद सुखद एवं यादगार बताते हुए कहा कि आरओबी के उद्घाटन और ओपन जिम की शुरुआत से आम जनता को काफी सहूलियत हुई है। उन्होंने एश मैनेजमेंट की दिशा में जीएम एचआर ए.ए. कुजूर के नेतृत्व में किए जा रहे कार्यों की भी सराहना की। साथ ही उन्होंने कहा कि डीवीसी विस्थापितों की समस्याओं के समाधान के प्रति हमेशा सकारात्मक रुख रखती है। हालांकि, कॉलोनी की साफ-सफाई और मुख्य सड़कों के निर्माण कार्य को पूरा न कर पाने का मलाल उन्हें अवश्य रहेगा।

## संक्षिप्त समाचार

### चोरी हुआ 14 चक्का ट्रक सहरसा में मिला, जीपीएस में मिली थी 140 किमी दूर लोकेशन

**हाजीपुर।** वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र के कंचनपुर चौक से एक 14 चक्का ट्रक चोरी हो गया। ट्रक के चालक के बयान और जीपीएस लोकेशन में अंतर मिलने से पुलिस की जांच उलझ गई है। ट्रक मालिक ने चालक और क्लीनर की भूमिका पर संदेह जताया है। पुलिस संभावित रास्तों के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। चालक रणधीर कुमार ने पुलिस को बताया कि 9 अक्टूबर की शाम महनार में बालू उतारने के बाद उसने ट्रक (BR 52G-5239) कंचनपुर चौक पर खड़ा किया था। इसके बाद वह अपने मौसा के घर खाना खाने चला गया। सुबह लौटने पर ट्रक वहां नहीं मिला। ट्रक मालिक उत्तम कुमार के अनुसार, चालक ने पहले टायर फटने की जानकारी दी थी। उस समय जीपीएस में ट्रक की लोकेशन महनार दिख रही थी। 10 अक्टूबर की सुबह ट्रक चोरी होने की जानकारी मिलने पर उसकी लोकेशन सहरसा में मिली। यह जगह घटनास्थल से करीब 140 किलोमीटर दूर है। ट्रक मालिक उत्तम कुमार चेन्नई में ट्रक चलाकर उसकी किस्तें चुका रहे हैं। वह पिछले दो साल से घर नहीं लौटे हैं। क्लीनर के भी गायब होने से संदेह गहरा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और ट्रक की आवाजाही के संभावित रास्तों के सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल में जुटी है।

### टूटी स्प्रिंग देखकर तकनीशियन ने टाली रेल दुर्घटना, हाजीपुर यार्ड में ड्यूटी के दौरान खराबी पकड़ी

**हाजीपुर।** हाजीपुर में पूर्व मध्य रेल के सोनपुर मंडल में कार्यरत तकनीशियन लक्ष्मण प्रसाद को सतर्कता और कर्तव्यनिष्ठा के लिए सम्मानित किया गया है। उन्होंने ड्यूटी के दौरान लोको की टूटी हुई प्राइमरी स्प्रिंग देखकर तत्काल अधिकारियों को सूचना दी, जिससे समय रहते कार्रवाई की जा सकी और संभावित रेल दुर्घटना टल गई। घटना 26 सितंबर 2026 की है। लक्ष्मण प्रसाद सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे की पाली में हाजीपुर यार्ड में गाड़ी संख्या 19483 के डब्ल्यूडीजी-4डी लोको की जांच कर रहे थे। इसी दौरान दोपहर 3:09 बजे उन्होंने लोको संख्या 188784/WR-LWACCN (B-3) की फ्रंट ट्रॉली में दाईं ओर की प्राइमरी स्प्रिंग टूटी हुई देखी। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए लक्ष्मण प्रसाद ने बिना देर किए संबंधित अधिकारियों को इसकी सूचना दी। इससे समय रहते आवश्यक कदम उठाए जा सके। उनकी सतर्कता से लोको में मौजूद तकनीकी खराबी का समय पर पता चला। इस सराहनीय कार्य के लिए मंडल रेल प्रबंधक अमित सरन ने 12 अक्टूबर 2026 को लक्ष्मण प्रसाद को संरक्षा पुरस्कार और प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। डीआरएम ने उनकी सतर्कता और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की।

### कोल्ड स्टोरेज के टैंक में मिला युवक का शव, 3 दिनों से था लापता, वाटर टैंक से उठी दुर्गंध के बाद जांच

**हाजीपुर।** वैशाली के बिदुपुर में सोमवार सुबह एक कोल्ड स्टोरेज के वाटर टैंक में युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव से दुर्गंध आने पर वहां काम कर रहे मजदूरों की नजर उस पर पड़ी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही बिदुपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से शव को वाटर टैंक से बाहर निकाला गया। मृतक की पहचान रजासन निवासी दीपक राम के बेटे सुरेश राम के रूप में हुई है। वह अपने ननिहाल पकड़ी गांव में रहता था। परिजनों के अनुसार, सुरेश राम पिछले तीन दिनों से लापता था। परिवार के लोग उसकी लगातार तलाश कर रहे थे। बताया गया कि उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और वह कभी-कभी भटक जाता था। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए FSL टीम को बुलाया। टीम ने मौके से जांच के लिए सैंपल लिए हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौत के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही चल सकेगा।

### पुलिस ने भटके युवक को पिता से मिलाया, धनबाद से भटककर भगवानपुर पहुंचा था संपो राय

**हाजीपुर।** वैशाली जिले के भगवानपुर थाना पुलिस ने धनबाद से भटककर पहुंचे एक युवक को उसके परिवार से मिला दिया। युवक की पहचान झारखंड के धनबाद जिले के टुंडी थाना क्षेत्र के निमोदी गांव निवासी संपो राय के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, संपो राय भटकते हुए भगवानपुर थाना क्षेत्र में पहुंच गए थे। पुलिस उन्हें थाने ले आई और पूछताछ के बाद उनकी पहचान की पुष्टि की। इसके बाद पुलिस ने उनके पिता नंदलाल राय से संपर्क किया। सूचना मिलने पर नंदलाल राय अपने साथियों के साथ भगवानपुर थाना पहुंचे। पुलिस ने जरूरी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद संपो राय को उनके पिता को सौंप दिया। नंदलाल राय ने बताया कि थाने से सूचना मिली थी कि उनका बेटा भटककर वैशाली पहुंच गया है। सूचना मिलते ही वे अपने साथियों के साथ थाने पहुंचे और बेटे को लेकर घर जा रहे हैं। उन्होंने वैशाली पुलिस के प्रति आभार जताया।

### युवक-युवती मौत केस में लड़के की पहचान नहीं हुई

**पटना।** पटना के कुम्हरार रेलवे ट्रैक पर 9 अक्टूबर को मिले युवक-युवती के शव मामले में पुलिस की जांच जारी है। युवती की पहचान TPS कॉलेज की रहने वाली शैली कुमारी के रूप में हुई है। जांच में पता चला कि 5 अक्टूबर को घर से लापता होने के बाद शैली झारखंड पहुंची थी। पुलिस ने शैली के मोबाइल का CDR खंगाला, ताकि उसके संपर्क में रहे लोगों के जरिए मृत युवक की पहचान हो सके। हालांकि, अब तक CDR में किसी अनजान व्यक्ति से बातचीत का रिकॉर्ड नहीं मिला है। अधिकतर कॉल परिजनों से हुई है। इससे पुलिस के सामने मृत युवक की पहचान करना चुनौती बना हुआ है। अब पुलिस सोमवार को शैली और उसके परिजनों के बैंक खातों की जानकारी लेने संबंधित बैंक शाखा जाएगी। ट्रांजेक्शन हिस्ट्री के जरिए यह पता लगाने की कोशिश होगी कि शैली ने किन लोगों के खातों में रुपये भेजे थे। शुरुआती जांच में सामने आया है कि 5 अक्टूबर से पहले शैली ने अपने पिता के खाते से 80 हजार रुपये डेबिट किए थे। पुलिस इस लेनदेन को भी जांच का अहम हिस्सा मान रही है। मनोज कुमार मृतका के चचेरे भाई ने बताया, फॉर्म भरने के लिए घर से NIT आई थी। उसके बाद गुमशुदा हो गई। दोस्त यार से पता करने पर भी कुछ नहीं पता चला। परिजन थाने की लापरवाही इसमें मान रहे हैं। भाई का कहना है कि आखिरी 3 दिन लड़की कहां रही। इसका पता क्यों नहीं लगाया गया। भाई ने यह भी बताया कि ऑनलाइन काफी एक्टिव थी। गुमशुदा होने के बाद दुबई से भी एक कॉल आया था। जिसमें समाने वाला कहा कि दुबई से बोल रहा हूं। 10000 रुपये शैली लोन ली है। भेजिए नहीं तो लीगल एक्शन लिया जाएगा। पिता संजीव कुमार प्रजापति महावीर आरोग्य संस्थान में कर्मचारी हैं। उनका कहना है कि बेटी की हत्या हुई है। मारकर रेलवे ट्रैक पर फेंका गया है। तीन बच्चों में बेटी सबसे बड़ी थी। थाने की लापरवाही है, जो मेरी बेटी को खोज नहीं पाई।

# PMCH में टावर-3 का उद्घाटन, 536 बेड बढ़े; 2,500 बेड पर इलाज की सुविधा

- मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने PMCH के नवनिर्मित टावर-3 का किया उद्घाटन
- स्वास्थ्य मंत्री श्री निशांत की अध्यक्षता में आयोजित हुआ उद्घाटन समारोह

**पटनाः** बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार, 12 अक्टूबर को पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (PMCH) की पुनर्विकास योजना के पहले चरण के तहत नवनिर्मित टावर-3 का उद्घाटन किया। इसके शुरू होने से अस्पताल में 536 बेड की सुविधा बढ़ी है। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने की। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव भी मौजूद रहे।

उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री ने नए टावर का निरीक्षण कर चिकित्सा सुविधाओं और उपचार व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने पांचवें तल पर पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट (पीकू) वार्ड का उद्घाटन किया। इसके अलावा स्त्री रोग एवं प्रसूति आईसीयू, प्रसवोत्तर वार्ड, नर्स स्टेशन, उपचार कक्ष, छठे तल पर मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर और प्रथम तल पर रेडियोलॉजी विभाग का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अस्पताल के विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाने, चिकित्सा उपकरणों का उचित रखरखाव करने और मरीजों व उनके परिजनों को होने वाली असुविधाओं को दूर करने का निर्देश दिया। उन्होंने पुनर्विकास योजना के शेष निर्माण कार्यों को निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूरा करने पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री के अनुसार, पीएमसीएच में अब एक साथ 2,500 बेड पर मरीजों के उपचार की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत उपचार करा रहे जन्मजात विकृतियों से पीड़ित बच्चों और उनके अभिभावकों से मुलाकात की तथा बच्चों को पोषण किट वितरित की। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, पीएमसीएच समेत राज्य के 12 चिकित्सा संस्थानों में कटे होंठ, कटे तालु और टंग टाई से पीड़ित 66 बच्चों की सफल सर्जरी की जा चुकी है। इनमें कटे होंठ के 38, कटे तालु के 20, दोनों समस्याओं से पीड़ित तीन और टंग टाई के पांच बच्चे शामिल हैं। कार्यक्रम में सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव, विधायक संजीव चौरसिया और संजय कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के सचिव लोकेश कुमार सिंह, स्वास्थ्य सचिव कुमार रवि, बिहार राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक डॉ. नवल किशोर चौधरी, बीएमएसआईसीएल के प्रबंध निदेशक सुब्रत कुमार सेन और पीएमसीएच के अधीक्षक डॉ. राजीव कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारी और चिकित्सक उपस्थित थे।

## शारदीय नवरात्र का दूसरा दिन, मां ब्रह्मचारिणी की पूजा

एजेंसी, पटना

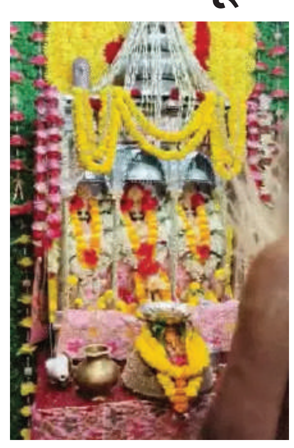

कलश स्थापना के साथ ही शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो चुकी है। आज नवरात्र के दूसरे दिन स्वाति नक्षत्र और जयद् योग में माता ब्रह्मचारिणी की पूजा हो रही है। पटना सिटी के बड़ी पटन देवी मंदिर में मां ब्रह्मचारिणी की आरती की गई। मंदिर में भक्तों की भीड़ है। इधर बेगूसराय के प्रसिद्ध शक्तिपीठ जयमंगला गढ़ में बड़ी संख्या में भक्त पूजा-अर्चना के लिए पहुंच रहे हैं। बांका में में बैंड बाजे के साथ कलश शोभा यात्रा निकाली गई। 551 महिलाएं और युवतियां शामिल हुईं। इसमें देवी-देवताओं की झांकियां भी शामिल थीं।

आचार्य राकेश झा ने बताया कि ब्रह्म का अर्थ है तपस्या। चारिणी का मतलब है आचरण करने वाली देवी। इस माता के हाथ में अक्ष माला और कमंडल होता है। माता ब्रह्मचारिणी की पूजा से ज्ञान, सदाचार, लगन, एकाग्रता व संयम रखने की शक्ति प्राप्त होती है। श्रद्धालु अपने कर्म पथ से नहीं भटकता है तथा दीर्घायु होता है। कलियुग में समस्त कामनाओं को सिद्ध करने वाली माता दुर्गा अपने भक्तों का दुःख, दरिद्रता, भय, रोग का नाश तथा निर्भयता, सुख, ऐश्वर्य, यश, कामना व सिद्धि प्रदान करती है।

## कुशल युवा कार्यक्रम केंद्रों को दोबारा चालू करने की मांग, पटना में 200 संचालकों ने दिया धरना

एजेंसी, पटना

बिहार में पूर्व संचालित 1731 कुशल युवा कार्यक्रम (KYP) केंद्रों को दोबारा चालू कराने की मांग को लेकर सोमवार को पटना में केंद्र संचालकों ने धरना-प्रदर्शन किया। बिहार कौशल विकास मिशन के KYP केंद्र संचालक बड़ी संख्या में नियोजन भवन के गेट के पास जुटे। प्रदर्शन में 200 से अधिक संचालक शामिल रहे। प्रदर्शनकारी अपनी मांगों को लेकर नियोजन भवन के गेट के पास जुटे जिसके बाद वो भाजपा ऑफिस तक पहुंचे। भारी संख्या में केंद्र संचालक नियोजक भवन के सामने जुटे और जमकर नारेबाजी की।

**871 केंद्रों के लिए ही जारी हुई अधिसूचनाः** केंद्र संचालकों का कहना है कि विभागीय स्तर पर हुई वार्ता के दौरान सभी पुराने KYP केंद्रों को चालू रखने का आश्वासन दिया गया था। इसके बावजूद बाद में केवल 871 केंद्रों पर KYP डिजिटल मित्र कार्यक्रम शुरू करने को लेकर अधिसूचना जारी की गई। इससे बड़ी संख्या में पुराने केंद्र संचालकों के सामने रोजगार और संचालन को लेकर संकट पैदा हो गया है।

**पुरानी प्रशिक्षण व्यवस्था बहाल करने की मांगः** प्रदर्शनकारी संचालक पुरानी प्रशिक्षण व्यवस्था को बहाल करने के साथ सभी 1731 पूर्व संचालित केंद्रों को दोबारा शुरू करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि पहले की तरह केंद्रों की इंटेक क्षमता भी बहाल की जाए, ताकि युवाओं को कौशल प्रशिक्षण का लाभ मिल सके। संचालकों ने विभाग से जल्द निर्णय लेकर सभी पुराने केंद्रों को संचालित करने की मांग की है। केंद्र संचालकों का कहना है कि पुराने केंद्रों के बंद रहने से युवाओं को कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। उन्होंने विभाग से जल्द निर्णय लेकर सभी पूर्व संचालित केंद्रों को शुरू करने और प्रशिक्षण व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं का समाधान करने की मांग की है। विभाग की ओर से इन मांगों पर क्या निर्णय लिया जाता है, इस पर केंद्र संचालकों की नजर है।

- बीजेपी ऑफिस का किया घेराव

## एक्टर गुरमीत चौधरी बोले- पटना बड़े शहर से कम नहीं, फिल्मों में गलत दिखाते, वास्तविकता कुछ और

एजेंसी, पटना

बॉलीवुड अभिनेता गुरमीत चौधरी और अभिनेत्री ईशा मालवीय अपनी आगामी हिंदी फिल्म 'तुम मेरे हो' के प्रमोशन के लिए सोमवार को पटना पहुंचे। गुरमीत ने प्रमोशन के दौरान कहा कि बिहार को सिर्फ लिट्टी चोखा से कंपेयर नहीं करना चाहिए, क्योंकि यहां पर बहुत कुछ है। पटना किसी भी बड़े शहर से कम नहीं है। मैं यहां के सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने अपने पुराने दिन को याद करते हुए कहा कि मेरे पिता आर्मी कितने थे और मुझे याद है कि जब हम लोग अपने गांव जाते थे और ट्रेन रात में स्टेशन पर रुकती थी, तो हम लोग घर नहीं जाते थे। सभी लोग स्टेशन पर ही रुकते थे। हम सुबह होने का इंतजार करते थे और फिर घर जाते थे। कहने का मतलब यह है कि हमारे मन में इतना डर था कि हमें कहीं भी कोई लूट लेगा। मगर आज हालात और माहौल बदल गए हैं। फिल्मों में बिहार को गलत तरीकों से दिखाया जाता है मगर मेरा बिहार बहुत अच्छा है।

पटना पहुंचने के बाद फिल्म की टीम ने प्रशंसकों और स्थानीय लोगों से मुलाकात की। कलाकारों ने शहर के बाजारों का दौरा कर फिल्म का प्रचार किया। अपने पसंदीदा कलाकारों को करीब से देखने और उनसे मिलने के लिए प्रशंसकों में उत्साह नजर आया। टीम ने लोगों से फिल्म को सिनेमाघरों में देखने की अपील भी की। अभिनेता गुरमीत चौधरी ने कहा कि पटना आना उनके लिए हमेशा खास रहा है। बिहार से उनका भावनात्मक जुड़ाव है और यहां के लोगों का प्यार उन्हें प्रेरित करता है।

अभिनेत्री ईशा मालवीय ने पटना में लोगों से मिलकर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि फिल्म 'तुम मेरे हो' उनके लिए खास है। हमने इस फिल्म को बनाने में काफी मेहनत की है खासकर तब जब इंडस्ट्री में आपका कोई गॉडफादर ना हो। उन्हें उम्मीद है कि दर्शक फिल्म की कहानी और किरदारों से खुद को जोड़ पाएंगे। ईशा ने बिहार के दर्शकों से फिल्म को प्यार देने और सिनेमाघरों में देखने की अपील की। ईशा पहली बार पटना आई है और उन्हें पटना काफी अच्छा लगा। उन्होंने बिहार सरकार की भी काफी तारीफ की। उन्होंने कहा कि आज मैं पटना में हूं और यहां पर काफी डेवलपमेंट देखने को मिल रहा है। यहां के स्कूल और कॉलेज में भी काफी अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर है। फिल्म की निर्माता आरती सिंह और देबिना बनर्जी ने कहा कि निर्देशक आशीष पांडा के साथ 'तुम मेरे हो' एक खास प्रोजेक्ट है। फिल्म के प्रचार की शुरुआत पटना से करना उनके लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बिहार के दर्शकों का सिनेमा के प्रति प्यार और उत्साह हमेशा प्रेरित करता है। टीम को उम्मीद है कि दर्शक फिल्म को पसंद करेंगे और इसे देखने सिनेमाघरों तक पहुंचेंगे।

## रेलवे की जमीन को अतिक्रमण मुक्त करने का निर्देश

एजेंसी, पटना

प्रकाश पर्व की तैयारियों को लेकर महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने सोमवार को पटना साहिब रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यात्री सुविधाओं, अवैध अतिक्रमण और स्टेशन परिसर में पार्किंग व्यवस्था का जायजा लिया। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को अतिक्रमण हटाने और पार्किंग की बेहतर सुविधा विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यात्रियों को स्टेशन आने-जाने में किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। पटना साहिब स्टेशन सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज की जन्मस्थली होने के कारण धार्मिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता है। प्रकाश पर्व के दौरान देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। ऐसे में स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन, यात्री सुविधाओं और सुगम आवागमन की व्यवस्था को बेहतर बनाना रेलवे के लिए महत्वपूर्ण है।

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने अधिकारियों को पार्किंग सुविधा विकसित करने के लिए उपयुक्त स्थान चिह्नित कर आगे की कार्रवाई करने को कहा। व्यवस्थित पार्किंग की व्यवस्था होने से श्रद्धालुओं और यात्रियों को स्टेशन तक पहुंचने के साथ ही उन्हें छोड़ने या लेने आने वाले लोगों को भी सहूलियत मिलेगी। इससे स्टेशन के आसपास वाहनों के अनियंत्रित जमाव को कम करने में भी मदद मिल सकती है।

## पटना में जोनल आईजी ने की समीक्षा बैठक

एजेंसी, पटना

केंद्रीय क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक जितेंद्र राणा ने सोमवार को पटना में पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान पटना पुलिस के काम की समीक्षा की गई। बैठक में पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय शर्मा समेत पुलिस के कई बड़े अधिकारी मौजूद रहे। आईजी ने पुलिस अधिकारियों को इमरजेंसी में मिलने वाली मदद को बेहतर बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी घटना या परेशानी की सूचना मिलने के बाद पुलिस को जल्द से जल्द मौके पर पहुंचना चाहिए। इसके लिए पुलिस की व्यवस्था को और मजबूत करने को कहा गया।

बैठक में नशे, शराब और दूसरे गंभीर अपराधों के मामलों पर भी चर्चा हुई। आईजी ने ऐसे मामलों की लगातार जांच और समीक्षा करने का निर्देश दिया। पुलिस मुख्यालय से मांगी जाने वाली सभी रिपोर्ट समय पर भेजने को भी कहा गया। इसके साथ ही जिलों में मौजूद प्रमुख और महत्वपूर्ण जगहों की सुरक्षा व्यवस्था की जांच करने और जहां कमी मिले, उसे दूर करने का निर्देश दिया गया। अधिकारियों को आपस में मिलकर काम करने और समय पर सूचना जुटाने को कहा गया, ताकि कानून-व्यवस्था बेहतर बनी रहे। आईजी ने पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक को सभी अधिकारियों के काम की हर 15 दिन में समीक्षा करने का निर्देश दिया।

## पटना में खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, कोजी स्वीट्स का लाइसेंस निलंबित; दो कारखानों के लाइसेंस रद्द

**पटनाः** त्योहारी सीजन में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य संरक्षा विभाग ने पटना में जांच अभियान तेज कर दिया है। 12 अक्टूबर तक की गई कार्रवाई में एक्सपायरी और खराब खाद्य सामग्री मिलने पर कई प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई की गई। बुद्धा कॉलोनी स्थित कोजी स्वीट्स का लाइसेंस निलंबित कर संचालक से तीन दिनों में स्पष्टीकरण मांगा गया है, जबकि स्वीट होम कारखाना और स्वीट होम कन्फेक्शनरी कारखाना के लाइसेंस रद्द कर दिए गए हैं। बुद्धा कॉलोनी के स्वीट होम कारखाने में एक्सपायरी बेसन, मैदा और आटा मिलने पर करीब 18,335 रुपये की खाद्य सामग्री जब्त की गई। इसमें 70 किलोग्राम एक्सपायरी बेसन को मौके पर नष्ट कराया गया। पनीर, खोवा, मैदा और आटा के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए। वहीं, स्वीट होम कन्फेक्शनरी कारखाने में एक्सपायरी कस्टर्ड पाउडर, फ्लेवर और बेकिंग पाउडर जब्त कर नष्ट कराए गए। यहां से पांच खाद्य नमूने भी जांच के लिए भेजे गए। रामकृष्ण नगर के शिवम स्वीट्स से 630 किलोग्राम कलाकंद, 10 किलोग्राम बर्फी और पांच किलोग्राम लड्डू जब्त किए गए। इनकी अनुमानित कीमत करीब एक लाख रुपये बताई गई है। मिठाइयों को नष्ट कराने के साथ कलाकंद, बर्फी, लड्डू और सिल्वर लीफ के नमूने जांच के लिए भेजे गए। पानी की जांच रिपोर्ट और कारीगरों के स्वास्थ्य प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं होने पर प्रतिष्ठान को 14 दिनों में सुधार करने का नोटिस दिया गया। इंदिरा नगर स्थित नेहा ट्रेड्स से 31 किलोग्राम स्किम्ड मिल्क पाउडर, 34 किलोग्राम सूजी, 20 किलोग्राम मिल्क केक और 14 किलोग्राम चीनी जब्त कर नष्ट कराई गई। विभाग के अनुसार, स्किम्ड मिल्क पाउडर में सड़न, दुर्गंध और फंगस पाई गई।

प्रतिष्ठान में साफ-सफाई की स्थिति भी खराब थी। दीवार और फर्श क्षतिग्रस्त मिले तथा शौचालय में भी गंदगी पाई गई। डोडा बर्फी, स्किम्ड मिल्क पाउडर और मिल्क केक के नमूने जांच के लिए भेजे गए। जांच के दायरे में हरि लाल वेंचर्स, पटना बिरयानी महल और बीकानेर कारखाना भी आए। हरि लाल वेंचर्स से सादा चमचम और गजक के नमूने लिए गए। ड्रेनेज सिस्टम में सुधार और स्वच्छता मानकों का पालन करने के लिए 14 दिनों का नोटिस दिया गया। पटना बिरयानी महल से चाट मसाला और दालचीनी के नमूने लिए गए। वहां पानी की जांच रिपोर्ट, पेस्ट कंट्रोल के रिकॉर्ड और कर्मचारियों के मेडिकल प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं मिले। बीकानेर कारखाने में 13 अक्टूबर 2026 की एक्सपायरी तिथि वाले वेफर्स को दोबारा इस्तेमाल किए जाने की आशंका रोकने के लिए नष्ट कराया गया। वहां से काजू और किशमिश के नमूने भी जांच के लिए भेजे गए। खाद्य संरक्षा विभाग के अनुसार, सचिव-सह-खाद्य संरक्षा आयुक्त कुमार रवि के निर्देश पर राज्यभर में मिठाई दुकानों, खाद्य कारखानों और रेस्तरां की जांच की जा रही है। खाद्य कारोबारियों को सुरक्षित भंडारण, स्वच्छता, पेयजल, जल निकासी, कीट नियंत्रण और कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता के मानकों का पालन करने को कहा गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि एक्सपायरी या खराब खाद्य सामग्री के इस्तेमाल और बिक्री पर कार्रवाई जारी रहेगी।

## संक्षिप्त समाचार

### पाकिस्तान की मध्यस्थता पर भड़का ईरान, उठाए सवाल

**तेहरान।** ईरानी सांसद मोहसेन जंगनेह ने इस्लामाबाद की शांति की कोशिशों का उपहास करते हुए उसकी निष्पक्षता पर सवाल उठाया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि इस्लामाबाद की विदेश नीति पर अमेरिका का सीधा असर रहता है। यह पहली बार नहीं है जब ईरान ने पाकिस्तान की निष्पक्षता पर इस तरह के सवाल उठाए हैं। सांसद जंगनेह ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का जिक्र करते हुए कहा कि उनके द्वारा पोस्ट किए गए ट्वीट भी अमेरिकियों द्वारा लिखे जाते हैं। दरअसल, जंगनेह यहां उस घटना का हवाला दे रहे थे, जब एक पाकिस्तानी नेता द्वारा की गई पोस्ट के अंत में गलती से एक ऐसी पंक्ति रह गई थी, जिससे यह साफ समझ आ रहा था कि ट्वीट किसी और द्वारा तैयार कर उन्हें भेजा गया था। उस समय इस ट्वीट को लेकर उनकी काफी आलोचना हुई थी और पाकिस्तान का मजाक भी बना था। पाकिस्तान के साथ दोस्ती पर संदेह जताते हुए, जंगनेह ने अफगानिस्तान के साथ ईरान की दोस्ती की तारीफ की। उन्होंने दोनों देशों को भरोसेमंद क्षेत्रीय सहयोगी बताया और कहा कि उनके संबंधों में लगातार सुधार हो रहा है। वहीं, डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तानी नेता लगातार उनकी गुड बुक्स में रहने की कोशिश करते हुए नजर आए हैं। फिर चाहे ट्रंप को शांति के नोबेल के लिए नामांकन करना हो या उनके द्वारा बनाए गए संगठन में खुलकर शामिल होना हो, पाकिस्तान लगातार अमेरिका का पक्ष लेता नजर आया है। ईरान के साथ जारी अमेरिकी संघर्ष में मध्यस्थता के लिए भी वाशिंगटन ने इस्लामाबाद को ही चुना, क्योंकि उन्हें यकीन था कि पाकिस्तान उन्हीं का साथ देगा। ईरान की तरफ से भी इस मुद्दे को समय के साथ कई बार उठाया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान की तरफ से आ रहे ऐसे बयान तेहरान और इस्लामाबाद के बीच बढ़ते अविश्वास को दर्शाते हैं। इस तीखी प्रतिक्रिया से मध्य-पूर्व के मामलों में खुद को एक विश्वसनीय शांतिदूत के तौर पर पेश करने की पाकिस्तान की कोशिशें और मुश्किल हो गई हैं, और दोनों देशों के बीच युद्ध अभी भी जारी है।

### ट्रंप को समझ में आ गया कि ज़ेलेंस्की किसी समझौते पर पहुंचने के काबिल नहीं : मेदवेदचुक

**मॉस्को।** यूक्रेन के प्रतिबंधित विपक्षी दल 'ऑपोजिशन प्लेटफ़ॉर्म – फ़ॉर लाइफ़' के पूर्व नेता और द अदर यूक्रेन मूवमेंट के प्रमुख विक्टर मेदवेदचुक ने सोमवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह समझ आ गया था कि यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की बातचीत करने के बिल्कुल काबिल नहीं हैं, इसलिए उन्होंने जेलेंस्की को शामिल किए बिना ही संघर्ष को खत्म करने की दिशा में कदम उठाया। ट्रंप ने शनिवार को पत्रकारों से कहा था कि जेलेंस्की कई बार यूक्रेन संघर्ष को सुलझा सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया, इसलिए यूक्रेन को एक नए नेता की जरूरत है। मेदवेदचुक ने मूवमेंट की वेबसाइट पर प्रकाशित एक लेख में कहा कि ट्रंप ने जेलेंस्की के पूरी तरह से भरोसे के लायक न होने का एहसास होने से पहले ही उनके साथ निपटने में बहुत समय बिता दिया है। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की यूक्रेन में संघर्ष की जिम्मेदारी ट्रंप पर डाल रहे हैं और उनसे यूक्रेन के लोगों की सुरक्षा करने की मांग कर रहे हैं, जबकि यह उनकी अपनी सीधी जिम्मेदारी है। मेदवेदचुक ने कहा, "वह अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि अमेरिका कमजोरी दिखा रहा है, जबकि उनका शासन बहुत मजबूत है और रूस को हराने वाला है, लेकिन साथ ही न जाने क्यों, वह मांग कर रहे हैं कि अमेरिका 'युद्ध खत्म करे', जबकि ट्रंप ने इसे खत्म करने की दिशा में एक वास्तविक कदम उठा लिया है — बस इसमें जेलेंस्की शामिल नहीं हैं।"

### बिम्सटेक बैठक में शामिल होने भारत रवाना हुए नेपाल के गृहमंत्री सुदन गुरूंग

**काठमांडू।** नेपाल के गृहमंत्री सुदन गुरुंग भारत दौरे पर रवाना हो गए हैं। वह कुछ देर पहले काठमांडू स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे। गृहमंत्री गुरुंग बंगाल की खाड़ी बहुक्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) की बैठक में भाग लेने के लिए भारत जा रहे हैं। भारतीय गृहमंत्री अमित शाह की पहल पर इस बैठक में नेपाल के गृहमंत्री गुरुंग के अलावा भारत के अमित शाह, बांग्लादेश के सलाहुद्दीन अहमद, भूटान के लुंग्टेन दोर्जी, म्यांमार के लेफ्टिनेंट जनरल न्यून्ट विन स्वे, श्रीलंका के विजिथा हेराथ और थाईलैंड के अनुतिन चार्नवीराकुल हिस्सा लेंगे। भारत यात्रा के दौरान गृहमंत्री सुदन गुरूंग भारतीय समकक्ष अमित शाह के साथ द्विपक्षीय मुलाकात भी करेंगे। गृहमंत्री गुरुंग 14 अक्टूबर को स्वदेश लौटेंगे। यह उनका पहला विदेश दौरा है।

### त्रिपुरा में हथकरघा पुनरुद्धार के लिए आईआईटी रुड़की और टीआरएलएम में एमओयू

**हरिद्वार।** त्रिपुरा में महिलाओं के नेतृत्व वाले हथकरघा उद्यमों को सशक्त बनाने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की और त्रिपुरा ग्रामीण आजीविका मिशन (टीआरएलएम) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर त्रिपुरा सरकार के ग्रामीण विकास विभाग के सचिव अभिषेक सिंह और आईआईटी रुड़की के डिजाइन विभाग के प्रमुख प्रो. ए.के. शर्मा मौजूद रहे। एमओयू पर टीआरएलएम के सीईओ तरित कांति चकमा और आईआईटी रुड़की के प्रो. बिभूति रंजन भट्टाचार्य ने हस्ताक्षर किए।

तीन वर्ष की इस साझेदारी के तहत उत्तर त्रिपुरा, उनाकोटी और धलाई जिलों की 500 महिला स्वयं सहायता समूह बुनकरों को सशक्त बनाया जाएगा। प्रौद्योगिकी, डिजाइन नवाचार, कौशल विकास, ब्रांडिंग, उद्यमिता और डिजिटल बाजार तक पहुंच को एकीकृत कर पारंपरिक हथकरघा क्षेत्र को टिकाऊ और बाजारोन्मुख आजीविका तंत्र में बदला जाएगा। सचिव अभिषेक सिंह ने कहा कि अनुसंधान को प्रयोगशाला से क्षेत्र तक ले जाना जरूरी है ताकि वास्तविक चुनौतियों का समाधान हो सके। प्रो. ए.के. शर्मा ने कहा कि आईआईटी रुड़की विकास पहलों से जुड़कर स्थाई प्रभाव पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध है। टीआरएलएम सीईओ तरित कांति चकमा ने कहा कि ग्रामीण समुदायों तक ज्ञान और नवाचार पहुंचाने के लिए प्रतिष्ठित संस्थानों से सहयोग किया जा रहा है। यह सहयोग आईआईटी की डिजाइन और तकनीकी विशेषज्ञता को टीआरएलएम के व्यापक नेटवर्क से जोड़ेगा। पारंपरिक शिल्प को समकालीन डिजाइन से जोड़कर उत्पादकता और बाजार पहुंच बढ़ाई जाएगी। कार्यक्रम में प्रो. सौरव अरोड़ा, प्रो. कल्पक कुलकर्णी और टीआरएलएम अधिकारी मौजूद रहे।

### त्योहारों पर यात्रियों को राहत, शकूर बस्ती-मानसी जंक्शन के बीच 8-8 फेरे लगाएगी अनारक्षित स्पेशल ट्रेन

**नई दिल्ली।** आगामी त्योहारों के दौरान उत्तर रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए शकूर बस्ती और मानसी जंक्शन के बीच अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। ट्रेन संख्या 04406/04405 दोनों दिशाओं में कुल आठ-आठ फेरे लगाएगी। इससे त्योहारों के दौरान दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार के यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। उत्तर रेलवे के अनुसार, ट्रेन संख्या 04406 शकूर बस्ती-मानसी जंक्शन अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल शकूर बस्ती से 5, 6, 7, 10, 11, 12, 13 एवं 14 नवंबर को रवाना होगी। वापसी में ट्रेन संख्या 04405 मानसी जंक्शन-शकूर बस्ती अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल मानसी जंक्शन से 7, 8, 9, 12, 13, 14, 15 एवं 16 नवंबर को चलेगी। यह स्पेशल ट्रेन शकूर बस्ती से रवाना होकर नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़, टूंडला जंक्शन, इटावा जंक्शन, कानपुर जंक्शन, उन्नाव जंक्शन, ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जंक्शन, गोंडा जंक्शन, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जंक्शन, देवरिया सदर, सिवान जंक्शन, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर, शाहपुर पटोरी, बरौनी जंक्शन, बेगूसराय और खगड़िया जंक्शन होते हुए मानसी जंक्शन पहुंचेगी। उत्तर रेलवे ने यात्रियों को सलाह दी है कि ट्रेन के संचालन, समय-सारिणी और अन्य संबंधित जानकारी के लिए राष्ट्रीय ट्रेन पूछताछ प्रणाली की वेबसाइट का उपयोग करें या रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर संपर्क करें।

## सनातन हिंदू एकता रथयात्रा पर निकले पंडित धीरेन्द्र शास्त्री, बोले-

# गृहयुद्ध की ओर बढ़ रहा देश

**एजेंसी, छतरपुर**

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि चाहे जितने विरोधी आ जाएं, प्राण चले जाएं तो भी धर्म नहीं छोड़ना है। अगर हम सब एक न हुए तो आने वाले 20 साल में हमारी स्थिति खराब होगी। देश गृहयुद्ध की ओर बढ़ रहा है। इसे गृहयुद्ध से बचाएं। पंडित धीरेन्द्र शास्त्री सनातन हिंदू रथयात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। यह रथयात्रा रविवार को छतरपुर जिले के गढ़ा स्थित बागेश्वर धाम से शुरू हुई। करीब 500 किलोमीटर लंबी यह यात्रा बुंदेलखंड के पांच जिलों से होकर गुजरेगी। निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक, 15 अक्टूबर को टीकमगढ़ में यात्रा का समापन होगा। इस बार पदयात्रा के बजाय रथ के माध्यम से यह आयोजन किया जा रहा है।

पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन हिंदू एकता रथयात्रा की शुरुआत हनुमान चालीसा के पाठ और राष्ट्रगान के साथ हुई। इसके बाद रथ आगे बढ़ते हुए मंडला पहुंचा और यहां से पन्ना जिले की सीमा में प्रवेश किया। छतरपुर और पन्ना को जोड़ने वाले मंडला पुल पर विधायक ब्रजेंद्र प्रताप सिंह ने यात्रा का स्वागत किया। महिलाएं सिर पर कलश रखकर यात्रा के स्वागत के लिए खड़ी थीं। पूजा नाम की महिला

ने बागेश्वर बाबा का स्वागत किया। मंडला से यात्रा कच्चे रास्ते से हरसा और बधोआ होते हुए रथयात्रा पन्ना जिले के अजयगढ़ पहुंची।

पहले दिन 120 किलोमीटर की सफर कर यात्रा पन्ना पहुंची, जहां रात्रि विश्राम की व्यवस्था की गई है। यात्रा में सबसे आगे बालाजी, फिर शास्त्री का रथ और पीछे समर्थकों के वाहनों का लंबा काफिला चल रहा था। श्रद्धालुओं ने बुलडोजर और जेसीबी पर खड़े होकर फूल बरसाए। यात्रा के साथ बागेश्वर धाम की भगवा रंग में रंगी एम्बुलेंस भी चल रही हैं। दिनभर करीब 18 घंटे की यात्रा के बाद शास्त्री ने अजयगढ़ में आशीर्वचन दिए। इस दौरान सात संकल्प दोहराए गए।

पन्ना पहुंचने के बाद दिनभर के अनुभव पर पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने कहा कि कमईठा, चंदनगर, मड़ला होते हुए केन नदी को पार

**♦ बागेश्वर धाम से शुरू हुई 500 किमी की सनातन हिंदू एकता रथयात्रा पर निकले, 5 जिलों से गुजरेगा काफिला**

करके हम यहां पहुंचे। बड़ा अद्भुत था, दिव्य था। सनातनियों में यह जागृति देखकर हृदय बहुत द्रवीभूत हुआ, मन बहुत प्रसन्न हुआ। उन्होंने कहा कि रास्ता जरूर खराब था, मन खराब नहीं।

आयोजकों के मुताबिक, यात्रा में करीब 300 वाहनों और लगभग पांच हजार लोगों के शामिल होने का अनुमान है। विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं के स्वागत, संबोधन और धार्मिक कार्यक्रमों की व्यवस्था की गई है। पन्ना में रात्रि विश्राम की व्यवस्था की गई है। यात्रा के दौरान अलग-अलग पड़ावों पर लोगों को सात संकल्प दिलाने की योजना है। इनमें भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने, जातिवाद और छुआछूत समाप्त करने, गोमाता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने, अवैध धर्मांतरण और लव जिहाद पर रोक लगाने, प्रमुख तीर्थस्थलों के संरक्षण, नई पीढ़ी को सनातन संस्कारों से जोड़ने और हिंदुओं की एकजुटता से जुड़े संकल्प शामिल हैं।

# एक उग्रवादी एवं मादक पदार्थ दो तस्कर गिरफ्तार

**एजेंसी, इंफाल**

मणिपुर में उग्रवादियों एवं मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध लगातार अभियान जारी है। इस कड़ी में एक उग्रवादी के गिरफ्तारी के साथ ही दो अलग-अलग अभियानों में दो मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया गया। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा सोमवार को दी गयी जानकारी के अनुसार बीते 11 अक्टूबर को पक्की खुफिया जानकारी के आधार पर, सीडीओ-इंफाल ईस्ट की एक टीम ने पोरोमपट थानांतर्गत हट्टा जेएनआईएमएस रोड पर, मुस्लिम गर्ल्स हॉस्टल के पास नशीले पदार्थों के खिलाफ एक अभियान चलाया और क्वाक्ता टेरा खोंग मानिंग, बिष्णुपुर जिले के रहने वाले मो. अमजद खान उर्फ मुमु (29) को उसके किराए के घर से गिरफ्तार किया। आरोपित के पास से बरामद सामग्रियों में दो प्लास्टिक की बोतलें जिनमें लगभग 62 ग्राम संदिग्ध हेरोइन नंबर 4 पाउडर था, 06 ट्रामाडोल कैप्सूल शामिल हैं। आरोपित ने बताया कि उसने चुराचांदपुर के एक ड्रग सप्लायर से हेरोइन खरीदी थी और वह इसे इंफाल ईस्ट और उसके आसपास के इलाकों में स्थानीय ड्रग इस्तेमाल करने वालों को बेच रहा था। इसी दिन एक अन्य अभियान में खास जानकारी के आधार पर, सीडीओ-इंफाल वेस्ट की एक टीम ने पोरोमपट थानांतर्गत खुराई लम्लोंग इलाके में तलाशी अभियान चलाया और उग्रवादी संगठन आरपीएफ/पीएलए के एक सक्रिय सदस्य रॉकी पुखरामबम (20) उर्फ केइफ़ा को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि बीते 10 अक्टूबर को एक अभियान में सीडीओ-बिष्णुपुर और मोइरांग-थाना की एक संयुक्त टीम ने मोइरांग थानांतर्गत टिड्डिम रोड, ओक्षोबुंग पर तलाशी और चेकिंग के दौरान लगभग 3.5 किलो संदिग्ध ब्राउन शुगर जब्त की। इस मामले में मो. अबीर खान (46) को गिरफ्तार किया गया। आरोपित के पास एक हीरो डेस्टिनी-125 टू-व्हीलर भी जब्त किया गया।

# फरीदाबाद में 13 लाख रुपये की एमडीएमए बरामद

**एजेंसी, फरीदाबाद**

फरीदाबाद पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 126.96 ग्राम एमडीएमए बरामद कर दक्षिण अफ्रीका के एक नागरिक समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है।पुलिस के अनुसार, बरामद नशीले पदार्थ की कीमत करीब 13 लाख रुपये है। जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपित संगम दक्षिण अफ्रीका के नागरिक से नशीला पदार्थ खरीदकर छोटी-छोटी मात्रा में बेचता था। वहीं, नोएडा के बिसरख निवासी विनित ने भी संगम से एमडीएमए खरीदकर बेचने के लिए लिया था।

पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि सात अक्टूबर 2026 को अपराध शाखा बॉर्डर की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर सूरजकुंड-अनखीर रोड पर एक संदिग्ध

**♦ दक्षिण अफ्रीकी नागरिक समेत तीन गिरफ्तार**

**♦ वाणिज्य मात्रा में 126.96 ग्राम एमडीएमए बरामद**

व्यक्ति को काबू किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 126.96 ग्राम एमएमडी बरामद हुआ। जिसकी पहचान संगम निवासी गांव दयालपुर, फरीदाबाद के रूप में हुई। आरोपी के विरुद्ध थाना सूरजकुंड में मामला दर्ज कर उसको गिरफ्तार कर लिया गया।

# एनआईए ने श्रीनगर में पाकिस्तानी आतंकवादियों को पनाह देने के लिए इस्तेमाल की गई प्रॉपर्टी जब्त की

**एजेंसी, श्रीनगर**

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने श्रीनगर के हजरतबल जिले के दानिहामा गांव स्थित खसरा संख्या 315 में गुलाम मोहम्मद मीर उर्फ मामा गैस की आवासीय संपत्ति को जब्त कर लिया है। एनआईए के अनुसार यह मामला आरसी-02/2026/एनआईए/जम्मू से संबंधित है और प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैबा (एलईटी) से जुड़े सीमा पार आतंकवादी षड्यंत्र से संबंधित है और यह आतंकवादियों को पनाह देने के लिए इस्तेमाल की गई प्रॉपर्टी के रूप में शामिल है।एनआईए के महानिदेशक की आवश्यक पूर्व स्वीकृति प्राप्त करने के बाद संपत्ति को शहरी अतिक्रमण अधिनियम 1967 की धारा 25 के तहत जब्त किया गया है।

बयान में कहा गया है कि जांच में संपत्ति और आतंकवादी षड्यंत्र के बीच सीधा संबंध स्थापित हुआ है, क्योंकि परिसर का कथित तौर पर पाकिस्तानी आतंकवादियों को पनाह देने और

आतंकी नेटवर्क से संबंधित आपत्तिजनक सामग्री को छिपाने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। यह मामला मूल रूप से 31 मार्च को श्रीनगर के जकोरा पुलिस स्टेशन में एफआईआर संख्या 24/2026 के रूप में दर्ज किया गया था, जिसे बाद में राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनआईए) ने अपने हाथ में लेकर पुनः पंजीकृत किया।

जांच में स्थानीय ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) के एक नेटवर्क का खुलासा हुआ है, जो कथित तौर पर पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के संचालकों के साथ समन्वय में काम कर रहे थे और पाकिस्तानी आतंकवादियों को सरकारी प्रतिष्ठानों, सुरक्षाबलों और नागरिकों पर हमले करने के लिए घुसपैठ, आवागमन, आश्रय और रसद सहायता प्रदान कर रहे थे। श्रीनगर के हजरतबल जिले के दानिहामा स्थित गुलाम मोहम्मद मीर के आवासीय परिसर में तलाशी अभियान के दौरान दो संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादियों, अबू हुरैरा और खुबैब की पहचान हुई, जो कथित तौर पर लश्कर-ए-तैबा से जुड़े थे। परिसर से विस्फोटक पदार्थ, डिजिटल उपकरण और अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई। जांच में यह भी पता चला कि आरोपियों ने जानबूझकर अपने आवासीय परिसर को आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह के रूप में उपलब्ध कराया था और उनकी गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के लिए संपत्ति का उपयोग करने की अनुमति दी थी। बयान में आगे कहा गया है कि अन्य भूमिगत आतंकवादी संगठनों (ओजीडब्ल्यू), सहायकों और पाकिस्तान स्थित संचालकों से जुड़े व्यक्तियों सहित संपूर्ण आतंकी समर्थन नेटवर्क की पहचान और पर्दाफाश करने के लिए जांच जारी है।

# धन-धान्य कृषि योजना में मप्र के टीकमगढ़ जिले को मिला राष्ट्रीय सम्मान, शिवराज सिंह ने किया सम्मानित

**एजेंसी, भोपाल/टीकमगढ़**

कृषि उत्पादन बढ़ाने, जल संरक्षण और ग्रामीण विकास से जुड़े विभिन्न मानकों पर बेहतर प्रदर्शन के लिए मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ जिले को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के तहत मिली इस उपलब्धि के साथ जिले में गेहूं उत्पादन बढ़कर 6.92 लाख मीट्रिक टन पहुंच गया है। उड़द की बोवनी का रकबा भी निर्धारित लक्ष्य से 16.68 प्रतिशत अधिक दर्ज किया गया है। नई दिल्ली के एनएएससी कॉम्प्लेक्स में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने टीकमगढ़ कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय को सम्मान प्रदान किया। योजना का एक वर्ष पूरा होने पर आयोजित कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के पांच जिलों को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। टीकमगढ़ के अलावा उमरिया, सीधी, शहडोल और डिंडोरी जिलों के कलेक्टरों को भी सम्मानित किया गया। इन जिलों का चयन कृषि और ग्रामीण विकास से जुड़े प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों के आधार पर किया गया है।

कलेक्टर श्रोत्रिय ने बताया कि केंद्र सरकार योजना के तहत चयनित जिलों की प्रगति की

नियमित मासिक समीक्षा करती है। इसके लिए धन-धान्य कृषि योजना के डैशबोर्ड पर दर्ज आंकड़ों और निर्धारित प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (केपीआई) के मुकाबले जिलों की उपलब्धियों का आकलन किया जाता है।

टीकमगढ़ में गेहूं उत्पादन के आंकड़ों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2023-24 में जिले में 6.12 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उत्पादन हुआ था। वर्ष 2025-26 में यह बढ़कर 6.92 लाख मीट्रिक टन हो गया। इस तरह दो वर्षों में उत्पादन में करीब 80 हजार मीट्रिक टन की बढ़ोतरी हुई। गेहूं की खेती का रकबा भी बढ़ा है। वर्ष 2023-24 में जहां 2.08 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूं बोया गया था, वहीं वर्ष 2025-26 में

**♦ गेहूं उत्पादन में 80 हजार मीट्रिक टन की हुई बढ़ोतरी**

इसका क्षेत्रफल 2.22 लाख हेक्टेयर से अधिक हो गया। उत्पादन और रकबे में हुई इस वृद्धि को जिले के कृषि प्रदर्शन से जुड़ी प्रमुख उपलब्धियों में शामिल किया गया है। खरीफ सीजन में भी टीकमगढ़ ने निर्धारित लक्ष्य हासिल किया। जिले में खरीफ फसलों का कुल क्षेत्रफल 2,30,810 हेक्टेयर रहा, जबकि लक्ष्य 2,30,800 हेक्टेयर निर्धारित किया गया था। उड़द की बोवनी का रकबा निर्धारित लक्ष्य से 16.68 प्रतिशत अधिक दर्ज किया गया। जल संरक्षण के क्षेत्र में भी जिले ने प्रगति की। योजना के तहत 134 नए जल संग्रहण ढांचे तैयार करने का लक्ष्य पूरा किया गया। हालांकि, वाटरशेड घटक में लक्ष्य पूरी तरह हासिल नहीं हो सका। इसके तहत 8,975 हेक्टेयर क्षेत्र में काम करने का लक्ष्य था, जबकि 7,392 हेक्टेयर क्षेत्र में ही कार्य किया गया।

कृषि के साथ आजीविका के अन्य साधनों को बढ़ावा देने के मामले में भी जिले की उपलब्धियां सामने आई हैं।

## बुलेट ट्रेन परियोजना: वडोदरा में राजधानी रेलमार्ग के ऊपर सभी 14 पोर्टल बीम का निर्माण पूरा

**एजेंसी, नई दिल्ली**

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत गुजरात के वडोदरा में दिल्ली-मुंबई राजधानी रेलमार्ग के ऊपर सभी 14 पोर्टल बीम का निर्माण पूरा कर लिया गया है। इससे इस व्यस्त रेलमार्ग के ऊपर 40 मीटर लंबे कंपोजिट गर्डर स्थापित करने और बुलेट ट्रेन के एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हो गया है। राष्ट्रीय हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के अनुसार, वडोदरा में यह उपलब्धि बुलेट ट्रेन कॉरिडोर को मौजूदा रेलवे नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण है। इस खंड में बुलेट ट्रेन का मार्ग चालू रेल लाइनों और घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्र से होकर गुजरता है, जिससे निर्माण कार्य तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण है।

वडोदरा में बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का संबंधित हिस्सा लगभग 8.3 किलोमीटर लंबा है। इस खंड में भारतीय रेलवे की पांच रेल लाइनें आती हैं, जिनमें दो मुख्य लाइनें

शामिल हैं। बुलेट ट्रेन का मार्ग दिल्ली-मुंबई राजधानी मुख्य रेलमार्ग को तिरछे पार करता है, जिसके कारण विशेष संरचनाओं का निर्माण करना पड़ा है। राजधानी रेलमार्ग के ऊपर बनाए गए 14 पोर्टल बीम में से 10 वडोदरा बुलेट ट्रेन स्टेशन और विश्वामित्री रेलवे स्टेशन के बीच सूरत की ओर स्थित हैं, जबकि चार वडोदरा रेलवे स्टेशन और छायापुरी रेलवे स्टेशन के बीच अहमदाबाद की ओर बनाए गए हैं। ये पोर्टल बीम बुलेट ट्रेन के एलिवेटेड मार्ग के ऊपरी ढांचे को सहारा देंगे। राजधानी रेलमार्ग के ऊपर इन 14 बीम पर लगभग 40 मीटर लंबे कंपोजिट गर्डर स्थापित किए जाएंगे। अन्य पोर्टल बीम वाले स्थानों पर ढांचे को आगे बढ़ाने के लिए स्पैन-बाय-स्पैन (एसबीएस) तकनीक अपनाई जाएगी।

## सांसद अमरपाल मौर्य ने अखिलेश यादव को लिखा तीन पन्नों का खुला पत्र

**एजेंसी, लखनऊ**

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सांसद और भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरपाल मौर्य ने समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को तीन पन्नों का खुला पत्र लिखा है। सोमवार को प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि वह यह पत्र अखिलेश यादव के दोनों आवासों पर भेजेंगे। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश की जनता और यादव समाज इन सवालों पर अखिलेश यादव से जवाब चाहता है।

सांसद मौर्य ने समाजवादी पार्टी की नीतियों और नेतृत्व पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि अखिलेश यादव खुद को यादव समाज का ध्वजवाहक और समाजवादी विरासत का उत्तराधिकारी मानते हैं, लेकिन उन्होंने समाजवाद के नाम पर परिवारवाद को बढ़ावा दिया है। उनके अनुसार, सपा में राजनीतिक अवसरों का लाभ मुख्य रूप से सैफई परिवार

को मिला है। अमरपाल मौर्य ने अपने पत्र का हवाला देते हुए कहा कि जिन कार्यकर्ताओं ने दशकों तक समाजवादी पार्टी के लिए संघर्ष किया, पार्टी के झंडे उठाए, लाठियां खाईं और जेल गए, उनके परिवारों को अपेक्षित राजनीतिक अवसर नहीं मिले। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसे जमीनी कार्यकर्ताओं में से कितने लोगों के बेटे सांसद बने या उनके परिवारों को राजनीतिक विरासत मिली। उन्होंने आरोप लगाया कि सांसद, विधायक, ब्लॉक प्रमुख और जिला पंचायत अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों के टिकट सैफई परिवार तक सीमित रहे। मौर्य ने मुजफ्फरनगर दंगों का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि जब पूरा इलाका दंगों की आग में झुलस रहा था, तब सैफई में उत्सव और डांस कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे थे।

# अस्पतालों में इलाज और सुविधाओं की दरें प्रमुखता से प्रदर्शित करना अनिवार्य, केंद्र ने राज्यों को दिए निर्देश

**एजेंसी, नई दिल्ली**

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से अस्पतालों सहित सभी नैदानिक प्रतिष्ठानों (क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट) में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं की दरें प्रमुखता से प्रदर्शित करने के निर्देश जारी किए हैं। इसका उद्देश्य मरीजों और उनके परिजनों को इलाज के संभावित खर्च की स्पष्ट जानकारी देना, उन्हें सोच-समझकर निर्णय लेने में सक्षम बनाना और बिलिंग से जुड़े विवादों को कम करना है।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने सोमवार को इस संबंध में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर संबंधित नियमों के अनुपालन की समीक्षा करने और

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
सत्यमेव जयते

आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया है।

पत्र में पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने कहा है कि स्वास्थ्य सेवाओं की दरों से जुड़ी जानकारी ऐसी जगह पर प्रदर्शित होनी चाहिए, जहां मरीज और उनके तीमारदार इसे आसानी से देख और समझ सकें। स्वास्थ्य सचिव ने अपने पत्र में क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट (पंजीकरण एवं विनियमन) अधिनियम, 2010 और क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट (केंद्र सरकार) नियम, 2012 का उल्लेख किया है। इन नियमों के तहत जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में यह अधिनियम लागू है, वहां नैदानिक प्रतिष्ठानों को प्रत्येक प्रकार की सेवा और उपलब्ध सुविधा के लिए ली जाने वाली दरें स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करनी होती हैं। यह जानकारी स्थानीय भाषा के साथ अंग्रेजी में भी उपलब्ध होनी चाहिए ताकि मरीज और उनके परिजन इसे संबंधित खर्च को समझ सकें। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में यह अधिनियम लागू नहीं है, वहां स्वास्थ्य संस्थानों का नियमन संबंधित राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के कानूनों के तहत किया जाता है। इनमें से कई व्यवस्थाओं में भी स्वास्थ्य सेवाओं की दरें प्रदर्शित करने के प्रावधान हैं।

**राज्यों को अनुपालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी:** स्वास्थ्य सचिव ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य राज्य का विषय है और संबंधित नियमों के क्रियान्वयन एवं निगरानी की जिम्मेदारी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों की है। ऐसे में मुख्य सचिवों से कहा गया है कि वे संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करें और स्वास्थ्य संस्थानों में नियमों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित कराएं। मंत्रालय ने भारत में इलाज के लिए आने वाले विदेशी मरीजों के हितों को भी ध्यान में रखा है। पत्र में कहा गया है कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से मेडिकल वीजा और आयुष वीजा पर भारत आने वाले विदेशी मरीजों के लिए उपलब्ध उपचार पैकेज की दरें भी, जहां लागू हो, प्रमुखता से प्रदर्शित करने को प्रोत्साहित करने का अनुरोध किया गया है। इससे विदेशी मरीजों को इलाज के विकल्प चुनने से पहले खर्च की जानकारी मिल सकेगी और कीमतों तथा बिलिंग से जुड़ी शिकायतों को कम करने में मदद मिलेगी।

# रणजी ट्रॉफी में रविंद्र जडेजा का शतक, प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 16वीं बार तीन अंकों तक पहुंचे

**एजेंसी, राजकोट**

भारतीय ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने रणजी ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ के खिलाफ मुकाबले के दूसरे दिन सोमवार को सौराष्ट्र के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपना 16वां शतक लगाया। राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में जडेजा ने 102 रन की पारी खेली। उन्हें धर्मेंद्रसिंह जडेजा ने कैच और बोल्ड किया। बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज और बल्लेबाजी में उपयोगी योगदान देने वाले जडेजा की यह पारी आगामी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों से पहले अहम मानी जा रही है। उनका पिछला लाल गेंद का मुकाबला श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में था। मैच की बात करें तो जडेजा के शतक के साथ अलावा प्रेरक मांकड़ ने भी 129 रनों की बेहतरीन शतकीय पारी खेली। इन दोनों के अलावा चिराग जानी ने 83 रन बनाए।

इन तीनों की बेहतरीन पारियों की बदौलत सौराष्ट्र ने पहली पारी में सभी विकेट खोकर 392 रन बनाए। जवाब में छत्तीसगढ़ ने समाचार लिखे जाने तक 1 विकेट पर 24 रन बना लिए हैं। जडेजा वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की 2-1 से वनडे श्रृंखला जीत के बाद सौराष्ट्र की टीम से जुड़े थे। उन्होंने दो मैचों में हिस्सा लिया, लेकिन बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला। इस दौरान उन्होंने दो विकेट लिए। छत्तीसगढ़ के खिलाफ शतक के साथ उन्हें लाल गेंद से बल्लेबाजी का भी उपयोगी अभ्यास मिला है। भारतीय टीम अगले महीने न्यूजीलैंड के दौरे पर दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेगी। पहला टेस्ट 19 से 23 नवंबर तक वेलिंगटन में, जबकि दूसरा टेस्ट 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। जडेजा इस दौरे से पहले अपनी लय हासिल करना चाहेंगे। भारत की प्रमुख घरेलू प्रथम श्रेणी प्रतियोगिता रणजी ट्रॉफी का 92वां संस्करण 11 अक्टूबर से शुरू हुआ। पिछले सत्र में शुरुआती दौर में बाहर होने वाली सौराष्ट्र की टीम को इस बार एलीट ग्रुप-बी में रखा गया है। इस समूह में सौराष्ट्र के साथ आंध्र, असम, छत्तीसगढ़, हैदराबाद, कर्नाटक, पंजाब और त्रिपुरा की टीमें शामिल हैं।

# एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत का दबदबा, पांच खिताब जीतकर सबसे सफल टीम

**एजेंसी, नई दिल्ली** । भारतीय पुरुष हॉकी टीम एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास की सबसे सफल टीम है। वर्ष 2011 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट में भारत अब तक पांच बार खिताब जीत चुका है। अब भारतीय टीम की नजर छठी बार चैंपियन बनने पर होगी। हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी पंजाब 2026 का आयोजन 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में किया जाएगा। भारत ने इस प्रतियोगिता के आठ संस्करणों में पांच खिताब अपने नाम किए हैं। टीम ने पहले संस्करण में शूटआउट के जरिए जीत दर्ज की, जबकि 2024 में चीन को हराकर खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।

अलग-अलग परिस्थितियों में मिली इन जीतों ने एशियाई हॉकी में भारत की निरंतर मजबूती को दर्शाया है। हाल ही में भारतीय टीम ने एशियाई खेलों में अपने स्वर्ण पदक का पहली बार सफलतापूर्वक बचाव कर इतिहास रचा था। अब टीम एक बार फिर मैदान पर उतरेगी और एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में अपना दबदबा कायम रखने की कोशिश करेगी। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का पहला संस्करण 2011 में चीन के ऑर्डोस में खेला गया था। इसमें भारत, चीन, मलेशिया, पाकिस्तान, दक्षिण कोरिया और जापान की टीमों ने हिस्सा लिया था। फाइनल में भारत का सामना चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से हुआ। निर्धारित समय तक मुकाबला गोलरहित बराबरी पर रहा, जिसके बाद भारत ने शूटआउट में 4-2 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारतीय टीम टूर्नामेंट की पहली चैंपियन बनी। तीन साल के अंतराल के बाद एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2016 में मलेशिया के कुआंतन में लौटी। भारत ने फाइनल में एक बार फिर पाकिस्तान के खिलाफ दमदार प्रदर्शन किया और 3-2 से जीत हासिल कर दूसरी बार खिताब अपने नाम किया। भारत की ओर से रुपिंदर पाल सिंह, अफ्फान यूसुफ और निकिन थिमैया ने गोल किए। इस जीत ने टूर्नामेंट में भारत की मजबूत स्थिति को और पुख्ता किया।

# ला लीगा: वेलेंसिया ने रेसिंग सैंटेंडर से खेला ड्रॉ, रियल सोसिएदाद ने डेपोर्टिवो को हराया

**एजेंसी, मैड्रिड**

स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा के आठवें दौर में वेलेंसिया और रियल रेसिंग क्लब सैंटेंडर के बीच मुकाबला 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ। वहीं, रियल बेटिस ने इसको के दो गोल की मदद से ओसासुना को 5-2 से हराया और अंक तालिका में तीसरा स्थान हासिल कर लिया। एक अन्य मुकाबले में रियल सोसिएदाद ने दस खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए डेपोर्टिवो ला कोरुना को 3-2 से शिकस्त दी। रविवार के कार्यक्रम का पहला मैच एल्चे और सेल्टा विगो के बीच गोलरहित ड्रॉ रहा। वेलेंसिया ने रेसिंग सैंटेंडर के खिलाफ

मुकाबले की शुरुआत शानदार अंदाज में की। मैच शुरू होने के एक मिनट से कुछ अधिक समय बाद ही दानी राबा ने गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। हालांकि, 32वें मिनट में इनिगो विसेंट के पास पर यासिर ज़ाबिरी ने गोल करके रेसिंग को बराबरी दिला दी। दूसरे हाफ की शुरुआत के दो मिनट बाद इवान मार्टिन ने गोल कर मेजबान टीम को 2-1 से आगे कर दिया। इसके बाद वेलेंसिया के युवा स्थानापन्न खिलाड़ी डेविड ओटोरबी ने 65वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-2 कर दिया। इसके बाद दोनों टीमें कोई और गोल नहीं कर सकीं। रियल बेटिस ने घरेलू मैदान पर ओसासुना को 5-2 से हराया। इसको ने 10वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके टीम का खाता खोला। इसके बाद 31वें मिनट में कुचो हर्नांडेज के पास पर एज अब्दे ने गोल कर बढ़त दोगुनी कर दी। दूसरे हाफ के तीसरे मिनट में एंटे बुदिमिर के क्लीयरेंस के प्रयास के बाद गेंद डिएगो लोरेंटे से टकराकर गोल में चली गई और बेटिस ने 3-0 की बढ़त बना ली।

# डेनमार्क ओपन में मौजूदा चैंपियन आन से यंग से भिड़ेंगी सिंधु, पुरुष एकल में लक्ष्य सेन का चाउ तिएन चेन से होगा मुकाबला

**एजेंसी, नई दिल्ली** । दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु डेनमार्क ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले दौर में विश्व नंबर एक और मौजूदा चैंपियन आन से यंग से भिड़ेंगी। मंगलवार से शुरू होने वाले नौ लाख 50 हजार अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि वाले सुपर 750 टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों के सामने कड़ी चुनौती होगी। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन का सामना तीसरी वरीयता प्राप्त चाउ तिएन चेन से होगा। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु हाल के दिनों में मिले-जुले प्रदर्शन के बाद डेनमार्क पहुंची हैं। उन्होंने जुलाई में जापान ओपन सुपर 750 का खिताब जीता था, जबकि पिछले सप्ताह आर्कटिक ओपन के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं। वहां उन्हें थाईलैंड की रत्चानोक इंतानोन के खिलाफ तीन गेम तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि, आन से यंग के खिलाफ सिंधु का पिछला रिकॉर्ड चिंता बढ़ाने वाला है। भारतीय खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की इस स्टार शटलर के खिलाफ अपने पिछले सभी 10 मुकाबले हार चुकी हैं। ऐसे में पहले दौर में ही

उन्हें कठिन परीक्षा से गुजरना होगा। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन एशियाई खेलों की व्यक्तिगत स्पर्धा में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अपनी सर्वश्रेष्ठ लय हासिल करना चाहेंगे। पिछले दो वर्षों में उनका प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा है। इस साल उन्होंने दूसरी बार ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाई थी। इससे पहले वह 2022 में भी इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के फाइनल तक पहुंचे थे। लक्ष्य 2024 पेरिस ओलंपिक में पुरुष एकल के सेमीफाइनल तक पहुंचने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी भी हैं। हालांकि, हाल के दिनों में पीठ की चोट ने उनकी तैयारियों को प्रभावित किया है। उन्होंने एशियाई खेलों की पुरुष टीम स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में जापान के कोडाई नाराओका को हराया था, लेकिन व्यक्तिगत स्पर्धा के पहले ही दौर में बाहर हो गए थे। अब उन्हें चाउ तिएन चेन के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। चाउ ने एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ी आयुष शेट्टी को तीन गेम के मुकाबले में हराया था। आयुष शेट्टी अपनी हालिया सफलताओं को आगे बढ़ाने के इरादे से उतरेंगे। उन्होंने 2025 में अमेरिकी ओपन सुपर 300 का खिताब जीता था। इस साल विश्व चैंपियनशिप में उन्होंने उस समय के विश्व नंबर एक चीन के शी यु ची को हराकर सबका ध्यान खींचा था। डेनमार्क ओपन के पहले दौर में उनका सामना इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से होगा। विश्व चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में फरहान ने आयुष को हराया था।

# तीसरे टी-20 में जीत के बाद बोले अभिषेक शर्मा- वेस्टइंडीज को वापसी का मौका नहीं देना चाहते थे

**एजेंसी, इंदौर**

भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कहा कि टीम को पता था कि वेस्टइंडीज किसी भी समय मैच का रुख पलट सकती है। इसलिए तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों को लगातार दबाव बनाए रखना था और विपक्षी टीम को वापसी का कोई मौका नहीं देना था। भारत ने पांच मैचों की सीरीज के तीसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज को 14 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली।

इंदौर में खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 223 रन बनाए। इसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम सात विकेट पर 209 रन ही बना सकी। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ने तीन विकेट लिए, जबकि नमन धीर ने दो विकेट हासिल किए। हालांकि, वेस्टइंडीज के शमार स्प्रिंगर ने आखिरी ओवर में आक्रामक बल्लेबाजी करके मुकाबले को रोमांचक बना दिया। उन्होंने केवल 11 गेंदों पर नाबाद

35 रन बनाए, जिसमें तीन छक्के और एक चौका शामिल था। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में अभिषेक ने कहा कि भारतीय टीम को वेस्टइंडीज की वापसी करने की क्षमता का पूरा अंदाजा था। उन्होंने कहा, “मुझे लगता है कि वेस्टइंडीज ऐसी टीम है जिसके खिलाफ आप कभी नहीं कह सकते कि मुकाबला पूरी तरह आपके पक्ष में आ गया है। यह बात हमारे दिमाग में थी, क्योंकि हमने पिछले मैच में भी देखा कि यहां की परिस्थितियों में क्रीज पर आने वाला कोई भी बल्लेबाज किसी भी समय मैच को अपने पक्ष में कर सकता है। इसलिए यह बात हमारे दिमाग में थी। यहां तक कि जब विकेट गिर रहे थे, तब भी टीम के बीच बातचीत यही थी कि हमें आगे से बेरहम बने रहना है, उन्हें मुकाबले में वापसी का मौका नहीं देना है और उन्हें एक भी ऐसा अवसर नहीं देना है, जिससे वे मैच में लौट सकें।” अभिषेक ने इस मुकाबले में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 30 गेंदों पर 69 रन की पारी खेली। वेस्टइंडीज की ओर से स्प्रिंगर की आक्रामक बल्लेबाजी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह पारी दिखाती है कि वेस्टइंडीज किसी भी स्थिति में मुकाबले का रुख बदल सकती है।

अभिषेक ने कहा, “अगर आपने आज देखा कि स्प्रिंगर ने किस तरह बल्लेबाजी की, तो उसके शॉट देखकर मैं वास्तव में हैरान था। उसने जिस तरह के शॉट खेले, वे आसान नहीं थे। ऐसी स्थिति में आपको हर समय सतर्क रहना पड़ता है। भले ही वेस्टइंडीज का स्कोर पांच विकेट पर 50 रन हो, फिर भी उसमें मैच का रुख बदलने की क्षमता है। इस बार हम पूरी तरह तैयार थे कि हमें बेरहम बने रहना है। गेंदबाजी में हमारा पावरप्ले अच्छा रहने के बावजूद हम उन्हें एक भी खराब गेंद देने का जोखिम नहीं उठा सकते थे। हम केवल अपनी योजनाओं को सही तरीके से लागू करना चाहते थे और हमने वही किया।”

अभिषेक की यह टिप्पणी दूसरे टी-20 मुकाबले के बाद आई है, जिसमें वेस्टइंडीज ने भारत के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना सबसे बड़ा सफल लक्ष्य हासिल किया था। रांची में शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में भारत ने पांच विकेट पर 249 रन बनाए थे। जवाब में वेस्टइंडीज ने 18.3 ओवर में चार विकेट पर 252 रन बनाकर छह विकेट से जीत दर्ज की थी।

वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने 45 गेंदों पर नाबाद 102 रन बनाए थे, जबकि शेरफेन रदरफोर्ड ने 37 गेंदों पर 84 रन की पारी खेली थी। रोमारियो शेफर्ड 13 गेंदों पर नाबाद 34 रन बनाकर लौटे थे। उस जीत के बाद पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई थी। तीसरे मुकाबले में जीत के साथ भारत ने फिर बढ़त हासिल कर ली।

# छठे-सातवें नंबर पर बल्लेबाजी और किफायती ओवर डालना मेरी जिम्मेदारी : नमन धीर

**एजेंसी, इंदौर**

भारतीय ऑलराउंडर नमन धीर ने कहा है कि टीम प्रबंधन ने उन्हें छठे या सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने और जरूरत पड़ने पर दो से तीन ओवर किफायती गेंदबाजी करने की जिम्मेदारी सौंपी है। भारत ने पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के तीसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज को 14 रन से हराकर 2-1 की बढ़त बना ली। जियोस्टार के कार्यक्रम ‘हायर क्रिकेट लाइव’ में नमन ने टीम में अपनी भूमिका, गेंदबाजी के दौरान बल्लेबाज की मानसिकता समझने और भविष्य के लक्ष्यों पर बात की। वहीं, जियोस्टार विशेषज्ञ इयान बिशप ने भारतीय गेंदबाजों के प्रदर्शन और अभिषेक शर्मा की बल्लेबाजी रणनीति की सराहना की।

टीम में अपनी भूमिका और बल्लेबाजी या गेंदबाजी ऑलराउंडर होने के सवाल पर नमन ने कहा, “मैं बल्लेबाजी ऑलराउंडर हूं। इस मैच में मुझे बल्लेबाजी का मौका मिला, लेकिन मैं उसका पूरा फायदा नहीं उठा सका, जिससे थोड़ा निराश हूं। हालांकि, ऐसा नहीं है कि मैं गेंदबाजी

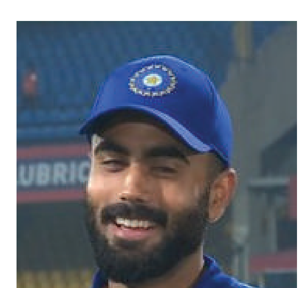

नहीं करता। आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर नियम के कारण मुझे गेंदबाजी के कम अवसर मिलते हैं, लेकिन जब से मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया है, तब से गेंदबाजी करता आ रहा हूं और मुझे इसमें बहुत आनंद आता है। “जहां तक मेरी भूमिका की बात है, कोच और कप्तान ने मुझे बताया है कि परिस्थितियों के अनुसार मैं छठे या सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करूंगा। इसलिए इस भूमिका में लचीलापन है। गेंदबाजी में मेरी जिम्मेदारी है कि जब भी टीम को जरूरत हो, मैं दो या तीन ओवर किफायती तरीके से कराऊं।” गेंदबाजी करते समय बल्लेबाज की मानसिकता को समझने और उससे एक कदम आगे रहने के बारे में नमन ने कहा, “ऑफ स्पिनर होने के नाते मेरे पास बहुत ज्यादा विविधताएं नहीं हैं। इसलिए मुझे अपनी लाइन और लेंथ पर निर्भर रहना पड़ता है और गेंद की गति में बदलाव करना होता है। मेरी सोच हमेशा यही रही है। जैसा कि कहा जाता है, टी-20 क्रिकेट में आक्रामक विकल्प भी रक्षात्मक विकल्प बन सकता है, क्योंकि विकेट लेने से बेहतर कुछ नहीं होता। उन्होंने कहा, “बल्लेबाज होने का फायदा यह है कि आप बल्लेबाज का रुख, उसका बल्ला उठाने का तरीका, गार्ड और उन शॉटों को समझ सकते हैं जिन्हें वह खेल सकता है। गेंदबाजी करते समय मैं इन चीजों पर नजर रखता हूं। मैंने जानबूझकर ऐसा कोई प्लान नहीं बनाया था कि पहले तीन छक्के खाने हैं और फिर विकेट लेना है।” उन्होंने आगे कहा, “उदाहरण के लिए, जब कामिल पूरन बल्लेबाजी कर रहे थे, तो वह हर शॉट लेग साइड की तरफ खेलने और हाथ खोलकर शॉट लगाने के लिए जगह बनाने की कोशिश कर रहे थे।

# चाइना ओपन फ़ाइनल के बाद झेंग और आंद्रीवा वुहान ओपन से हटीं

**एजेंसी, नई दिल्ली**

बीजिंग में चाइना ओपन फ़ाइनल खेलने के बाद चीन की झेंग किनवेन और रूस की मीरा आंद्रीवा वुहान ओपन से हट गई हैं। झेंग ने दाहिने कंधे की चोट का हवाला दिया है, जबकि आंद्रीवा ने शेड्यूल में बदलाव के कारण हटने का फ़ैसला किया है। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच चाइना ओपन में महिला एकल का खिताबी मुकाबला खेला गया था। झेंग ने रविवार को आंद्रीवा को 7-5, 6-4 से हराकर चाइना ओपन जीतने वाली पहली चीनी खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। यह जीत उनके करियर का पहला डब्ल्यूटीए 1000 ख़िताब और 2024 में टोक्यो में जीत के बाद पहला सिंगल्स ख़िताब भी था। हालाँकि, यह जीत चीनी स्टार के लिए लगातार कई मुश्किल मैचों के बाद मिली, जो चोट के कारण ब्रेक लेने के बाद कॉम्पिटिशन में लौटी थीं और

उसके बाद US ओपन, बिली जीन किंग कप और बीजिंग टूर्नामेंट में खेली थीं। अपने हटने की घोषणा करते हुए एक बयान में झेंग ने कहा कि लगातार मैचों के बोझ से वह शारीरिक रूप से थक गई हैं। डब्ल्यूटीए के अनुसार, झेंग ने कहा, “मुझे यह बताते हुए बहुत अफ़सोस हो रहा है कि मैं इस साल के वुहान ओपन से हट रही हूँ। वुहान वह जगह है जहाँ से मेरा टेनिस का सपना शुरू हुआ था, और वुहान ओपन ही वह टूर्नामेंट है जहाँ मैंने डब्ल्यूटीए 1000 लेवल पर अपनी पहचान बनाई थी। मैं हमेशा अपने होमटाउन के फ़ैन्स के सामने खेलने का इंतज़ार करती रही हूँ। हालाँकि, चोट से लौटने के बाद, मैंने पिछले डेढ़ महीने में यूएस ओपन, बिली जीन किंग कप और चाइना ओपन जैसे मुश्किल टूर्नामेंट खेले हैं। इतने सारे कड़े मैचों के बाद मेरा शरीर बहुत थका हुआ महसूस कर रहा है। मैं अगले साल वुहान ओपन में लौटने और अपनी बेहतरीन फ़ॉर्म के साथ कोर्ट पर उतरने का बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूँ।”

खिलाड़ियों के नाम वापस लेने की वजह से वुहान सिंगल्स ड्रॉ में बदलाव करने पड़े हैं। अमेरिकी टीनएजर इवा जोविच, जो ‘बाय’ पाने वाली अगली योग्य सीडेड खिलाड़ी हैं, ड्रॉ में लाइन 17 पर आंद्रीवा की जगह लेंगी और सीधे दूसरे राउंड में पहुँच जाएँगी। ‘लकी लूज़र’ के तौर पर शामिल हो रहीं अन्ना बोंडर, जोविच की मूल जगह लेंगी और सोमवार को मिया पोहांकोवा का सामना करेंगी। झेंग की खाली जगह ‘लकी लूज़र’ कैमिला ओसोरियो भरेंगी, जिनका मुक़ाबला मंगलवार को पहले राउंड में एन ली से होना है।

# भारत-श्रीलंका वनडे दिल्ली से अहमदाबाद स्थानांतरित होने की खबरें गलत : सैकिया

**एजेंसी, नई दिल्ली** । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने सोमवार को उन खबरों को गलत बताया, जिनमें दावा किया गया था कि भारत और श्रीलंका के बीच 13 दिसंबर को नई दिल्ली में होने वाला पहला वनडे मुकाबला अहमदाबाद स्थानांतरित किया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय बोर्ड ने इस संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया है। यह स्पष्टीकरण दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे बड़े स्तर के ढांचागत सुधार कार्यों के बीच आया है। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ स्टेडियम में आधुनिक जल निकासी व्यवस्था लगाने के साथ पिचों और आउटफील्ड को नए सिरे से तैयार कर रहा है। इसी कारण मुकाबले के आयोजन स्थल को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। सैकिया ने सोमवार को जारी बयान में कहा, “दिल्ली में निर्धारित भारत-श्रीलंका वनडे मुकाबले को अहमदाबाद स्थानांतरित किए जाने संबंधी खबरें सही नहीं हैं। बीसीसीआई ने ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया है।” उन्होंने कहा, “हम मीडिया के साथियों से अनुरोध करते हैं कि कार्यक्रम से जुड़े किसी भी अपडेट के लिए बीसीसीआई के आधिकारिक संचार का ही संदर्भ लें। साथ ही, यह दोहराना जरूरी है कि द्विपक्षीय मुकाबलों का आवंटन मुख्य रूप से एक मानक नीति के तहत किया जाता है।” भारत और श्रीलंका के बीच तीन वनडे मैचों की श्रृंखला का दूसरा मुकाबला 16 दिसंबर को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाना है। वहीं, तीसरा वनडे 19 दिसंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में निर्धारित है। ये मुकाबले भारत के लिए 2027 में होने वाले पुरुष वनडे विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से अहम हैं।

# एमसीजी में 150वीं एनिवर्सरी टेस्ट पर विशेष किट पहनेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

## इंग्लैंड के खिलाफ डे-नाइट टेस्ट में हरे और सुनहरे रंग की खास जर्सी पहनेंगे ऑस्ट्रेलियाई

**एजेंसी, नई दिल्ली**

ऑस्ट्रेलिया की पुरुष क्रिकेट टीम अगले साल मार्च में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले ऐतिहासिक 150वीं एनिवर्सरी टेस्ट मुकाबले में हरे और सुनहरे रंगों से सजी विशेष जर्सी पहनेगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को खेल सामग्री निर्माता एसिक्स के साथ तैयार की गई इस विशेष किट का अनावरण किया है। यह मुकाबला 11 मार्च से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। इस विशेष जर्सी को टेस्ट मैच शुरू होने में 150 दिन शेष रहने के अवसर पर जारी किया गया। इसमें ऑस्ट्रेलिया की पारंपरिक टेस्ट पोशाक में कुछ बदलाव किए गए हैं। पहले जर्सी

पर सुनहरे बबूल के फूलों से प्रेरित सजावट होती थी, जिसकी जगह अब सुनहरे रंग की पट्टियां दी गई हैं। शर्ट में हरे रंग की पट्टी भी जोड़ी गई है। जर्सी के कॉलर, शर्ट और पैंट के किनारों पर सुनहरी पट्टियां होंगी, जबकि बटन भी सुनहरे रंग के होंगे। आस्तीन पर वर्षगांठ टेस्ट का विशेष लोगो और किट निर्माता एसिक्स का लोगो भी दिखाई देगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपने बयान में कहा कि सुनहरा रंग टेस्ट क्रिकेट की विरासत, उपलब्धियों और निरंतर उत्कृष्टता का प्रतीक है। संस्था के अनुसार, डिजाइनरों का उद्देश्य इस ऐतिहासिक अवसर की प्रतिष्ठा और महत्त्व को दर्शाने के साथ ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित टेस्ट पोशाक की पारंपरिक पहचान को बनाए रखना था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी एड सैंडर्स ने कहा, “हम अपनी टीमों के लिए विशेष पोशाक केवल सबसे महत्त्वपूर्ण अवसरों पर तैयार करते हैं। टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पूरे होने के सम्मान में सुनहरे रंग का समावेश करते हुए ऐसी पोशाक तैयार करने के लिए हम एसिक्स का धन्यवाद करते हैं।” विशेष किट में ऑस्ट्रेलियाई टीम की मौजूदा टेस्ट पोशाक के बाकी हिस्सों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कंधों पर प्रसिद्ध आदिवासी कलाकार आंटी फियोना क्लार्क की कलाकृति भी बनी रहेगी। ‘लैंड एंड सी’ नाम की इस कलाकृति में ‘वॉकअबाउट विकेट्स’ की आकृति शामिल है।

# युवतियां ही नहीं छोटे बच्चों को भी खासे भा रहे हैं कलरफुल क्लिप्स

**इन दिनों बाजार में विभिन्न रंगों व डिजाइनों के हेयर क्लिप की भरमार बनी हुई है। युवतियां अपनी पसंद व ड्रेस के साथ मैचिंग कर इन हेयर क्लिप का प्रयोग करना पसंद कर रही हैं।**

युवतियां ही नहीं बल्कि छोटे बच्चों को भी यह कलरफुल क्लिप खासे भा रहे हैं। क्लिप्स जहां एक ओर यह बालों को बांधने के काम आते हैं वहीं आपको फैशनपरस्त दिखने में भी मदद करते हैं। कीमत में यह 10 रुपए से लेकर 50 रुपए तक मौजूद हैं। रंगों की बात करें तो रंग-बिरंगे क्लिप सभी को भा रहे हैं लेकिन इसी के साथ काला रंग भी खूब चलन में है। सब पर जो चल जाता है। इन दिनों युवतियां जहां विभिन्न प्रकार के आकर्षक हेयर स्टाइल अपना रही हैं। वहीं बालों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए मार्केट में विभिन्न रंगों व डिजाइनों के हेयर क्लिप की भरमार बनी हुई है। युवतियां अपनी पंसद व ड्रेस के साथ मैचिंग कर इन हेयर क्लिप्स का प्रयोग करना पसंद कर रही हैं। छोटे बच्चों को भी यह कलरफुल क्लिप्स खासे भा रहे हैं। सिंपल हेयर स्टाइल में भी यदि युवतियां इन डिजाइनर हेयर क्लिप्स का इस्तेमाल करती हैं तो वह दिखने में बहुत खूबसूरत लगता है। इन हेयर क्लिप्स की खासियत यह है कि विभिन्न रंगों में मौजूद होने के कारण युवतियां व बच्चे इनका प्रयोग अपनी ड्रेस के साथ मैचिंग कर सकते हैं। छोटे बच्चों को भी रह हेयर क्लिप्स बहुत पंसद आ रहे हैं। कॉलेज गोइंग गर्ल्स सूट सलवार, जींस व हर प्रकार की ड्रेस के साथ ही हेयर क्लिप्स का प्रयोग करना पंसद रही हैं। युवतियों का कहना है कि सिंपल हेयर स्टाइल के बावजूद भी यह क्लिप्स बालों का आकर्षण बढ़ा देते हैं। गर्मी से राहत के साथ फैशन के तौर पर भी इनका इस्तेमाल हो जाता है। इन क्लिप्स का प्रयोग यूं तो केवल छोटे बच्चों को लुभाने के लिए भी किया जाता था। लेकिन आजकल इनका प्रयोग कॉलेज जाने वाली गर्ल्स से लेकर कामकाजी युवतियां तक करना पंसद कर रही है। इसका मुख्य कारण इन क्लिप्स का विभिन्न रंगों और डिजाइनों में उपलब्ध है। इनकी कीमत 20 रुपए पेयर के हिसाब से शुरू होती हैं। युवतियाँ अपनी ड्रेस की मैचिंग के क्लिप्स लेती हैं।

# 2 बीएचके घर में स्पेस को मैक्सिमाइज करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

**यूं तो 2बीएचके घर में स्पेस एक फैमिली के लिए पर्याप्त होता है, लेकिन फिर भी अगर आप अपने स्पेस को मैक्सिमाइज करना चाहते हैं तो इसके लिए कुछ तरीके अपनाए जा सकते हैं।**

आजकल शहरों में लोग 2बीएचके घर में रहना अधिक पसंद करते हैं। एक स्मॉल फैमिली के लिए 2बीएचके घर का स्पेस पर्याप्त माना जाता है। लेकिन जब आपके घर में बच्चे बड़े होने लगते हैं या फिर फैमिली बढ़ने लगती है तो ऐसे में स्पेस कम होने लगता है। हालांकि, इस स्थिति में हर किसी के लिए बड़ा घर लेना उनके बजट में नहीं होता है। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप अपने घर के स्पेस को ही मैक्सिमाइज करें। अधिकतर लोगों को यह लगता है कि वे अपने घर को मैक्सिमाइज किस तरह करें। ऐसा करना मुश्किल नहीं है, बस आपकी अप्रोच सही होनी चाहिए। अगर आप अपने 2बीएचके घर को मैक्सिमाइज करना चाहते हैं तो ऐसे में आपको बस कुछ छोटे-छोटे टिप्स को फॉलो करना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने 2बीएचके घर के स्पेस को आसानी से मैक्सिमाइज कर सकते हैं-

## वर्टिकल स्पेस का करें इस्तेमाल

अगर आप अपने 2बीएचके होम के स्पेस को अधिक मैक्सिमाइज करना चाहते हैं तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप वर्टिकल स्टोरेज सॉल्यूशन पर विचार करें। इससे आपका काफी सारा सामान आसानी से आर्गेनाइज हो जाएगा और आपको स्पेस प्रोब्लम का सामना नहीं करना पड़ेगा। वर्टिकल स्पेस का इस्तेमाल करने के लिए आप वॉल-माउंटेन शेल्फ से लेकर कैबिनेट व हैंगिंग आर्गेनाइजर आदि का इस्तेमाल करें। इससे आपके लिए अपनी किताबों से लेकर अन्य जरूरी आइटम्स व डेकोरेटिव आइटम्स को रखने में काफी आसानी होगी।

## मल्टीपर्पस फर्नीचर में करें इनवेस्ट

कई तरह के फर्नीचर की जरूरत हम सभी को अपने घर में पड़ती ही है। लेकिन कई फर्नीचर पीस काफी सारा स्पेस लेते हैं, जिसकी वजह से 2बीएचके घर में भी स्पेस प्रोब्लम होती है। इसलिए आप मल्टीपर्पस व स्पेससेविंग फर्नीचर में इनवेस्ट करने का प्लॉन करें। मसलन, आप घर में अलग-अलग सोफा व बेड खरीदने की जगह सोफा कम बेड का इस्तेमाल करें। इसी तरह, फोल्डेबल बेड का उपयोग करें जिन्हें दिन के दौरान आसानी से स्टोर करके रखा जा सकता है। इसके अलावा, आजकल एक्सटेंडेबल डाइनिंग टेबल का चलन है, जिन्हें आसानी से एक्सटेंड किया जा सकता है।

## कॉर्नर का भी करें इस्तेमाल

यह स्पेस को मैक्सिमाइज करने का एक स्मार्ट तरीका है, जिसे अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं। घर के अलग-अलग कोनों को स्टोरेज व होम डेकोर के लिए काम में लिया जा सकता है। अगर आप चाहें तो कॉर्नर में मल्टीपर्पस अलमारी या वॉल माउंटेन शेल्फ बनवाएं। इससे आप काफी सामान आसानी से रख पाएंगी। इसी तरह, अपने लिविंग एरिया के लिए एल शेप के सोफे या डेस्क का उपयोग करने पर विचार करें। इससे लिविंग एरिया का सेंट्रल स्पेस आसानी से बच जाता है और घर अपेक्षाकृत अधिक बड़ा व स्पेशियस फील होता है।

# इन टिप्स की मदद से 2 बीएचके घर का करें न्यू मेकओवर, हर कोई करेगा आपकी तारीफ

**हर इंसान का सपना होता है कि उसका एक अपना घर हो, लेकिन दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों में अपना घर लेना किसी मुश्किल काम से कम नहीं है। बड़े शहरों में लोग जड़ से अपना मकान तो नहीं ले पाते हैं लेकिन रहने के लिए प्लैट जरूर ले लेते हैं। ऐसे में घर छोटा हो या फिर बड़ा हर को सुंदर बनाना हर कोई चाहता है। अगर आप भी अपने घर को खूबसूरत बनाना चाहते हैं तो याद रखें हमेशा अपने घर को साइज के अनुसार डेकोरेट करें।**

अगर आपका घर 2 बीएचके का है तो इसे आप रॉयल लुक दे सकते हैं। लेकिन इसके लिए आपको स्मार्ट डेकोर टिप्स को अपनाना होगा। इस लेख में हम आपको 2 बीएचके फ्लैट को डेकोरेट करने के लिए स्मार्ट टिप्स के बारे में बताएंगे। तो देर किस बात करी आइए जानते हैं घर को खूबसूरत बनाने के लिए आसान और असरदार टिप्स।

## दीवारों का कलर

घर की खूबसूरती बढ़ाने के लिए दीवारों का कलर बहुत जरूरी होता है। क्योंकि घर की सुंदरता दीवारों के कलर से आती है। दीवारों पर लाइट कलर का पेंट करना से घर पर बड़ा और ब्राइट नजर आता है। खासकर हॉल की दीवारों का पेंट लाइट कलर का करवाएं। 2 बीएचके घर को रॉयल लुक देने के लिए आप क्रीम कलर का पेंट करवाएं।

## ओपन किचन

इन दिनों ओपन किचन का काफी ट्रेंड है। आप भी घर को रॉयल लुक देने के लिए ओपन किचन बनवा सकते हैं। ओपन किचन का सबसे बड़ा फायदा होता है कि इस जगह का कम यूज होता है। वहीं इससे घर को मॉर्डन लुक भी मिलता है। अगर आप ओपन किचन बनवा रहे हैं तो किचन की टाइल व्हाइट या फिर ब्राउन कलर की लें। इसके अलावा किचन की अलमारी भी टाइल से मैचिंग कलर का बनवा सकते हैं। इससे आपका किचन खूबसूरत नजर आएगा।

## लाइटिंग

घर की खूबसूरती बढ़ाने के लिए लाइटिंग बहुत जरूरी होता है। रॉयल लुक के लिए घर की लाइटिंग बेहद जरूरी होती है। अगर यह खराब हो गई तो सारा लुक खराब हो जाता है। इन दिनों मार्केट में बेहद खूबसूरत और डिजाइन लैप और लाइट मिल जाती है जिसका इस्तेमाल कर आप अपने घर को खूबसूरत बना सकते हैं। लिविंग रूम में स्ट्रिंग लाइट लगाने से घर की खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं।

## फर्नीचर

घर की असली खूबसूरती फर्नीचर लगाने के बाद ही आती है। 2 बीएचके घर के लिए आपको अपना फर्नीचर स्मार्ट तरीके से खरीदना चाहिए। अगर आप फर्नीचर खरीदने जाएं तो इस बात का ध्यान रखें कि आपको घर के लिए ऐसे फर्नीचर लेना है जो कि ज्याता स्पेस न ले। वहीं इन दिनों शहरों में कम जगह के लिए सोफा कम बेड का काफी चलन है। ऐसे में आप भी इस सोफे सेट के बारे में सोच सकती हैं।

## इंडोर प्लांट्स

घर को खूबसूरत बनाने के लिए शो पीस की जगह आप इंडोर प्लांट्स का इस्तेमाल करें। इससे न केवल घर की खूबसूरती बढ़ेगी बल्कि यह आपकी सेहत के लिए भी काफी अच्छा माना जाता है। इंडोर प्लांट्स को आप डाइनिंग रूम या फिर लिविंग रूम में रख सकती हैं।

# अपने बगीचे में बोएं ये हरे साग के बीज

**अक्सर बागवानी करने वालों को यह समझ नहीं आता है कि कौन की सब्जियां अपने बगीचे में लगाएं। अगर आप भी इस बात को लेकर परेशान हैं कि कौन सी वेजिटेबल लगाएं, तो यह आर्टिकल आपके लिए हेल्पफुल साबित हो सकता है।**

केमिकल फ्री सब्जियां खाने के लिए अक्सर लोग अपने बगीचे में अलग-अलग प्रकार बीजों को लगाना पसंद करते हैं। लेकिन कई बार लोगों को यह समझ नहीं आता कि वह अपने घर के बगीचे में कौन सी हरी सब्जियां लगाएं। पत्तेदार सब्जियां ज्यादा पौष्टिक होती हैं और दूसरी सब्जियों की अपेक्षा इन्हें उगाना काफी आसान होता है। ज्यादातर हरी सब्जियां अपेक्षाकृत कम ठंडे मौसम में उगाई जा सकती हैं। अगर आप अपने बगीचे में कम समय में सब्जियां ग्रो करना चाहते हैं, तो यहां हम आपको बताने जा रहे हैं, कि आप इन बीजों को कैसे बो सकती हैं।

## पालक को कैसे उगाएं

- पालक भारत में सबसे लोकप्रिय पत्तेदार सब्जी है। पालक के पौधे तेजी से बढ़ते हैं, इसलिए बीज अंकुरित होने के 2-3 सप्ताह के भीतर वे कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। कटाई करते समय, ऐसे पौधों की ढूढ़ें, जिनमें कम से कम पांच से छह स्वस्थ हरी पत्तियां उगी हों जो तीन से चार इंच लंबी हों।
- बीज बोने से एक सप्ताह पहले मिट्टी को खाद से तैयार करें
- बीज को मिट्टी में आधा इंच गहराई तक बोएं। उन्हें बहुत ज्यादा गहराई तक न बोएं। इससे बीज नहीं उगेंगे।
- बीजों के बीच 3 से 4 इंच का अंतर रखें।
- बीजों के अंकुरण को सुनिश्चित करने के लिए मिट्टी को हमेशा नम रखें। अधिक पानी न डालें। सुबह पानी दें।
- पौधों को 2 से 3 इंच तक काटते रहें।
- कीटों और बीमारियों पर नजर रखें।
- पालक को अंकुरित न होने दें। पौधों को तुरंत उखाड़ दें।
- पालक की कटाई 45 से 50 दिन में करें।

## मेथी को कैसे उगाएं

- मेथी एक बहुत ही सेहतमंद हरी पत्तेदार सब्जी है।
- बीज बोने के 3-4 दिन के भीतर पौधे कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं।
- तैयार हुई पत्तियों और तने को फिर से उगाने के लिए काट सकते हैं।
- अच्छी फसल के लिए अच्छा वेंटिलेशन और जल निकासी प्रदान करें।

## सरसों का साग कैसे उगाएं?

- सरसों के पत्तों को उनके तीखे स्वाद के लिए पसंद किया जाता है। पत्तियों को बुवाई के 20-30 दिन बाद काटा जा सकता है। आप पत्तियों को पकने भी दे सकते हैं। इसके बाद उनका उपयोग कर सकते हैं।
- सबसे पहले आप पॉटिंग मिक्स तैयार करें। इसके लिए आप 60 प्रतिशत साधारण मिट्टी,20 प्रतिशत रेत और 20 प्रतिशत वर्मीकंपोस्ट या गोबर की खाद मिला सकते हैं।
- गमले में पॉटिंग मिक्स भरकर इसे ऐसी जगह पर रखें जहां धूप आती हो।
- अब आप गमले में सरसों के बीज डाल दें।
- ऊपर से हल्की-हल्की मिट्टी डालें।
- स्प्रिंकलर करके पानी दें ताकि बीज अपनी जगह पर ही रहें।
- बीजों को 3 से 4 दिन में ही आप देखेंगे कि बीजों में से पौधे निकलने लगे हैं।

## माइक्रो ग्रीन्स को मिट्टी में कैसे उगाएं?

- माइक्रोग्रीन्स उगाने के लिए सबसे पहले ऐसी जगह चुनें जहां आपको भरपूर धूप मिल सके। इसे ग्रो लाइट में भी उगाया जा सकता है।
- तीन भाग कम्पोस्ट और एक भाग वरमीक्यूलाइट मिलाएं। सुनिश्चित करें कि दोनों में से किसी भी पदार्थ का कोई ढेर या गांठ न हो।
- मिश्रण को एक उथले कंटेनर या बीज ट्रे में डालें और इसे मिट्टी से भर दें।
- पानी अच्छी तरह से डालें ताकि मिट्टी नम रहे।
- इसके बाद बीजों को मिट्टी की सतह पर छिड़कें।
- अब उन्हें मिट्टी की एक और परत से ढककर मिट्टी को नम करें।
- नमी बनाए रखने के लिए कंटेनर को साफ प्लास्टिक बैग या चादर से ढक दें।
- यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिदिन जांच करें कि मिट्टी नम बनी रहे।
- कंटेनरों को अच्छे वायु संचार वाले स्थान पर रखें।
- जब बीज अंकुरित हो जाएं तो प्लास्टिक हटा दें।
- खरपतवारों को हटा दें और पौधों को कम कर दें ताकि केवल सबसे मजबूत पौधे ही बचे रहें।
- पौधों को पानी और खाद देना जारी रखें।
- जब पौधे 1-2 इंच लंबे हो जाएं तो कटाई कर लें।
- यदि आप इन्हें तुरंत नहीं खाते हैं तो इन्हें फ्रिज में रखें।
- इसके अलावा आप अपने बगीचे में चुकंदर, मूली, सलाद के पत्ते और गाजर जैसी सब्जियां के बीज लगा सकती हैं।

Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
बोकारो, मंगलवार, 13 अक्टूबर, 2026

# आईटी सर्च में नाम आने पर रकुल प्रीत सिंह ने दी सफाई

अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह ने इनकम टैक्स छापों से अपना नाम जुड़ने की खबरों पर रिएक्ट किया। अभिनेत्री ने इस मामले पर सफाई देते हुए कहा कि उनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। दरअसल, 28 सितंबर को आयकर विभाग ने अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह और फिल्म निर्माता वासु भगनानी से जुड़े 12 ठिकानों पर छापेमारी की है। 28 सितंबर 2026 को मुंबई में आयकर विभाग ने रकुलप्रीत सिंह, वासु भगनानी और पैनोरमा स्टूडियोज के परिसरों की तलाशी ली थी।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक नोट पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने मीडिया द्वारा गलत अफवाहों को फैलाने पर अफसोस जताया। उन्होंने लिखा, 'यह देखकर बहुत दुख होता है कि आजकल कुछ खुद को रिपोर्टर कहने वाले लोग और कुछ बड़े मीडिया पत्रकार बिना सच्चाई जाने खबरों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखा रहे हैं। इसलिए, मैं एक बार फिर सब कुछ साफ कर देती हूं।' उन्होंने आगे लिखा, 'अभी हाल ही में हमारे घर में जो तलाशी हुई है, उससे मेरा कोई लेना-देना नहीं है। इस बात हर कोई वाकिफ है कि मैं एक फौजी परिवार से ताल्लुक रखती हूं और इंडस्ट्री में मेरा कोई गॉडफादर नहीं था। मैं अपनी कड़ी मेहनत से यहां तक पहुंची हूं और 20 साल की उम्र से एक जिम्मेदार नागरिक की तरह अपना पूरा टैक्स भी भरती आ रही हूं।' अभिनेत्री ने साफ किया कि उनका नाम किसी भी गैरकानूनी कामों से जुड़ा नहीं है। उन्होंने लिखा, 'मैं किसी भी तरह के गैरकानूनी विदेशी लेनदेन में शामिल नहीं हूं, न तो खुद के लिए और न ही किसी प्रोडक्शन हाउस के लिए। मैं यह भी साफ कर दूं कि मेरे नाम पर देश या विदेश में कहीं भी गैरकानूनी प्रॉपर्टी नहीं है। न ही कभी किसी ने मुझे प्रॉपर्टी गिफ्ट की और न ही मैं इस तरह से तोहफे स्वीकार करती हूं।' अभिनेत्री ने अफवाह फैलाने वाले मीडिया संस्थानों से अपील कि की वे इस तरह की खबरें न फैलाएं। उन्होंने लिखा, 'जिन्होंने मेरे खिलाफ मनगढ़ंत खबरें छापी हैं। मैं उनसे उस खबर को वापस लेने की अपील करती हूं, साथ ही सच्चाई बताने के लिए कहती हूं। मैं समझती हूं कि मीडिया पर भी अपना बिजनेस चलाने का दबाव होता है लेकिन यह दबाव सच्चाई की कीमत पर नहीं होना चाहिए और बिल्कुल भी किसी की इज्जत और रोजी-रोटी की कीमत पर तो नहीं होना चाहिए।'

# हनुमान अंश की सफलता पर ऋचा चड्ढा ने तोड़ी चुप्पी

'हनुमान अंश' को सिनेमाघरों में दो महीने होने वाले हैं। यह फिल्म भारत में 300 करोड़ से ज्यादा और वर्ल्डवाइड 400 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस कर चुकी है। अब इसकी सफलता पर एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने अपनी राय दी है। बॉलीवुड की बेबाक और संजीदा अभिनेत्री ऋचा चड्ढा का मानना है साल 2026 को कंटेंट आधारित सिनेमा के लिए बड़ा साल कहना अभी जल्दबाजी होगी। ये निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी कि भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में दर्शकों की पसंद में कोई बड़ा बदलाव आया है।

## 'हनुमान अंश' की सफलता पर ऋचा का बेबाक विश्लेषण

2026 को 'कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा' का लैंडमार्क साल कहे जाने पर असहमति जताते हुए ऋचा चड्ढा ने कहा, अगर बात सिर्फ 'हनुमान अंश' के संदर्भ में है, तो वह एक अलग मामला है। इसके अलावा इस साल और क्या चला है? हमारी तुलना हॉलीवुड से नहीं की जा सकती। पौराणिक और धार्मिक फिल्में भारतीय दर्शकों के बीच हमेशा से सुरक्षित और लोकप्रिय रही हैं। ये फिल्में तो लोग देखते ही हैं। इसलिए यह कहना अभी बहुत जल्दबाजी होगा कि इंडस्ट्री में अचानक कुछ बहुत बेहतरीन होने लगा है। ऋचा का मानना है कि धार्मिक या पौराणिक विषयों पर बनी फिल्मों का एक स्थापित दर्शक वर्ग है, जो बिना किसी झिझक के थिएटर तक आता है। इसे पूरे सिनेमा उद्योग में आए वैचारिक या रचनात्मक बदलाव के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

## राइटर्स को मिले बेहतर पैसे, तभी बदलेगा सिनेमा

भारतीय फिल्म उद्योग को वास्तव में कंटेंट-संचालित बनाने के उपाय पर बात करते हुए ऋचा ने सबसे अहम मुद्दे पर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि जब तक पटकथा लेखकों को सही सम्मान और बेहतर पारिश्रमिक नहीं मिलेगा, तब तक बड़े बदलाव की उम्मीद करना बेमानी है।

'हनुमान अंश' का 2 करोड़ के बजट से 423 करोड़ तक का ऐतिहासिक सफर विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन में बनी फिल्म 'हनुमान अंश' आध्यात्मिक गुरु नीम करोली बाबा के जीवन और उनकी शिक्षाओं पर आधारित है। बेहद शांत शुरुआत करने वाली इस फिल्म को 'वर्ड ऑफ माउथ' का ऐसा जबरदस्त सहारा मिला कि यह 2026 की सबसे बड़ी सरप्राइज हिट बन गई।

# रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स तेलुगु' को होस्ट करते नजर आएंगे तेजा सज्जा

तेलुगु सिनेमा के अभिनेता तेजा सज्जा अब एक बिल्कुल नए अंदाज में दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार हैं। वह जल्द ही स्ट्रीमिंग रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स तेलुगु' को होस्ट करते नजर आएंगे। शो का ट्रेलर मंगलवार को रिलीज किया गया, जिसमें तेजा सज्जा की होस्ट के तौर पर झलक देखने को मिली। शो में अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े 20 सेलिब्रिटीज हिस्सा ले रहे हैं और इनके बीच भरोसे, झूठ, रणनीति और दिमागी खेल का मुकाबला देखने को मिलेगा। 'द ट्रेटर्स तेलुगु' अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर फॉर्मेट का पहला तेलुगु एडिशन है। शो में चिन्मयी श्रीपदा, हर्ष वर्धन, प्रगति महावाड़ी, श्रीदेवी चौधरी, निखिल विजयेंद्र सिम्हा, विद्या रमन, विष्णु ओई, श्राव्या वर्मा, डॉ. मेघनाथ रेड्डी, मौनीषा चौधरी, स्वीकर अगस्ती, आशिका पादुकोण, वर्षा डी'सूजा, प्रणव उर्फ अभिनवकवि, एसएस वर्धन, राहत अचंता, गौरव सुनील, साई रोनक, पुप्पला धनंजय और फल्गुनी बांगेड़ा नजर आएंगे। शो का हिस्सा बनने और इसे होस्ट करने को लेकर तेजा सज्जा ने कहा, ''मेरे लिए यह बिल्कुल नया अनुभव है। मैं इस तरह के फॉर्मेट का हिस्सा बनने को लेकर काफी उत्साहित हूं, क्योंकि यह मेरे अब तक के काम से बिल्कुल अलग है। मुझे ऐसे फॉर्मेट वाले तेलुगु एडिशन का हिस्सा बनने का मौका पहली बार मिला है, जो दुनियाभर में काफी लोकप्रिय हो चुका है।''

तेजा ने कहा, ''तेलुगु एंटरटेनमेंट के लिए यह एक बड़ा मौका है। शो सिर्फ एक लोकप्रिय इंटरनेशनल फॉर्मेट को तेलुगु दर्शकों के सामने नहीं ला रहा, बल्कि इसे स्थानीय दर्शकों के हिसाब से अपनी अलग पहचान और अंदाज भी दिया गया है। बतौर होस्ट भी मेरे लिए यह खेल उतना ही अनप्रेडिक्टेबल है, जितना इसमें हिस्सा लेने वाले कंटेस्टेंट्स के लिए।''

तेजा ने आगे कहा, ''शो में कंटेस्टेंट्स के बीच झूठ, माइंड गेम्स, अचानक बनने वाले गठजोड़ और लगातार एक-दूसरे पर शक करने का सिलसिला देखने को मिलेगा। हर कदम पर गेम बदल सकता है और किसी भी कंटेस्टेंट को यह भरोसा नहीं रहेगा कि सामने वाला वास्तव में उसके साथ है या उसके खिलाफ। अब मुझे इस बात का इंतजार है कि दर्शक इसमें शामिल कंटेस्टेंट्स से जुड़ें और गेम के आगे बढ़ने के साथ खुद भी अंदाजा लगाते रहें कि आखिर कौन किसके साथ है।'' 'द ट्रेटर्स तेलुगु' जल्द ही प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने वाला है।

# शाहरुख की फिल्म में करीना की भी हुई एंट्री

अभिनेता शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' का इंतजार फैंस को बेसब्री से है। मगर इस फिल्म का गाना 'डैडी कूल' और भी ज्यादा खास होने वाला है। खबर है कि इस गाने में बादशाह के साथ करीना कपूर भी दिखाई देगीं।

## 'डैडी कूल' में क्या है खास

शाहरुख खान और करीना कपूर खान आगामी एक्शन फिल्म 'किंग' के एक महत्वपूर्ण गाने में एक बार फिर साथ नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार करीना ने 'डैडी कूल' नामक इस गाने में विशेष भूमिका निभाने के लिए हामी भरी है, जिसकी शूटिंग इस महीने के अंत में दक्षिण अफ्रीका में एक भव्य तरीके से होगी।

## पहले भी साथ काम कर चुके शाहरुख-करीना

फिल्म 'किंग' का गाना डैडी कूल ऐसा पहला प्रोजेक्ट नहीं है, जिसके लिए शाहरुख और करीना साथ काम कर रहे हों। इससे पहले करीना और शाहरुख 'अशोका', 'कभी खुशी कभी गम' और 'रा.वन' जैसी बड़ी फिल्मों में एक साथ काम कर चुके हैं। इसके अलावा करीना शाहरुख की कई फिल्मों में कैमियो या स्पेशल गाना भी कर चुकी हैं। कविला की रिपोर्ट्स के मुताबिक 'डैडी कूल' को इस एक्शन फिल्म के मुख्य गानों में से एक के रूप में प्रस्तुत किया जाना है। प्रोडक्शन शेड्यूल के अनुसार, करीना को दक्षिण अफ्रीका में शाहरुख के साथ अपने हिस्से की शूटिंग के लिए लगभग पांच दिन दिए गए हैं। क्रॉस-कल्चरल देखने को मिलेगा रिपोर्ट्स के मुताबिक इन दो बॉलीवुड सितारों को एक साथ लाने के अलावा, इस सीक्वेंस में एक बड़ा क्रॉस-कल्चरल सहयोग भी देखने को मिलेगा। इस गाने में एक भारतीय कलाकार एक अंतरराष्ट्रीय कलाकार के साथ नजर आएंगे।

# मैं अपने हर किरदार में कुछ एक्स्ट्रा एलिमेंट कुछ नया जोड़ने की कोशिश करती हूं

अवस्थी परिवार में आपका स्वागत है; जहां ड्रामा है, मस्ती है और सबसे बढ़कर एक डायन का राज है! अमेज़न स्टूडियोज़ और कलर येलो की फिल्म 'नई नवेली' की कहानी एक जाने-पहचाने भारतीय परिवार की झलक देती है। कहानी में एक आम परिवार की दुनिया बेहद दिलचस्प तरीके से बदल जाती है, और फिर इसमें लार्जर देन लाइफ किरदारों, परिवार में होने वाले मजाक और ढेर सारे ट्विस्ट और टर्न के अलावा फैमिली डॉग के भी उस उथल पुथल में शामिल हो जाने की झलक मिलती है। फैमिली, कॉमेडी, फेंटेसी, मिस्ट्री और एक्शन को एक साथ मिलाते हुए फिल्म दर्शकों के सामने एक साथ मस्ती, ह्यूमर, इमोशन और बहुत सारे दिलचस्प सरप्राइज़ लेकर आती है। फिल्म की कहानी भारतीय परिवार के जड़ों से जुड़ी हुई है, और इस तरह से ये दर्शकों को एक ऐसी दुनिया में लेकर जा रही है जिसे उन्होंने कभी नहीं देखा है। हर नई परत के खुलने के साथ नई नवेली फिल्म अपनी तरह की इकलौती लार्जर देन लाइफ बिग स्क्रीन एडवेंचर बनकर इस दशहरा के मौके पर कुछ अलग देने का वादा करती है। कहानी के केंद्र में नेशनल अवॉर्ड विनर यामी गौतम धर मोहिनी के किरदार के साथ एक बेहद अलग अवतार में नजर आने वाली हैं। जबरदस्त लुक से लेकर बॉडी लैंग्वेज तक, उनकी कॉमिक बिट्स और एक्शन किरदार में सेंस ऑफ सरप्राइज़ लेकर आ रहे हैं।

एक इवेंट में यामी ने अपने रोल के बारे में और उसकी तैयारी करने के प्रोसेस पर बात की कि कैसे उन्होंने मोहिनी को एक पूरी तरह से नई पर्सनालिटी बनाई है। उन्होंने साझा करते हुए कहा, हर रोल अपने साथ एक नए चैलेंज और डिमांड लाता है। जब भी कोई मुझसे किसी रोल की तैयारी के बारे में पूछता है, तब मैं उस याद में चली जाती हूं, जब मैने पहली बार उस रोल के बारे में सुना या पढ़ा था। यामी ने कहा, तब आपको एहसास होता है कि मज़ा तो बहुत आ रहा है, लेकिन आपको बहुत सी चीज़ें भी सीखनी पड़ती हैं, जैसे स्किल्स, एक्शन, और बॉडी लैंग्वेज। यह ऐसा है जैसे आपको अपने सामने एक पैरेलल पर्सनैलिटी बनानी है और फिर उसे अपनी स्किन की तरह पहनना है, वही इंसान बनना है।

आगे बात करते हुए वे कहती हैं, मैं ऐसी स्टूडेंट हूं जो हमेशा सोचती रहती हूं कि तैयारी में कहीं कुछ कमी तो नहीं रह गई। मेरा मानना है कि आप जितनी बार स्क्रिप्ट पढ़ते हैं, उतना ही आपको अपने किरदार या कहानी में कुछ नया जोड़ने का मौका मिलता है। फिल्म की नब्ज समझना बहुत जरूरी है। मोहिनी उसी तरह नहीं हंसेगी, जैसे मैंने अपनी दूसरी फिल्मों में निभाए किरदारों में हंसी है। मैं अपने हर किरदार में कुछ एक्स्ट्रा एलिमेंट, कुछ नया जोड़ने की कोशिश करती हूं, ताकि ऑडियंस को भी उसे देखने में मजा आए। यामी गौतम धर स्टारर इस फिल्म को बालाजी मोहन ने डायरेक्ट किया है, जबकि इसकी कहानी हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। फिल्म में अड्डिनाथ एम. कोठारे, अनुराग ठाकुर, सुनीता राजवार, मीता वशिष्ठ, आदित्य कुलश्रेष्ठ, सुस्मिता मुखर्जी और प्रतीक पचौरी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।